03 जुलाई, 2025
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
गुरुवार, वर्ष 10, अंक 253

38 दिन तक चलनेवाली अमरनाथ यात्रा आज से, 80 हजार जवान तैनात

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

भोगनाडीह में मुख्यमंत्री और मंत्री की हत्या की योजना थी!

■ दो लोगों की गिरफ्तारी के बाद झामुमो ने उठाया सवाल

■ राष्ट्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा पर लगाया गंभीर आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भोगनाडीह घटना के बाद अब सूबे के सियासत गर्म हो गयी है। झामुमो ने भाजपा पर बड़ा और गंभीर आरोप लगाया है। झामुमो घटना के बाद दो आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके पास से बरामद हथियार को आधार बना कर सवाल पूछ रहा है कि भाजपा की मंशा क्या थी? आखिर हथियार से किसकी हत्या की योजना थी? क्या मुख्यमंत्री और जो मंत्री शामिल होते को भाजपा मारना चाह रही थी? साथ ही पूरे हिंसा और बवाल के पीछे भाजपा को बताया है?

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बुधवार को संवाददाता सम्मलेन में भाजपा को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि हूल दिवस के दौरान हुए घटना की भाजपा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि भोगनाडीह में सोची समझी साजिश के तहत बवाल किया गया। भाजपा संथाल परगना को मणिपुर बनाना चाहती है। उसी मॉडल को सांथल परगना में लाने की तैयारी की गयी है। जिसमें मोहरे सेट किये गये। सुप्रियो ने कहा कि इस पूरे बवाल की पटकथा दीनदयाल मार्ग में लिखा गया। जिसका निर्देशन गोड्डा के सांसद ,पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाइ सोरेन और उसके कुछ प्यादे द्वारा लिखा गया। ये लोग मणिपुर बनाना चाहते हैं बारूद के ढेर पर बैठाना चाहते है। पुलिस ने कुछ लोगों को पकड़ा है उनके साथ हथियार को बरामद किये गये हैं। सवाल उठाता है कि क्या वर्तमान मुख्यमंत्री की हत्या करना है? राज्य के मंत्री वहां जाते हैं, तो क्या उनकी हत्या करना चाहती है? यह गंभीर मामला है, क्योंकि हूल दिवस का जो कार्यक्रम होता है राजकीय समारोह होता है। राजकीय कार्यक्रम होता वह किसी पार्टी का नहीं होता है। इस मामले में मुख्यमंत्री को संज्ञान लेकर जांच करानी चाहिए।

झामुमो संथाल परगना को पश्चिम बंगाल की तरह बर्बाद करना चाहता है : आदित्य साहू

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश महामंत्री सह सांसद आदित्य साहू ने कहा है कि झामुमो पूरे संथाल परगना को पश्चिम बंगाल की तरह तुष्टीकरण में बर्बाद करना चाहता है। झामुमो अपनी खिसकती जमीन और राज्य सरकार के खिलाफ बढ़ते आक्रोश से हताश और निराश है। झामुमो शहीदों के वंशजों का सम्मान नहीं करता है और उन्हें प्यादा समझता है। झामुमो बताये कि गाय बथान और गोपीनाथपुर में आदिवासी परिवारों के साथ घटी घटना के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर कौन हैं? झामुमो बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है और उनके आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर कार्ड बनाये जा रहे हैं।

झारखंड को बर्बाद होते नहीं देख सकती भाजपा : भाजपा झारखंड को बर्बाद होते नहीं देख सकती और राज्य सरकार के खिलाफ उठे जनाक्रोश को दिशा देगी। संथाल परगना झामुमो की जागीर नहीं है और भाजपा इसके लिए लड़ाई लड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी रांची और गढ़वा को आज देंगे तोहफा

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर आज जनता को समर्पित करेंगे

- गढ़वा में 12 बजे रेहला फोर लेन रोड का उद्घाटन करेंगे गडकरी
- 3 बजे रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे गडकरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/गढ़वा। राजधानी रांची के लोगों को गुरुवार को बड़ी सौगात मिलने वाली है। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन की तैयारियां अंतिम चरण में है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गढ़वा में भी एनएचएआइ की योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। वह सुबह लगभग 10.30 बजे रांची पहुंचेंगे। पहले गढ़वा के कार्यक्रम में शामिल होंगे, फिर शाम में रांची में कार्यक्रम होगा।

ऐतिहासिक होगा उद्घाटन

रांची में मंत्री नितिन गडकरी सबसे पहले बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। यहां से रातू रोड पहुंचेंगे और 3 बजे एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद मोटरसाइकिल जुलूस के साथ मंत्री ओटीसी ग्राउंड पहुंचेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।

गढ़वा में करेंगे फोर लेन सड़क का उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 3 जुलाई की सुबह 10.40 बजे दिल्ली से रांची आयेंगे। इसके बाद गढ़वा के हूर गांव जायेंगे। वहां दिन के 12 बजे मंत्री रेहला फोर लेन सड़क का उदघाटन करेंगे। यहां आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वह हेलीकॉप्टर से दिन के 2:15 बजे रांची लौटेंगे।

केंद्रीय मंत्री एनएच परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे

गडकरी झारखंड के लिए एनएच परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इस मौके पर एनएचएआइ के कई अधिकारी मौजूद रहेंगे। रांची में सभा भी की जायेगी। यहां आयोजित कार्यक्रम के दौरान गडकरी फ्लाइओवर का भी जायजा लेंग। इसके बाद होटल रेडिसन ब्लू जायेंगे। वहां पर अधिकारियों के साथ एनएच की परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में ट्रांसपोर्ट के मुद्दे पर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। शाम 6:45 बजे रांची एयरपोर्ट से वापस दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

झारखंड में 70 करोड़ से अधिक का शराब घोटाला

प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के एमडी विधु गुप्ता गिरफ्तार

- एसीबी कर रही मामले की जांच, अब तक आठ हुए गिरफ्तार
- आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में 70 करोड़ से अधिक के शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को एसीबी की टीम ने प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) विधु गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। विधु गुप्ता मूल रूप से उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के रहने वाले हैं। एसीबी ने विधु गुप्ता को 20 मई को दर्ज हुए कांड संख्या 09/25 के तहत गिरफ्तार किया है। यह शराब घोटाले में एसीबी द्वारा की गयी आठवीं गिरफ्तारी है। बताते चलें कि इसी मामले एसीबी आइएएस विनय चौबे (निलंबित), तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

इस घोटाले की जड़ें छत्तीसगढ़ में हुए इसी तरह के घोटाले से जुड़ी हुई है। गिरफ्तार कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया ने ही प्रिज्म होलोग्राफी और उसके निदेशक विधु गुप्ता को झारखंड में 'अवैध जनशक्ति मॉडल' के सक्रिय संचालक के रूप में पेश किया था। इस घोटाले में आबकारी लाइसेंस धारकों और झारखंड स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) की निविदाओं के लिए विधु गुप्ता की एजेंसी के माध्यम से फर्जी जनशक्ति की लगातार तैनाती की गयी। सार्वजनिक धन का गबन करने के लिए फर्जी दस्तावेजों और बढ़ाये गये वेतन दावों का भी इस्तेमाल किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि विधु गुप्ता के नियंत्रण में ठेकेदारों, आबकारी अधिकारियों और जनशक्ति एजेंसियों को शामिल करते हुए विभिन्न राज्यों में एक संरचित नेटवर्क काम कर रहा था। यह गिरफ्तारी झारखंड शराब घोटाले की जांच में एक महत्वपूर्ण मोड़ मानी जा रही है। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

न्यूज रील्स

बांग्लादेश में शेख हसीना को छह माह जेल की सजा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में छह महीने जेल की सजा सुनायी गयी है। बांग्ला अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने बुधवार को यह सजा सुनायी। हसीना और एक स्थानीय नेता शकील बुलबुल के बीच हुई फोन बातचीत की जांच करने के बाद यह फैसला सुनाया। यह बातचीत पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी थी। इस कथित ऑडियो क्लिप में शेख हसीना को यह कहते सुना गया कि उनके खिलाफ 227 मुकदमे दर्ज हैं, इसलिए उन्हें 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद शेख हसीना ने पद छोड़ दिया था और उसके तुरंत बाद भारत भाग गयी थीं।

उत्तराधिकारी का चयन बौद्ध परंपराओं से होगा: दलाई लामा

धर्मशाला। हिमाचल के धर्मशाला में बुधवार को शुरू हुए 15वें तिब्बती धार्मिक सम्मेलन के मौके पर दलाई लामा की ओर से यह साफ कर दिया गया है कि दलाई लामा की संस्था भविष्य में भी जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके देहांत के बाद उनके उत्तराधिकारी का चयन भी तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार ही होगा। तिब्बत और बौद्ध धर्म में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए दलाई लामा ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा है कि उनके उत्तराधिकारी के चयन में चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। अगर चीन ऐसा करने की कोशिश भी करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा पर गये

- सबसे पहले घाना जायेंगे, इसके बाद ब्राजील जायेंगे
- ब्रिक्स सम्मेलन में भी होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पांच देशों की यात्रा पर रवाना हो गये हैं। वह 2 से 9 जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान 6 और 7 जुलाई को ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों से भारत के संबंधों को नया आयाम मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हुए। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री को 21 तोपों की सलामी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। घाना की राजधानी एक्रॉ में होटल के बाहर मोदी के स्वागत के लिए भारतीय वेशभूषा में पहुंचे बच्चों ने उन्हें श्लोक सुनाया। यह उनकी पांच देशों की यात्रा का पहला चरण है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है।

पीएम मोदी नामीबिया संसद को भी संबोधित करेंगे

पीएम मोदी की यात्रा का अंतिम पड़ाव नामीबिया होगा, जिसे उन्होंने एक भरोसेमंद साझेदार बताया। पीएम मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात और हमारे लोगों, हमारे क्षेत्रों और व्यापक ग्लोबल साउथ के लाभ के लिए सहयोग का एक नया रोडमैप तैयार करने के लिए उत्सुक हैं। वह नामीबियाई संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे।

ब्रासीलिया में एक द्विपक्षीय राजकीय दौरे के साथ जारी रहेगी यात्रा

ब्राजील की यात्रा ब्रासीलिया में एक द्विपक्षीय राजकीय दौरे के साथ जारी रहेगी, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा होगा। उन्होंने कहा कि यह दौरा ब्राजील के साथ हमारी निकट साझेदारी को मजबूत करने और मेरे मित्र राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर देगा।

वैश्विक नेताओं से बातचीत करने के लिए उत्सुक : घाना रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर मैं 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करूंगा। घाना ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान साझेदार है और अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जतायी। उन्होंने कहा कि घाना की संसद में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

हजारीबाग का पदमा किला बनेगा शिक्षा का हब

विश्वविद्यालय को 30 एकड़ जमीन दान देंगे पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह

- महाराजा बहादुर कामख्या नारायण सिंह की जयंती पर जमीन हस्तांतरण करने की है तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में शिक्षा का हब बनाने के लिए एक नया अध्याय जुड़ने वाला है। यहां के ऐतिहासिक पदमा जिला और उसका बड़ा भू खंड विनोवा भावे विश्विद्यालय को मिलेगा। हजारीबाग सदर से दो बार विधायक रहे कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह ने इसकी पहल की है। इसको लेकर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ चंद्रभूषण शर्मा के साथ सौरभ नारायण सिंह लक्ष्मी निवास पैलेस पदमा पहुंचे। इस दौरान पूर्व विधायक ने कहा हमारे पूर्वजों का सपना था हजारीबाग को शिक्षा के क्षेत्र में हब बनाना और इसके तहत हमारे पूर्वज विनोबा भावे यूनिवर्सिटी को सैकड़ों एकड़ जमीन दिये थे। विश्वविद्यालय को फिर से जमीन देकर पदमा क्षेत्र को शिक्षा का हब बनाना है। साथ यहां के लोगो को रोजगार मिले इसके तहत इस जमीन को देने का निर्णय लिया। सौरभ नारायण सिंह 10 जुलाई को महाराजा बहादुर कामख्या नारायण सिंह के जयंती पर 30 एकड़ जमीन दान देंगे। इसकी पूरी तैयारी भी कर ली गयी है।

जमीन का अवलोकन करते पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह, विनोबा भावे विवि के कुलपति डॉ चंद्रभूषण शर्मा और अन्य। (ऊपर) एवं ऐतिहासिक पदमा का किला। (नीचे)

बता दें कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय की स्थापना 1992 में हुई थी। प्रमुख विश्वविद्यालय में विनोबा भावे विश्वविद्यालय का नाम भी शामिल है। यहां दर्जनों पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होती है। वोकेशनल से लेकर सामान्य पाठ्यक्रमों की पढ़ाई यहां होती है। आने वाले वर्षों में इसका दायरा अब और बढ़ने वाला है, क्योंकि पदमा किला जो बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय के परिसर के रूप में शामिल होने वाला है।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 03 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

बिहार के रण का कौन बनेगा सिकंदर

■ नीतीश, तेजस्वी और पीके के बीच कड़े मुकाबले की जमीन तैयार

■ दिलचस्प होता जा रहा है इस बार का बिहार विधान सभा चुनाव

आजाद सिपाही विशेष

इस साल के अंत तक बिहार में विधानसभा चुनाव होना है। बिहार की राजनीति सीधे केंद्र की राजनीति पर असर डालती है। इसलिए केंद्र की किसी भी सरकार के लिए बिहार का समीकरण काफी अहम होता है। बिहार की राजनीति कब और किस तरह से करवट लेगी, कहना मुश्किल होता है। इस बार बिहार का चुनाव एक बार फिर से नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द बुना जा रहा है। बीजेपी ने फिलहाल राज्य में नीतीश की जनता दल यूनाइटेड के नेतृत्व में चुनाव लड़ना स्वीकार कर लिया है। वहीं तेजस्वी यादव उनके विरोधी दल के नेता के रूप में मुखर रहेंगे। उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के सामने एनडीए को टक्कर देने की चुनौती है। एनडीए में साल 2020 के पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान के तौर पर दरार देखी गयी थी और इसका फायदा आरजेडी ने उठाया था। लेकिन अब भी राज्य में सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिहार की राजनीति की दिशा चुनावी साल में क्या है। क्या नीतीश कुमार के पास ही अब भी राज्य में जीत की चाबी है। क्या बीजेपी अकेले दम पर बिहार में निर्णायक बढ़त हासिल करने की ताकत बना पायी है। क्या तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद एंटी-इनकंबेंसी को भुना पायेगी। कांग्रेस के सामने क्या विकल्प हैं और छोटी पार्टियों का समर्थन किसका बेड़ा पार लगायेगा। क्या नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के सामने प्रशांत किशोर कोई चुनौती पेश कर सकेंगे या फिर वह भी किसी राजनीतिक धमाके की तरह प्रकट होने के बाद नेपथ्य में गुम हो जायेंगे। इन सवालों का जवाब आसान नहीं है, क्योंकि बिहार की राजनीति हमेशा से एक नयी लाइन बनाती रही है। ऐसे में कौन बन सकता है बिहार का सिकंदर और क्या हैं संभावनाएं, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी अब बढ़ने लगी है। चुनावी समीकरण भी अब आकार ले रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर से चुनावी गठबंधन की बात जोर शोर से उठ रही है। बिहार का चुनाव इस बार कई मायनों में बहुत अलग होने जा रहा है। अब तक के संकेत बता रहे हैं कि बिहार चुनाव में नेताओं के भाषण बहुत ही कसैले और कड़वे होने जा रहे हैं। विधानसभा के बजट सत्र में ही इसकी झलक दिखाई पड़ी। तेजस्वी हों या फिर नीतीश, दोनों ही व्यक्तिगत हमला कर रहे हैं। एनडीए हो या फिर इंडिया गठबंधन, दोनों तरफ से व्यक्तिगत हमले हो रहे हैं। नीतीश कुमार तेजस्वी को बच्चा कहकर बात करते हैं। इस तरीके से वह उनके कद को कम करने का प्रयास करते हैं। नीतीश का कहना है कि उन्होंने तेजस्वी के पिता लालू यादव के साथ राजनीति की है। ऐसे में वह उन्हें क्या सिखायेंगे। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव इस समय नीतीश कुमार के साथ ही उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का भी राजनीतिक हमला झेल रहे हैं। इसके साथ ही अन्य नेता भी तेजस्वी पर हमलावर हैं।

क्या बदलेगा गठबंधन का समीकरण

राजनीति में अनिश्चितता तो रहती है, लेकिन बिहार में बीजेपी ने यह स्पष्ट कर दिया है? कि एनडीए विधानसभा का चुनाव नी?तीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ेगा। बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में 243 सीटों की विधानसभा में बीजेपी 110 सीटों पर और जेडीयू 115 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इस बार सीटों के बंटवारे को लेकर रस्साकशी और सौदेबाजी देखने को मिल रही है, क्योंकि पिछली बार जेडीयू मात्र 43 सीटें जीत पायी थी। लेकिन सवाल यह है कि उसके आगे क्या होगा। चुनाव के बाद क्या परिणाम आते हैं। कैसी परिस्थितियां होंगी। आरजेडी का प्रदर्शन कैसा होगा। अगर आरजेडी के पास सीटें अच्छी आती हैं, तो नीतीश कुमार के पास आरजेडी के साथ जाने का विकल्प बनता है। ऐसे में इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता है। पिछली बार जेडीयू का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा था। इसके बावजूद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री इसलिए बनाया गया, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प मौजूद है। इस समय जेडीयू और आरजेडी के रिश्ते खराब हैं। ऐसे में बीजेपी और जेडीयू चुनाव में साथ लड़ने की संभावना है।

कितने असरदार हैं नीतीश कुमार

यह सच है कि नीतीश कुमार की साख अब पहले जैसे नहीं रही। उनकी राजनीतिक निष्ठा पासे की तरह पलटती रही। इसका नुकसान हुआ है। वहीं उनके खराब स्वास्थ्य और सरकार की कार्यशैली के कारण उनके प्रति विश्वास में कमी आयी है, लेकिन यह भी स्थिति नहीं आयी कि बीजेपी उनसे पल्ला झाड़कर अकेले चुनाव लड़ ले। फिलहाल बीजेपी अभी आश्वस्त नहीं कि वह अकेले चुनाव लड़कर चुनाव जीत सकती है। मुझे लगता है कि बीजेपी अगर अकेले चुनाव लड़ेगी, तो शायद वह सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरेगी, लेकिन उसकी इतनी हैसियत नहीं है कि अकेले सरकार बना ले। ऐसे में नीतीश कुमार को चुनाव तक साथ रखना लाजिमी है। वैसे नीतीश कुमार को लेकर बीजेपी नेताओं में बेचैनी बहुत है। चुनाव के बाद यह बेचैनी और भी दिखाई देगी। चुनाव में सीट जीतने का अनुपात अगर पिछली बार की तरह ही रहा, तो इस बार बिहार में महाराष्ट्र जैसी राजनीति देखने को मिल सकती है।

नीतीश के स्वास्थ्य का बिहार की राजनीति पर असर

नीतीश कुमार अब 74 साल के हो गये हैं। उम्र के साथ उनके स्वास्थ्य को लेकर दिक्कतें सामने आयी हैं। ऐसे में उनके नेतृत्व को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर पूरी की पूरी राजनीति तैयार की जा रही है। साल 2005 में जब नीतीश ने सत्ता संभाली थी, तो यह कहा जाता था कि बहुत अच्छे शब्द बोलने वाले व्यक्ति के पास सत्ता आयी है। इससे इतर पिछले दिनों में उनका भाषण देखें, उनका स्टाइल देखें, वह कैसे गुस्सा हो जा रहे हैं। सभी महसूस कर रहे हैं कि उनका स्वास्थ्य अब अच्छा नहीं है। नीतीश कुमार ने अपने बाद दूसरी पंक्ति का कोई नेता उभरने नहीं दिया और 23 साल से पूरी जेडीयू उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। जेडीयू में दूसरी पंक्ति में अब निशांत कुमार को आगे किया जा रहा है। सवाल यह है कि 40 साल की उम्र पार कर रहा व्यक्ति क्या राजनीतिक विरासत को संभाल पायेगा। नीतीश कुमार के पास 14 प्रतिशत वोट है और बीजेपी भी इस बात को मानती है। यह वजह है कि नीतीश कुमार जिस तरफ जाते हैं, जीत उसी की होती है।

जेडीयू का वोट बैंक कहां जायेगा

इस चुनाव में नेतृत्व नीतीश कुमार के हाथ में रहेगा, लेकिन अगर मान लें कि न रहे तो क्या होगा। इससे अति पिछड़ा वर्ग का वोट टूटेगा। यह आरजेडी से टूटकर जेडीयू में आया है, तो इसका बड़ा हिस्सा बीजेपी में जायेगा और छोटा हिस्सा आरजेडी के पक्ष में जा सकता है। कांग्रेस को इसका कोई फायदा शायद नहीं होगा। बिहार में 15 साल सरकार के बाद भी आरजेडी का वोट प्रतिशत 26 से 27 के बीच बना हुआ है। अति पिछड़ा वर्ग काफी जद्दोजहद के बाद जेडीयू के साथ गया है। आरजेडी में अति पिछड़ा वर्ग की वापसी के लिए तेजस्वी को अखिलेश यादव की तरह राजनीतिक संकेत देने होंगे।

कांग्रेस के पास क्या विकल्प है

बिहार में कांग्रेस जिस राह पर चल पड़ी है, उसमें यूपी, बिहार ही नहीं, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु और दिल्ली में संकट नहीं, महासंकट है। ऐसे राज्यों की संख्या बढ़ती जा रही है। बिहार में इस बार कांग्रेस के अस्तित्व की लड़ाई है।

बिहार में छोटे दलों की क्या है भूमिका

बिहार की राजनीति जातियों पर आधारित है। छोटी पार्टियों के नेताओं की एक विशेष जाति पर पूरी पकड़ है, जैसे चिराग पासवान का एक अपना वोट बैंक है। जीतन राम मांझी का एक अलग वोट बैंक है। इनके जातिगत वोट बैंक को हासिल करने के लिए गठबंधन की जरूरत है। तेजस्वी यादव इस चुनाव में अखिलेश यादव से कुछ सीखेंगे। कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने के बजाय अगर अपनी सीटों पर प्रत्याशी उतारते हैं, तो उन्हें ज्यादा फायदा होगा। बीजेपी अपना फुटप्रिंट बनाने की कोशिश कर रही है। चिराग पासवान को वो जितनी सीटें पहले देते आ रहे हैं, उतनी ही देंगे।

जनसुराज पार्टी और प्रशांत किशोर कितने बड़े कारक

बिहार चुनाव में इस बार जनसुराज पार्टी भी एक फैक्टर है। यह कितना बड़ा है, इसका पता चुनाव के बाद ही पता चलेगा। हमें उप चुनाव और सामान्य चुनाव में अंतर करके देखने की जरूरत है। जब विधानसभा चुनाव होंगे, तो लोग अपने नुमाइंदे नहीं सरकार चुनेंगे और उस वक्त अगर ये लगने लगता है कि कोई पार्टी एकदम हाशिये पर है या फिर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं, तो ऐसे में उनकी तरफ रुझान कम हो जाता है। इसलिए प्रशांत किशोर कुछ न कुछ नुकसान जरूर करेंगे। वो जितना भी वोट लायेंगे, आरजेडी और उनके स?हयोगी दलों का ही नुकसान होगा।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद के भाई का निधन, सीएम ने जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कैबिनेट मंत्री योगेंद्र प्रसाद के भाई भरत कपूर का आकस्मिक निधन हो गया है। वह हैदराबाद के एआइजी अस्पताल में भर्ती थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भरत कपूर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शोकाकुल परिवारजनों को दुख की घड़ी में सहन करने की शक्ति दें।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को पोस्ट कर लिखा कि राज्य सरकार में साथी मंत्री योगेंद्र प्रसाद के भाई भरत कपूर के आकस्मिक निधन का दुःखद समाचार मिला। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें। मुख्यमंत्री के अलावा कई मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने भी मंत्री योगेंद्र प्रसाद के भाई के निधन पर संवेदना प्रकट की है। मंत्री दीपिका पांडेय ने कहा है कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल और शक्ति प्रदान करें।

हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा के स्वास्थ्य में हो रहा सुधार : संजय सेठ

अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी से मिलने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ अस्पताल पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा की स्थिति पहले से सुधर रही है। वे रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल में आइसीयू में भर्ती हैं, जहां उनके सिर में लगी गंभीर चोट के बाद इलाज चल रहा है। बुधवार को रांची के सांसद और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ अस्पताल पहुंचे और विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से मिलकर पूरी स्थिति को समझा और कहा कि सरकार उनकी हर संभव सहायता करेगी।

संजय सेठ ने कहा कि विमल लकड़ा जैसे खिलाड़ी राज्य और देश का गौरव हैं, और ऐसे समय में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। संजय सेठ ने कहा कि जब वह पहली बार मेडल जीत कर झारखंड पहुंचे थे, तो उस दौरान मैं बैंक में नौकरी करता था और उन्हें सम्मानित करने का मौका मिला था। उनके लिए झारखंड ही नहीं बल्कि पूरा देश खड़ा है, इस दौरान चिकित्सक संजय कुमार ने कहा कि पहले से स्थिति सुधर रही है। ऑपरेशन की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेडिसिन से ही ठीक होने की संभावना ज्यादा है, लगातार चिकित्सकों की टीम मॉनिटरिंग कर रही है। गौरतलब हो कि सोमवार को सिमडेगा जिले के अपने पैतृक गांव में खेत में काम करने के दौरान विमल लकड़ा अचानक बेहोश होकर गिर पड़े थे। परिवारजनों और ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल सिमडेगा सदर अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जांच में सिर में गंभीर चोट और ब्रेन क्लॉटिंग की आशंका जतायी गयी, जिसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें रांची रेफर कर दिया। रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल में उन्हें आइसीयू में भर्ती किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार, ब्रेन में खून के थक्के जमने की पुष्टि हुई है और उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में चल रहा है। विमल लकड़ा की गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार भी सक्रिय हुई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मामले की गंभीरता को समझते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी को निर्देश दिया है कि इलाज में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

गुरुजी अवश्य स्वस्थ होकर वापस आयेंगे : अंतु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना करते हुए बुधवार को तेतर टोली सरना स्थल मोरहाबादी में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अंतु तिर्की ने वैधानिक तरीके से पूजा-अर्चना की। तिर्की के नेतृत्व में सरना स्थल पर पूरे विधि विधान से मोरहाबादी मौजा के मुख्य पाहन सनी मुंडा की ओर से पूजा-अर्चना की गयी। अंतु तिर्की ने कहा हम सबों के आदर्श दिशुम गुरु शिबू सोरेन पर सरना माता की कृपा बनी रहेगी और वे शीघ्र स्वास्थ्य होकर वापस लौटेंगे। उनके शीघ्र स्वास्थ्य एवं दीघार्यु के लिए विशेष प्रार्थना एवं पूजा अर्चना की गयी। अनुष्ठान में कार्तिक तिर्की, राम सहाय सिंह मुंडा, बीरू साहू, विनोद तिर्की, महादेव मुंडा, बजरंग लोहरा, विलियम रिचर्ड, फैयाज साह, कृष्णा मुंडा, अमित तिर्की, दीपक तिर्की, दीपक लोहरा, अशेसर रजवार, राखी देवी, सोमारी देवी, चामू बेक अनिल, रोशन सहित अन्य लोग शामिल थे।

बिहार के सीमांचल में सांप्रदायिक सियासत की साजिश!

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार की सियासत में एक बार फिर हलचल मच गयी है। लघु जल संसाधन मंत्री और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष सुमन ने राजद और कांग्रेस पर सीमांचल में सांप्रदायिकता भड़का कर वोटों का ध्रुवीकरण करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि इंडी गठबंधन असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम के साथ मिलकर बिहार में सियासी खेल खेलने की फिराक में है।

ओवैसी के साथ गठजोड़ का दावा

डॉ संतोष सुमन ने कहा कि राजद और कांग्रेस सीमांचल में अल्पसंख्यक वोटों को अपने पाले में करने के लिए ओवैसी का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने पटना में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ आयोजित एक सम्मेलन में तेजस्वी यादव के बयानों को तुष्टिकरण की कोशिश बताया। सुमन का कहना है कि इसका मकसद वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा नहीं, बल्कि वोटों का ध्रुवीकरण है।

सीमांचल में वोटों का गणित

सुमन ने बताया कि सीमांचल के चार जिलों में मुस्लिम वोटरों की अच्छी-खासी तादाद है। किशनगंज में 67%, कटिहार में 38%, अररिया में 32% और पूर्णिया में 30% मुस्लिम मतदाता हैं। उनका आरोप है कि राजद-कांग्रेस इस इलाके में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर अल्पसंख्यक वोटों को हासिल करना चाहते हैं, साथ ही बहुसंख्यक समुदाय में डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

सामाजिक तनाव का खतरा

डॉ सुमन ने चेतावनी दी कि राजद-कांग्रेस का यह कथित गठजोड़ सीमांचल को अशांत करने और सामाजिक विद्वेष फैलाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि ओवैसी जैसे नेताओं का साथ लेकर ये दल भड़काऊ भाषणों के जरिये सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। सुमन ने बिहार की जनता से ऐसे 'मौकापरस्त' नेताओं से सावधान रहने की अपील की।

बिहार की जनता को चेतावनी

डॉ संतोष सुमन ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को उठाकर सियासी माहौल को गर्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि सीमांचल की शांति और सामाजिक सौहार्द को बनाये रखने के लिए जनता को जागरूक रहना होगा। यह विवाद क्या बिहार की सियासत में नया मोड़ लायेगा, यह देखना दिलचस्प होगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय
भारत सरकार
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

झारखंड में वर्ल्ड क्लास रोड नेटवर्क
भारत सरकार का संकल्प

"21वीं सदी का नया भारत, बेहतरीन और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। बेहतर सड़कें, रेल नेटवर्क, एयरपोर्ट, ये सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स नहीं होते, बल्कि ये पूरे क्षेत्र का कायाकल्प कर देते हैं।" —नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹6300+ करोड़ के निवेश की 11 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का झारखंड वासियों को उपहार

शिलान्यास

दामोदर नदी पर हाई लेवल पुल एवं भौरा रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर आरओबी का निर्माण
(NH-218, लम्बाई 4 किमी, लागत ₹285 करोड़)

मुर्गातान से मानपुर खंड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर का चौड़ीकरण
(NH-218, लम्बाई 27 किमी, लागत ₹95 करोड़)

सिमडेगा जिले में 8 हाई लेवल ब्रिजों का निर्माण
(NH-143, लम्बाई 4 किमी, लागत ₹35 करोड़)

लोकार्पण

पलमा से गुमला तक 4 लेन सड़क का निर्माण
(NH-23, लम्बाई 63 किमी, लागत ₹1900 करोड़)

रांची शहर के अंतर्गत रातु रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण
(NH-75, लम्बाई 4 किमी, लागत ₹560 करोड़)

झारखंड भाग में बाराहाट से तुलसीपुर खंड तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर का चौड़ीकरण
(NH-133, लम्बाई 15 किमी, लागत ₹70 करोड़)

बरही-कोडरमा खंड का 4 लेन का निर्माण
(NH-31, लम्बाई 28 किमी, लागत ₹825 करोड़)

गोड्डा से सुंदरपहाड़ी खंड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर का चौड़ीकरण
(NH-333 A, लम्बाई 18 किमी, लागत ₹100 करोड़)

गिरीडीह शहर में सड़क का चौड़ीकरण
(NH-114 A, लम्बाई 9 किमी, लागत ₹20 करोड़)

गुरुवार, 03 जुलाई 2025 | रांची | दोपहरः 2:30 बजे

शिलान्यास

छत्तीसगढ़/झारखंड सीमा से गुमला तक 4 लेन सड़क निर्माण
(NH-43, लम्बाई 32 किमी, लागत ₹1330 करोड़)

लोकार्पण

शंखा से खजुरी तक 4 लेन सड़क निर्माण
(NH-39, लम्बाई 23 किमी, लागत ₹1130 करोड़)

गुरुवार, 03 जुलाई 2025 | ग्राम हुर के पास, गढ़वा बाईपास, गढ़वा, झारखंड | सुबह : 11:30 बजे

विकास परियोजनाओं से लाभ

- रांची शहर में रातु रोड पर लगने वाले जाम से निजात, समय और ईंधन की बचत
- आस पास के राज्यों से सुगम संपर्क, माल ढुलाई आसान और व्यापार को बढ़ावा
- रांची और पटना के बीच कनेक्टिविटी आसान
- तिलैया डैम और कोडरमा वन जैसे पर्यटन स्थलों तक आसान पहुँच
- अंजनी धाम, टांगीनाथ धाम जैसे धार्मिक स्थलों तक सुगम कनेक्टिविटी, श्रद्धालुओं को सुविधा
- एनएच - 114A के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से गिरडीह शहर में यातायात हुआ सुगम
- धनबाद और पश्चिम बंगाल के बीच बेहतर हुआ संपर्क, कोयला ढुलाई आसान
- लॉजिस्टिक लागत में कटौती से औद्योगिक और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा
- स्थानीय उत्पादों एवं कृषि उपज की बड़े बाजारों तक पहुँच आसान

नितिन गडकरी
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री
भारत सरकार
के कर कमलों द्वारा

एवं

हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखंड
की अध्यक्षता में

गुरुवार, 03 जुलाई 2025

गरिमामयी उपस्थिति

अन्नपूर्णा देवी	केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री
संजय सेठ	केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री
बाबु लाल मरांडी	नेता प्रतिपक्ष, झारखंड
रघुवर दास	पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड
शिबू सोरेन	पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड एवं सांसद (राज्यसभा)
संजय प्रसाद यादव	उद्योग मंत्री, झारखंड
दीपिका पाण्डेय सिंह	पंचायती राज मंत्री, झारखंड
सुदिव्य कुमार	पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल एवं युवा मामले मंत्री, झारखंड
शिल्पी नेहा तिर्की	कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री, झारखंड
चमरा लिण्डा	अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, झारखंड

माननीय सांसद गण

दीपक प्रकाश, आदित्य प्रसाद, महुआ माजी, प्रदीप कुमार वर्मा, डॉ. सरफराज अहमद, डॉ. निशिकांत दुबे, विजय कुमार हांसदाक, विष्णु दयाल राम, चंद्र प्रकाश चौधरी, दुलू महतो, मनीष जायसवाल, कालीचरण मुंडा, सुखदेव भगत

माननीय विधायक गण

सी.पी. सिंह, प्रदीप यादव, नीरा यादव, नमन बिक्सल कोनगाडी, भूषण तिर्की, जिगा सुसरन होरो, मनोज कुमार यादव, उमाकांत रजक, रागिनी सिंह, धनंजय सोरेन, सत्येन्द्र नाथ तिवारी, नरेश प्रसाद सिंह

CBC 37107/15/0005/2526

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

FOR LIVE STREAMING : www.facebook.com/nitingadkary | https://twitter.com/nitin_gadkari | www.youtube.com/c/NitinGadkariOfficial

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने की समीक्षा

श्रावणी मेला में भीड़ नियंत्रण की पुख्ता व्यवस्था बनायें : मुख्य सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजकीय श्रावणी मेला 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह 9 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान लगभग 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के बाबा नगरी और बाबा बासुकी नाथ धाम आने की संभावना है। श्रद्धालु बाबा धाम से सुखद अनुभव लेकर लौटें, इसकी तैयारियां विभिन्न स्तरों पर व्यापक तरीके से चल रही हैं। बुधवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी ने तैयारियों को लेकर सभी संबंधित विभागों के प्रमुख और देवघर तथा दुमका के उपायुक्त, एसपी व अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस दौरान ठोस निर्णय लिये गये और उसका अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही तय की गयी। मुख्य सचिव का फोकस लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा पर थी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था पुख्ता बनायें। आपात स्थिति से निपटने के लिए जो जहां तैनात हों, वे प्रशिक्षित, जवाबदेह और संवेदनशील हों।

भगदड़ की स्थिति नहीं बने

मुख्य सचिव ने कहा कि भगदड़ की स्थित नहीं बने, इसके लिए तय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करें। श्रद्धालु एक जगह अधिक संख्या में इकट्ठे नहीं हों, इसके लिए ऐसी व्यवस्था बनायें कि वे छोटे-छोटे समूह में रहें। सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मी शिफ्ट बदलने पर तभी अपना स्थान छोड़ें, जब उनका विकल्प वहां आ जाये। भीड़ नियंत्रण के लिए एआइ आधारित सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन आदि के फुटेज की लगातार मॉनिटरिंग हों और लगे कि कहीं भीड़ ज्यादा हो रही है, तो बिना समय जाया करे तत्काल उसे नियंत्रित करें। इसके अलावा यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं का मार्ग समतल हो, ताकि ठोकर लग कर गिरने की आशंका खत्म हो जाये। जहां सीढ़ी आदि हो वहां फिसलन नहीं हो। श्रद्धालुओं के आने-जाने की अलग व्यवस्था हो। अचानक बिजली गुल नहीं हो। बिजली कटने के साथ उसकी पुनःबहाली की वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार रखें। कहीं भी बिजली का नंगा तार नहीं हो और वह नीचे की ओर झूलता हुआ नहीं हो। इंट्री प्वाइंट पर मेटल डिटेक्टर से लोगों को गुजारने के दौरान इसका विशेष ध्यान रखा जाये कि वहां अत्यधिक भीड़ की स्थिति नहीं बने। वहीं पूर्व में मंदिर का कपाट खुलने के साथ भीड़ का दबाव बढ़ने का अनुभव रहा है। इसे देखते हुए जिले के उपायुक्त और एसपी उस समय अपनी मौजूदगी सुनिश्चित करते हुए व्यवस्था नियंत्रण की बागडोर संभाले। साथ ही रविवार और सोमवार को श्रद्धालुओं की तदाद काफी बढ़ती है, इसे भी संज्ञान में रखते हुए व्यवस्था बनायें। उन्होंने निर्देश दिया कि आपात विभाग से जुड़े मुख्यालय के आला अधिकारी मौके पर जाकर तैयारियों का जायजा लें और कमियों को समय रहते दुरुस्त करायें।

स्वच्छता पर पूरा फोकस करें

मुख्य सचिव ने तैयारियों की समीक्षा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कि बारिश के मौसम को देखते हुए स्वच्छता पर पूरा फोकस करें। शुद्ध पेयजल की उपलब्धता बनी रहे। श्रद्धालुओं के लिए बने टेंट सिटी में शौचालय, पेयजल, शयन आदि की व्यवस्था के लगातार मेंटेनेंस पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि इसके लिए कारगर व्यवस्था बनायें। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं के लिए डिस्पोजल बेड कवर की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित कर लें। वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह होर्डिंग आदि के माध्यम से यातायात, चिकित्सा, विश्राम स्थलों आदि की सूचना प्रचारित-प्रसारित करें। शिकायत और सुझाव के लिए क्यूआर कोड की व्यवस्था को भी तमाम जगहों पर उपलब्ध करायें। इसके अलावा समीक्षा के दौरान कांवरिया पथ समेत बाबा नगरी और बासुकी नाथ धाम की सड़कों, श्रद्धालुओं के आवासन, ट्रैफिक व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था, एंबुलेस एवं चिकित्सा व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट इत्यादि पर भी संबंधित लोगों को निर्देशित किया गया।

पासवा आज एक आंदोलन बन चुका है : मंत्री

पासवा की स्मारिका का मंत्री ने किया लोकार्पण

पांच वर्षों का सपना हुआ साकारः आलोक कुमार दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासवा द्वारा तैयार किये गये बहुप्रतीक्षित स्मारिका का बुधवार को भव्य लोकार्पण हुआ। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के आवास पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि पासवा आज एक आंदोलन बन चुका है। पिछले पांच वर्षों में इस संस्था ने मेहनत, लगन और प्रतिबद्धता से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चों, विशेषकर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए कार्य किया है। यह सिर्फ एक संस्था नहीं एक सामाजिक जागरण है। इस संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे और उनकी टीम को हृदय से बधाई देती हूं। इन्होंने इसे एक मिशन के रूप में लिया और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आज का दिन मेरे लिये व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। यह स्मारिका हम पांच साल से सोच रहे थे और आज जब मंत्री के कर-कमलों से इसका लोकार्पण हुआ। ऐसा प्रतीत हुआ कि हमारा संघर्ष अब एक आंदोलन में बदल चुका है। मैं इस अवसर पर अपने सभी वोलंटियर्स, पदाधिकारियों और समाज के उन सभी सहयोगियों को धन्यवाद देता हूं। इनकी निःस्वार्थ सेवा और विश्वास से आज पासवा यहां तक पहुंचा है। हमारा अगला लक्ष्य झारखंड के हर बच्चे तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाना है। हम न थकेंगे, न झुकेंगे पासवा का यह संकल्प है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित केराली स्कूल के प्रिंसिपल राजेश पिल्लई ने पासवा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पासवा आज केवल एक संस्था नहीं बल्कि शिक्षा जगत में एक पहचान बन चुका है। सीमित संसाधनों में भी जिस प्रकार पासवा ने हजारों बच्चों और शिक्षकों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। मैं पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक दुबे और उनकी संपूर्ण टीम को इस कार्य के लिए बधाई देता हूं। इस कार्यक्रम में वीके सिंह जो ट्राइबल बच्चों को आइआइटी की तैयारी कराते हैं, को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस वर्ष उन्होंने 15 आदिवासी छात्र-छात्राओं को आइआइटी में प्रवेश दिलाकर समाज में शिक्षा की नयी मिसाल पेश की है। फलक फातिमा को पासवा में उत्कृष्ट समर्पण, प्रेरणादायक प्रतिबद्धता और नेतृत्व के प्रति मान्यता स्वरूप, जबकि विशाल कुमार सिंह को पासवा के प्रमुख कंटेंट क्रिएटर के रूप में रचनात्मक प्रतिभा और समर्पण के लिये जबकि चतरा गॉडफ्रे स्कूल के डायरेक्टर नीरज कुमार, आरसी रेसिडेंशियल स्कूल के डायरेक्टर मींकू प्रसाद हजारीबाग, जिला पासवा महासचिव मेघाली सेन गुप्ता को विशिष्ट कार्यों के लिये सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मौजूद पासवा के कार्यकर्ताओं और वॉलंटियर्स को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पासवा की प्रदेश महासचिव फलक फातिमा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज कुमार ने किया।

गैस पाइपलाइन फटने से मची अफरा-तफरी दो घंटे बाद गैस रिसाव पर पाया गया काबू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी के निवारनपुर इलाके में एक बड़ा हादसा टल गया। जब फ्लाइओवर के नीचे चल रहे मरम्मत कार्य के दौरान गेल इंडिया की गैस पाइपलाइन फट गयी।

इससे इलाके में तेजी से गैस रिसाव शुरू हो गया, जिससे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गयी।

आनन-फानन में आसपास के घरों और दुकानों को तुरंत खाली कराया गया। अग्निशमन विभाग की गाड़ियां भी पहुंची। फिलहाल इलाके की घेराबंदी कर दी गयी है। गेल इंडिया की टीम इसकी जांच में जुटी हुई है। हालांकि लगभग दो घंटे तक चली जांच के बाद गैस रिसाव पर काबू पा लिया गया है।

समस्याओं को लेकर राज्यपाल से मिला युवा आजसू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। युवा आजसू के प्रदेश संयोजक अजीत कुमार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राज्यपाल संतोष गंगार से मुलाकात कर राज्य में शिक्षा व्यवस्था और खुला विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर ध्यान आकृष्ट कराया। मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से कई मांगे रखीं। इसमें रांची विश्वविद्यालय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति जल्द करने, राज्य के चार विश्वविद्यालयों में प्रो-वीसी (प्रो-वाइस चांसलर) की नियुक्ति करने, सभी विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव शीघ्र कराने के लिए कुलपतियों को निर्देशित करने, सभी छात्रों के लिए सामूहिक बीमा योजना शुरू करने, राज्य के सभी कॉलेजों में बस सेवा शुरू करने, छात्रों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की भारी कमी को दूर करने, रांची विश्वविद्यालय का नाम डॉ रामदयाल मुंडा विश्वविद्यालय के नाम पर करने और इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के लिए केंद्र सरकार से अनुशंसा करना सहित अन्य शामिल है।

मौके पर युवा आजसू के प्रदेश संयोजक चेतन प्रकाश, उज्ज्वल महतो, दीपक महतो, आलिया सिंह, मनीष कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में इनवेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में इनवेस्टिचर सेरेमनी बड़े ही गर्व और उत्साह के साथ आयोजित की गयी। यह एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए नव-निर्वाचित स्टूडेंट काउंसिल का औपचारिक रूप से गठन किया गया। यह आयोजन लीडरशिप, जिम्मेदारी और स्कूल द्वारा संजोये गये मूल्यों का उत्सव था। समारोह की शुरूआत नव-निर्वाचित काउंसिल मेंबर्स के मार्च पास्ट से हुई, जिसमें यूनिटी और टीमवर्क की भावना स्पष्ट रूप से दिखायी दी। इस समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों को उनका पद प्रदान करना और शपथ ग्रहण करना था, जिसमें हेड ब्वॉय, हेड गर्ल और अन्य सेक्रेटरीज को स्कूल की प्राचार्या परमजीत कौर द्वारा बैज और सैश प्रदान किये गये। नव-नियुक्त लीडर्स ने ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों को निभाने और विद्यालय के आदर्शों को बनाये रखने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि इनवेस्टिचर सेरेमनी केवल एक ट्रेडिशन नहीं, बल्कि यह सभी स्टूडेंट लीडर्स को यह याद दिलाने का अवसर है कि सच्चा लीडरशिप सेवा, कमिटमेंट और समानुभूति से परिभाषित होता है।

टेंडर हार्ट के विद्यार्थियों को एरोबिक्स में द्वितीय स्थान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। टेंडर हार्ट स्कूल के विद्यार्थियों ने रांची सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स द्वारा आयोजित अंतर-विद्यालय एरोबिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता सरला बिरला पब्लिक स्कूल के परिसर में आयोजित की गयी। जिसमें रांची के 20 से अधिक प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया।

टेंडर हार्ट की कक्षा 6 एवं 8 के विद्यार्थियों ने अनुशासन, तालमेल और ऊर्जा से परिपूर्ण प्रस्तुति देकर निर्णायकों को अत्यंत प्रभावित किया और प्रतियोगिता में अपनी उपस्थिति को विशिष्ट बनाया।

टेंडर हार्ट स्कूल के चेयरमैन सुधीर तिवारी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि टेंडर हार्ट के बच्चे आज क्रिकेट और फुटबॉल जैसे पारंपरिक खेलों के साथ-साथ एरोबिक्स जैसी आधुनिक फिटनेस गतिविधियों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। हमारा संकल्प है कि हर विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जाये।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या उषा किरण झा, निदेशक जे मोहंती, उप प्राचार्या शिवांगी शुक्ला एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी प्रतिभागियों को हृदय से बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नर्सरी का व्यवसाय स्वरोजगार का अच्छा माध्यम हैः सुरेश साहू

रांची के इटकी में साहू नर्सरी युवाओं को नर्सरी बागवानी के लिए कर रहा है प्रेरित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नर्सरी का व्यवसाय स्वरोजगार के साथ -साथ दूसरों को भी रोजगार देने का एक अच्छा माध्यम बन सकता है। कुछ ऐसे ही मिशन के साथ सुरेश साहू ने रांची के इटकी में साहू नर्सरी के माध्यम से कर दिखाया है। इस नर्सरी से सुरेश साहू आज लगभग 35 से 40 लोगों को रोजगार दे रहे हैं। वहीं अपने नर्सरी में कई अन्य दुर्लभ पौधों के साथ मियाजाकी सहित कई अन्य आमों की प्रजातियों लगा कर साबित कर दिया कि झारखंड में इसकी बागवानी संभव है। सुरेश साहू ने कहा कि खेती-किसानी से आज के युवा दूर भागते हैं, लेकिन वैज्ञानिक तरीके को अपनाकर करें तो इस व्यवसाय में, आप न केवल खुद के लिए काम करते हैं, बल्कि आप दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। यह एक लाभदायक व्यवसाय है जो आपको अच्छी आय के साथ-साथ सामाजिक पहचान भी दिलाता है।

उन्होंने कहा कि लोगों का रुझान पर्यावरण के संरक्षण की तरफ बढ़ा है। लोगों को वृक्षों के महत्व के बारे में पता चला है जिसके फलस्वरूप लोगों में पेड़ पौधों की मांग बढ़ी है। ऐसे में नर्सरी व्यवसाय युवाओं के लाभकारी व्यवसाय एवं आकर्षण का केंद्र बन गया है। अब युवा इस नर्सरी व्यवसाय से जुड़ना चाहते हैं। ऐसे में हाई टेक नर्सरी युवाओं के लिए स्वरोजगार का स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। आमतौर पर नर्सरी का मतलब उस स्थान से होता है जहां पर पेड़ पौधे तैयार किये जाते हैं, रखे जाते हैं, उनकी देखभाल की जाती है और साथ ही उन्हें बेचा जाता है। मॉडल नर्सरी एक प्रकार की हाईटेक नर्सरी होती है जिसमे शेडनेट हाऊस, पोलीहाऊस एवं मिस्टींग चैंबर (प्रोपेगेशन यूनिट) होते हैं जहां पौधे तैयार किये जाते हैं उनकी हार्डनिंग की जाती है और उसके पश्चात उन्हें बेचा जाता है। शेडनेट हाउस और पॉलीहाउस में तापमान, आर्द्रता, प्रकाश की तीव्रता, कार्बनडाई आक्साईड का स्तर इत्यादि को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है और पौधों के अनुकूल वातावरण प्रदान किया जाता है जिससे उनकी बढ़वार अच्छी होती है और उच्च गुणवत्ता के पौधे तैयार किये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर नगर निगम के प्रशासक कुछ सुविधा दें तो निगम के सफाई कर्मियों को भी आय के अतिरिक्त स्रोत मिल जायेगा। इसमें नारियल डाभ के वेस्टेज को एक जगह इकट्ठा करने की सुविधा करा दें तो इसे हम खरीद लेंगे।

नियोजन नीति को लेकर बिहार के छात्रों की मांग जायजः राजेंद्र प्रसाद

प्रसाद ने कहा कि तृतीय और चतुर्थ वर्गों की नौकरी राज्य के लोगों को मिलना ही चाहिए

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बिहार में नियोजन नीति को लेकर छात्रों की मांगों का मूलवासी सदान के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने समर्थन किया है। प्रसाद ने बताया कि संयुक्त बिहार में बने नियोजन नीति 3 मार्च 1982 के तहत थर्ड और फोर्थ ग्रेड की सरकारी नौकरी बिहार के छात्रों के लिए बिहार सरकार सुनिश्चित कर सकती है। प्रसाद ने कहा कि तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नौकरी भी स्थानीय लोगों को नहीं दिया जायेगा तो राज्य के लोग कहां जायेंगे। प्रसाद ने कहा कि तृतीय और चतुर्थ वर्गों की नौकरी राज्य के लोगों को मिलना ही चाहिए।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 03 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

महत्वपूर्ण खबरें

झारखंड टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन ने पौधरोपण किया

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन ने बुधवार को रांची के सहजानंद चौक, हरमू में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सह रांची जिला के चेयरमैन सुशील वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित हुए और उन्होंने पौधारोपण करके कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रदेश अध्यक्ष सह रांची जिला के चेयरमैन सुशील वर्मा ने कहा कि वृक्ष हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है और स्वच्छ पर्यावरण और पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है। उन्होंने स्वैच्छिक रूप से वृक्षारोपण कर वृक्षारोपण अभियान को सफल करने का आह्वान किया और साथ ही जोर दिया कि वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी। प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि पेड़ पौधे हमें फल और छाया देते हैं और विभिन्न प्रकार की औषधियां भी प्रदान करते हैं। इस मौके पर जसवंत लाल, सूर्या गुप्ता, संदीप सिंह, रवि गुप्ता, राजेश गुप्ता, पप्पू चक्रबर्ती सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे। प्रदेश मीडिया प्रभारी तुषार विजयवर्गीय ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

भारत तिब्बत सहयोग मंच की राष्ट्रीय परिषद की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक बुधवार को दिल्ली के शांति ज्ञान निकेतन विद्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में मंच के मार्गदर्शक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद और राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल सहित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के अधिकारी उपस्थित हुए बैठक में देवाधिदेव महादेव का निवास स्थान कैलाश मानसरोवर को चीन के कब्जे से मुक्त कराना, भारत का हजारों वर्ग मील जमीन चीन से अपने कब्जे में लेना, तिब्बत की आजादी के साथ आगामी एक वर्ष की कार्य योजना पर गंभीरता से चर्चा की गयी। इसके अलावा, कश्मीर के श्रीनगर में भी मंच के काम को जोर-शोर से चलाने पर चर्चा हुई। बैठक में कई राज्यों के नये दायित्वों की घोषणा की गयी और बौद्ध कुंभ नामक पत्रिका का भी अनावरण किया गया।

मिसिर गोंदा में पारंपरिक रूप से आषाढ़ी पूजा संपन्न

रांची (आजाद सिपाही)। सदियों से चली आ रही परंपरा के तहत बुधवार को कांके के मिसिर गोंदा में बिरसा विकास जन कल्याण समिति के तत्वावधान में अषाढ़ी पूजा की गयी। पूजा में मौजा के पाहन बिरसा मुंडा और चिल्गु उरांव के नेतृत्व में मौजा के लोगों ने पारंपरिक परिधान में महिलाएं सिर पर लोटा में पानी भरकर मड़ई, बुढ़वा महादेव और सरना अखड़ा स्थल में संयुक्त रूप से पूजा स्थल पहुंचे.जहां विधि विधान के साथ देवी मड़ई में पूजा की गयी। रीति रिवाज के साथ बकरा और रंगवा चरका मुर्गा की बलि दिया गया। इस दौरान अच्छी बारिश की कामना की गयी। इस अवसर पर मौजा के पाहन बिरसा मुंडा चिल्गु उरांव ने कहा कि आषाढ़ी पूजा आदिवासियों के जीवन मे बहुत महत्वपूर्ण अंग है। पुरा जीवन कृषि पर निर्भर है, गांव मे अच्छी बारिश, खुशहाली, सुख-शान्ति, दुख -रोग से निरोग, समृद्धि की कामना, सामुहिक एकरूपता के साथ देवी मड़ई से मन्नत मांगा। वहीं समिति के अध्यक्ष अनिल उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज मे आषाढ़ी पूजा की परंपरा सदियों से चली आ रही। यह पूजा आज भी आदिवासी समाज में पूरे विधिविधान, पूजा पद्धति, परंपरागत एवं हर्षोल्लास के साथ आषाढ़ माह चढ़ने के बाद पूरे राज्य में यह पूजा की जाती है। पूजा में मुख्य रूप महादेव उरांव, जग्गनाथ उरांव, सोनू खलखो, कृष्णा उरांव, विशाल लिंडा, विनय उरांव , विक्की बांडो, अमित लिंडा, शांति उरांव, पुतल उरांव, प्यारी बांडो, पूनम उरांव, दोंका उरांव, पूनम बांडो सहित गांव के लोग उपस्थित थे ।

एदलहातू सरना समिति ने प्राचीन देवी मड़ई का जीर्णोद्धार किया

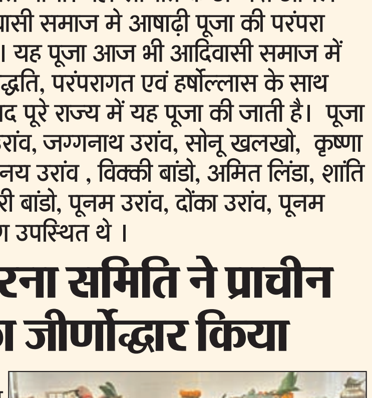

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के एदलहातू सरना समिति के तत्वावधान में बुधवार को प्राचीन देवी मड़ई का जीर्णोद्धार के उपरांत विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करके शुद्धिकरण किया गया। इस पूजा का मुख्य पुजारी राजू पाहन और मुख्य पाहन जगलाल पाहन के द्वारा रूढ़िवादी विधि विधान से पूजा संपन्न कराया गया। इसके बाद पाहन के द्वारा धूप धुवन चावल सिंदूर फूल एवं अन्य पूजन सामग्री के साथ पहले पाठी और एक पाठा के साथ बलि दे कर मड़ई के शुद्धिकरण की गयी। साथ ही साथ मड़ाई बनाने के उपरांत कमेटी की ओर से दो बकरों की बलि दी गयी। इसके उपरांत सभी ग्राम वासियों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। एदलहातु के पाहन राजू पाहन ने कहा कि शहर के आधुनिक करण होने से आदिवासियों की रूढ़िवादी परंपरागत व्यवस्था शहरीकरण होने के कारण हमारी रूढ़िवादी व्यवस्था विलुप्त हो रही है। हमें आने वाली नयी पीढ़ी को अपनी रूढ़िवादी परंपरागत व्यवस्था को बताने की जरूरत है तभी हमारा आदिवासी समाज सुरक्षित और संरक्षित रहेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष गुड्डू मुंडा, उपाध्यक्ष सूरज मुंडा, महासचिव मुकेश मुंडा, सचिव आशीष मुंडा, कोषाध्यक्ष मनीष मुंडा, उपकोषाध्यक्ष विशाल मुंडा और सहयोगी सोनू मुंडा, अभिषेक मुंडा, आदित्य मुंडा, हेमंत मुंडा, विशाल सांगा, कन्हैया गुरुंग, राजू मुंडा, रितेश मुंडा सहित अन्य उपस्थित थे।

भोगनाडीह हिंसा को लेकर झामुमो का बड़ा आरोप

मंडल मुर्मू को आगे कर बीजेपी ने साजिश रची : विनोद पांडेय

झामुमो प्रवक्ता ने बीजेपी पर मंडल मुर्मू के नाम पर राजनीति की रोटी सेकने का आरोप लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। हूल दिवस पर भोगनाडीह में सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू और उनके समर्थकों के साथ पुलिस की हुई झड़प के बाद लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे जाने की घटना पर झामुमो प्रवक्ता ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। झामुमो प्रवक्ता सह प्रदेश महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा राज्य को लगातार अस्थिर करना चाहती है, जिसका नतीजा है भोगनाडीह की घटना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर कड़ा प्रहार करते हुए विनोद पांडेय ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद निशिकांत दुबे साजिश के तहत मंडल मुर्मू को आगे कर राजनीति रोटी सेक रहे हैं। विनोद पांडेय ने कहा कि ये वही मंडल मुर्मू हैं, जो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ नॉमिनेशन दाखिल करते हैं और साजिश कर उसे रद्द करने का भी नाकाम प्रयास करते हैं। हूल दिवस पर मंडल मुर्मू को आगे कर भाजपा ने सोची समझी चाल चली है, जिसे झारखंड की जनता जान रही है। झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि सरकार अशांति फैलाने वाले सामाजिक तत्वों को चिह्नित कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई करेगी। झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडेय मंगलवार को सरायकेला-खरसावां में आयोजित झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांगठनिक बैठक में शामिल हुए। जहां संगठन विस्तार मजबूती को लेकर चर्चा की गयी। इस दौरान विनोद पांडेय ने कहा कि बैठक में मुख्य रूप से संगठन को धार प्रदान करने के लिए जिला से लेकर पंचायत और पंचायत से लेकर वार्ड कमेटी का गठन कर मजबूती प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार के योजनाओं को आम जनों तक पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। गौरतलब है कि झामुमो संगठन विस्तार के बाद यह पहली बैठक थी, जिसमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष शुभेंदु महतो, विधायक सविता महतो, केंद्रीय सदस्य गणेश चौधरी, सरायकेला विधानसभा प्रत्याशी गणेश महाली, केंद्रीय सदस्य कृष्णा बास्क समेत झामुमों के अन्य वारिया नेता शामिल थे।

सुदेश समेत आजसू नेताओं ने जेम्स बोन खलखो के निधन पर जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड आंदोलनकारी जेम्स बोन खलखो के निधन पर आजसू पार्टी प्रमुख और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने गहरा दुःख जताया है। श्री महतो ने बुधवार को स्व. खलखो के चितरकोटा स्थित आवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने स्व. खलखो के परिजनों के मुलाकात कर ढांढस बंधाया। श्री महतो ने कहा कि स्व. खलखो का उनके साथ काफी पुराना जुड़ाव रहा है और वह आजसू के जिलाध्यक्ष भी रह चुके थे। उन्होंने आजसू के बैनर तले झारखंड आंदोलन में भाग लिया था। इसके अलावा आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी, महासचिव राजेंद्र मेहता, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, बनमाली मंडल, नईम अंसारी, नूरुल होदा आदि नेताओं ने भी जेम्स बोन खलखो के निधन पर शोक व्यक्त किया है। साथ ही श्रद्धांजलि दी है।

एसबीयू में हुआ रिकॉर्ड प्लेसमेंट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में इस साल का प्लेसमेंट रिकॉर्ड शानदार रहा है। अब तक विवि के विभिन्न संकायों के 407 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हो चुका है। यह प्रक्रिया अब भी जारी है। प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एसबीयू के विद्यार्थियों को देश की नामी-गिरामी कंपनियों में काम करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर हासिल होगा। इससे इन विद्यार्थियों के अभिभावकों में भी खुशी की लहर है।

देश विदेश की कंपनियों ने लिया हिस्सा

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के डीन हरिबाबू शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष प्लेसमेंट में संस्थान के छात्र को अधिकतम 9 लाख रुपये प्रति वर्ष का पैकेज मिला। इस वर्ष का औसतन पैकेज चार लाख रुपये रहा है। इस बार संस्थान में देश विदेश की 150 से अधिक कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया।

इन कंपनियों ने लिया हिस्सा

इस वर्ष डेलोइट, एक्सेंचर, टीसीएस, विप्रो, डी मार्ट, स्ट्रेडा, बिरला ओपस, डीएसपी म्युचुअल फंड, लीप , चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, आइडीबीआइ बैंक, आइटीसी, एक्सिस बैंक, क्रॉस लिमिटेड, आइसीआइसीआइ प्रूडेंशियल, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, बर्जर पेंट्स, आर्टेक एलएलपी, टाटा कैपिटल, टाटा एआइजी, फर्स्ट चॉइस रेडीमिक्स, इएसएल स्टील लिमिटेड वेदांता, इवाई, कॉग्निजेंट, ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड, गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कृष्णा मारुति लिमिटेड, एलएंडटी मशीनरी, अपोलो टायर्स, सायकेम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, लक्ष्मी एग्री कॉम्पोनेंट्स एंड फॉर्गिंग्स , एआरएफ डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, सुब्रोस लिमिटेड, जेप्टो, शोभा लिमिटेड इत्यादि कंपनियों में विवि के विद्यार्थी अपनी जगह बनाने में सफल रहे।

विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो सी जगनाथन ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। संस्थान के छात्र-छात्राओं की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने विवि के अकादमिक माहौल, अनुशासन और विद्यार्थियों की लगन और कड़ी मेहनत को इसका श्रेय दिया है। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान समेत राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

25 जुलाई से शुरू हो रही है रामायण यात्रा

तीर्थ यात्रियों को भगवान राम से जुड़े स्थलों को देखने का मिलेगा सुनहरा मौका

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय रेल भगवान राम से जुड़े धार्मिक स्थलों के दर्शन करने के इच्छुक तीर्थ यात्रियों के लिए खुशखबरी लेकर आयी है। भारतीय रेल के उपक्रम भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) आगामी 25 जुलाई को अयोध्या से रामेश्वरम तक रामायण यात्रा ट्रेन का संचालन करने जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से शुरू होने वाली इस यात्रा के अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को भगवान राम से जुड़ी जगहों अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट, सीतामढ़ी, जनकपुर, श्रृंगवेरपुर, नासिक, हंपी से लेकर रामेश्वरम तक घूमने और प्रभु श्रीराम के दर्शन का मौका मिलेगा। यह रामायण यात्रा 16 रातें/17 दिन की होगी। ट्रेन का पहला पड़ाव अयोध्या होगा। जहां तीर्थ यात्रियों को राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, राम की पैड़ी देखने का सुअवसर मिलेगा। इसके बाद नंदीग्राम में भरत-हनुमान मंदिर और भरत कुंड का दर्शन, जनकपुर (नेपाल में) में राम-जानकी मंदिर, धनुष धाम मंदिर और परशुराम कुंड, सीतामढी (बिहार) में जानकी मंदिर और पुनौरा धाम, बक्सर में राम रेखा घाट, रामेश्वर नाथ मंदिर, वाराणसी में तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती देखने का सुनहरा मौका मिलेगा। इसके बाद रामायण यात्रा ट्रेन यात्रियों को लेकर सीतामढ़ी (उत्तर प्रदेश) की ओर बढ़ेगी जहां सीता समाहित स्थल (सीता माता मंदिर) के दर्शन होंगे। यहां से ट्रेन प्रयागराज जायेगी। जहां त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और भारद्वाज आश्रम देखने का मौका मिलेगा। यात्रा को आगे बढ़ाते हुए ट्रेन श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, पंचवटी, हंपी होते हुए रामेश्वरम पहुंचेगी। इन स्थानों पर यात्रियों को क्रमशः श्रृंग ऋषि मंदिर, गुप्त गोदावरी, राम घाट, सती अनुसूया मंदिर, त्रयंबकेश्वर मंदिर, सीता गुफा और कालाराम मंदिर, अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर, विट्ठल मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी का दर्शन होगा। यात्रा के दौरान ट्रेन में चाय, नाश्ता, दोपहर और रात का शाकाहारी भोजन दिया जायेगा।

अदाणी फाउंडेशन ने 80 टीबी मरीजों के बीच बांटी नि:शुल्क पोषण किट

बड़कागांव (हजारीबाग)। गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टीबी रोगियों के लिए नि:शुल्क पोषण किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 80 टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित किया गया, जो वर्तमान में इलाजरत हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेडिकल ऑफिसर डॉ. मिथु हलदार ने टीबी बीमारी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने अदाणी फाउंडेशन की ओर से लगातार चलाये जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना की। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अदाणी फाउंडेशन ने बड़कागांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर गैर सरकारी संस्था हेल्पेज इंडिया के डॉ बीपी श्रीवास्तव, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर दीपक कुमार, सोशल प्रोटेक्शन ऑफिसर विक्रम कुमार, फार्मासिस्ट ब्रजेश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अपना घर आश्रम में मंदबुद्धि निराश्रितों को कराया गया भोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में विगत 18 माह से चल रहे पीड़ित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में 2 जुलाई को पार्थ सारथी के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 37 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रह कर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन खिलाया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 17 जून से 2 जुलाई तक 16 दिनों मे 3130 निराश्रित प्रभुजी एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। डॉ प्रशांत कुमार, मोहनलाल जिंदल, अगस्त जायसवाल, सीताराम खेतान, दिलीप कुमार गुप्ता, रेणु सिंह, दीपक खेतान,भरत केसरी, मनीष जालान, मीनू पाल, जगदीश शांति देवी, मधु छावनिका, सत्यजीत पटनायक, विजय सहाय, जितेंद्र सिंह, अमृता घोष, सुलेखा प्रसाद साहू के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गयी। इस पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुर्णमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, मधु जाजोदिया, अरविंद अग्रवाल, पवन कुमार पोद्दार, विष्णु सोनी और सुरेश भगत उपस्थित थे।

स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच बांटे वस्त्र

रांची (आजाद सिपाही)। समाजसेवी मुकेश पोद्दार, उषा पोद्दार एवं सोनिया जैन अग्रवाल के संयुक्त सौजन्य से निवारणपुर स्थित मुख-बधिर स्कूल के छात्रों व हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित (एचआइ-67 के निकट) कल्याण एवं विकास समिति, हरमू (सामुदायिक भवन परिसर) में आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच परिधान का वितरण किया गया। मौके पर समाजसेवी मुकेश पोद्दार ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से सुखद अनुभूति होती है। वहीं, समाजसेविका सोनिया जैन अग्रवाल ने कहा कि पीड़ितों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है। इस अवसर पर अवनी पोद्दार, सेवानिवृत्त सैन्य कर्मी व निशुल्क कोचिंग के संचालक ललन कुमार मिश्र, मूक-बधिर विद्यालय के प्राचार्य रविशंकर झा उपस्थित थे।

विद्याधन झारखंड छात्रवृत्ति कार्यक्रम 2025 के लिए 10 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन

रांची। झारखंड में विद्याधन छात्रवृत्ति कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया जायेगा। इसमें लगभग 250 से 300 बच्चों को छात्रवृत्ति दी जायेगी। इस संबंध में बुधवार को सरोजनी दामोदरन फाउंडेशन के राज्य समन्वयक दीपेंद्र प्रसाद ने रांची के करमटोली स्थित रांची प्रेस क्लब में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। दीपेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत, आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी, जिनकी वार्षिक आय 200000 रुपये से कम है और जिन्होंने 10वीं परीक्षा में 75 प्रतिशत या 7.5 सीजीपीए प्राप्त किया है। दिव्यांग छात्रों के लिए यह प्रतिशत 65 प्रतिशत या 6.5 सीजीपीए है। इंटरमीडिएट के लिए प्रतिवर्ष 10000 रुपये की छात्रवृत्ति राशि दी जायेगी, और यदि छात्र अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें डिग्री कोर्स करने के लिए प्रति वर्ष 15000 से 75000 के बीच दिया जायेगा। इसके लिए छात्र 10 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

ई–निविदा सूचना सं. एसटी–सीओएन–डीआरजी–2–जीआरसी, दिनांक 02.07.2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), राँची द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम :** दक्षिण पूर्व रेलवे के क्षेत्रीय अभ्यास के अनुसार सिग्नल इंटरलॉकिंग प्लान की डिजाइन और प्रस्तुति, स्वदेशी सॉफ्टवेयर के साथ किसी भी ओईएम के ईआई के लिए ऑटोमेटिक एफएटी परीक्षण, स्टेशनों के लिए आईआरएसई/आईआरएसटीईएलओ लाइसेंस धारक द्वारा 02 स्तर पर इंटरफेस सर्किट, एप्लिकेशन लॉजिक और टीओसी/आरसीसी की जांच और सत्यापन। **विज्ञापित निविदा लागत:** रु. 3,83,53,838.60, **बयाना राशि:** रु.3,41,800/– **निविदा कागजात की लागत :**रु.0.00, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 25.07.2025,15.00 बजे। **निविदा का प्रकार:** खुली। उक्त निविदा सूचना का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **(PR-346)**

AFFIDAVIT

As per Affidavit Sl.No. 07219 date 01.07.2025. I Ritesh Kumar Singh S/o. Late Bimal Singh Resident of Sahdeo Niwash Bharti Colony, Doranda, P.S. Doranda, Dist. Ranchi, Jharkhand do Hereby solemnly affirm and declare as follows : 1. That I am an Indian citizen and living in above mentioned address.
2. That SHREE is my daughter.
3. That my above said daughter's name may be changed from SHREE to RAIKA SINGH .
4. That my daughter will know as RAIKA SINGH in future.
5. That my Daughter all work as name of daughter will RAIKA SINGH.
6. That this affidavit is sworn for the purpose of my daughter known as RIAKA SINGH
7. That my above statement are true & correct. Sworn & signed this affidavit on 01.07.2025 at Ranchi.

डील पर न झुके भारत

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अटकी हुई है। मसला फंसा है कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर, जिसमें अमेरिका खुली छूट चाहता है। यह डील भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि इसके बिना उसे डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि अमेरिका की हर शर्त को मान लिया जाये। डील होनी चाहिए, पर ऐसी जिसमें भारत के हितों का भी ख्याल रखा गया हो। भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है और उन कुछ देशों में से एक है, जिसके साथ उसका ट्रेड सरप्लस है। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत ने अमेरिका से आयात की तुलना में 41 अरब डॉलर से ज्यादा का निर्यात किया था। ट्रंप प्रशासन की आंखों में यही चुभ रहा है और वह इस अंतर को कम करना चाहता है। ट्रंप ने फिलहाल 8 जुलाई तक Reciprocal tariff से छूट दी है और अगर इस तारीख तक डील न हुई, तो माना जा रहा है कि भारत को अभी के 10% के बजाय 26% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। कृषि को लेकर कोई भी डील आसान नहीं। देश की करीब 65 करोड़ आबादी कृषि पर निर्भर है और अमेरिका को इस सेक्टर में टैरिफ पर छूट देना, इनके हितों को खतरे में डालना है। भारत को लचीला रुख अपनाकर कृषि, डेयरी को भी अमेरिका के लिए खोलना चाहिए।

आज भारत दुनिया के टॉप 10 कृषि उत्पाद निर्यातक देशों में से एक है, इसके बावजूद यहां खेती में अब भी उत्पादन पूरी क्षमता से नहीं हो रहा। करीब आधी आबादी के खेती करने के बाद भी जीडीपी में इस सेक्टर का योगदान केवल 18% है।

लेकिन दोनों देशों के किसानों में जमीन-आसमान का अंतर है। आज भारत दुनिया के टॉप 10 कृषि उत्पाद निर्यातक देशों में से एक है, इसके बावजूद यहां खेती में अब भी उत्पादन पूरी क्षमता से नहीं हो रहा। करीब आधी आबादी के खेती करने के बाद भी जीडीपी में इस सेक्टर का योगदान केवल 18% है। कम जोत, मौसम पर निर्भरता, उचित मूल्य न मिलना जैसी समस्याएं हैं। अमेरिका की 2% से भी कम आबादी खेती से जुड़ी है और जीडीपी में योगदान 5.5%, जबकि रोजगार में 10.4% है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक, अमेरिका में औसत फार्म 466 एकड़ का होता है, जबकि भारत में एक किसान के पास औसतन महज पौन एकड़ जमीन है। अमेरिका में खेती बस खेतों तक सीमित नहीं, उससे जुड़े कई उद्योग हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ डील में भी एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर को पूरी तरह मुक्त रखने पर हामी नहीं भरी। व्यापार में यही समानता अमेरिका के साथ भी होना चाहिए।

अभिमत
आजाद सिपाही

सहजानंद ने परिस्थितिजन्य संवेदनहीनता और संवादहीनता की यथास्थिति को तोड़ा। जमींदार और अंग्रेज दोनों संवेदनहीन थे। वे शोषक थे। दूसरी तरफ कांग्रेस थी, जो किसानों से संवाद नहीं करना चाहती थी। वह किसानों के मसले को लेकर आगे नहीं आना चाहती थी। ऐसी ही परिस्थिति में स्वामी सहजानंद आगे आये और किसानों को किसान आंदोलन के साथ-साथ राष्ट्रीय आंदोलन में भी सक्रिय किये।

स्वामी सहजानंद सरस्वती: किसान क्रांति के मार्गदर्शक और सदी की अभिव्यक्ति

डॉ अरुण कुमार राय

हर सदी को अपने-अपने शब्द और अभिव्यक्ति खोजनी होती है। स्वामी सहजानंद सरस्वती 20वीं सदी की अभिव्यक्ति थे। उन्होंने वही कहा जो तत्कालीन परिस्थिति में अनिवार्य था। वे निष्क्रिय वेदांतवाद से सक्रिय वेदांतवाद की तरफ अग्रसर हुए और कर्मकांडवाद, गुरुडम तथा ब्राह्मणवाद की आलोचना की। सामाजिक सुधार आंदोलन में पुरोहिती एकाधिकारवाद तथा राष्ट्रीय आंदोलन में उन्होंने एक समय, गांधी एवं कांग्रेस की रणनीति के खिलाफ आवाज उठाई जो समय की मांग थी।

सहजानंद ने परिस्थितिजन्य संवेदनहीनता और संवादहीनता की यथास्थिति को तोड़ा। जमींदार और अंग्रेज दोनों संवेदनहीन थे। वे शोषक थे। दूसरी तरफ कांग्रेस थी, जो किसानों से संवाद नहीं करना चाहती थी। वह किसानों के मसले को लेकर आगे नहीं आना चाहती थी। ऐसी ही परिस्थिति में स्वामी सहजानंद आगे आये और किसानों को किसान आंदोलन के साथ-साथ राष्ट्रीय आंदोलन में भी सक्रिय किये।

उन्होंने औपनिवेशिक राजसत्ता और पार्टी संरचना को काफी करीब से देखा। दोनों ही भारतीय किसान समुदाय के हितों के प्रतिकूल सिद्ध हुए। इसलिए सहजानंद ने किसान आंदोलन की स्वायत्तता और केंद्रीयता पर बल दिया। उनके द्वारा 1949 में प्रस्तुत संयुक्त किसान सभा का मांग पत्र स्वाधीनोत्तर किसान आंदोलन के मूल कार्यक्रम जैसा है। उन्होंने गीता हृदय के जरिए भारतीय किसानों के सम्मुख उत्पन्न वैचारिक एवम दार्शनिक संक्रमण का समाधान प्रस्तुत किया। वे क्रांतिकारी परंपरा की अंतिम कड़ी साबित हुए। राजनीतिक (तत्कालीन) वातावरण में उनसे ताकतवर कोई व्यक्ति नहीं था, जहां तक मार्क्सवाद को ग्रहण करने का सवाल है, तो उन्होंने अपने आंदोलन के अनुरूप ही इसे स्वीकार किया। उनके लिए आर्थिक क्रांति के बिना राजनीतिक आजादी अधूरी थी।

स्वामी सहजानंद ने 1929-50 के दौरान किसान आंदोलन का नेतृत्व स्पष्ट वैचारिकी, सुव्यवस्थित संगठन और जुझारू रणनीति के आधार पर किया।

किसी नेतृत्व के साथ मुकम्मल न्याय के लिए शब्दों को पकड़ने की आवश्यकता होती है। कुछ समकालीन व्यक्तित्व व राजनीतिक दल उनके नए शब्दों और दृष्टि से परेशान थे, लेकिन जो समझ सकते थे, उन्होंने तत्क्षण पहचान लिया कि वे वही कह रहे थे। जो उनके लिए आवश्यक था और वही कह रहे थे जो सत्य व शाश्वत था- समय ने भी यह सिद्ध कर दिया। मैजिनी ने लिखा है कि किसी व्यक्ति अथवा राष्ट्र के क्रिया कलापों का मूल्यांकन उसके चरित्र अथवा उद्देश्य के आधार पर किया जाना चाहिए।

इतिहास के साथ चलते हुए परिस्थितियों की चुनौती को जो स्वीकार करता है वही जीवित रहता है। इसीलिए सहजानंद आज भी जीवित हैं। उन्हें समझने के लिए उनके प्रयत्न को समझना होगा। वे मात्र संन्यासी और जाति के नेता नहीं थे, बल्कि रूढ़ियों एवं पाखंडों के खिलाफ खड़े होकर नये समाज की रचना करने वाले थे। वे जातीय आंदोलन से राष्ट्रीय आंदोलन की तरफ तथा पुरोहितवादी एकाधिकार विरोधी आंदोलन से जमींदार विरोधी आंदोलन कि तरफ अग्रसर हुए।

सहजानंद के द्वारा चलाये गये किसान आंदोलन ने स्वातंत्र्योत्तर भारत में क्रमशः हिन्द किसान पंचायत, सोशलिस्ट पार्टी तथा कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा चलाये गये आंदोलनों की पृष्ठभूमि तैयार की। फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना और अखिल भारतीय समझौता विरोधी सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी के कारण सुभाष चंद्र बोस द्वारा उन्हें महत्वपूर्ण व्यक्ति रेखांकित किया गया। 21 फरवरी, 1950 को वे संयुक्त समाजवादी दल के अध्यक्ष चुने गये और वाम पक्ष की एकता के लिए मृत्युपर्यंत प्रयासरत रहे।

सहजानंद चरैवेती चरैवेती का भाव लेकर निरंतर अग्रसर रहे। कभी रुके नहीं। इस यात्रा मे वे लोगों से, दलों से टकराते रहे और उनसे किनारे होके अपना मार्ग प्रशस्त करते रहे। उन्होंने वक्त की मांग को समझा और वक्त की मांग थी- क्रांति। क्रांति के लिए आवश्यक था जनता के, किसानों के मनोविज्ञान को समझना। इस प्रक्रिया मे उन्होंने धर्म की शाश्वत व्याख्या की और किसानों को खाने पीने का महत्व बतलाया. सहजानंद ने आदर्शवाद की सीमा को लांघ कर भौतिकवाद का पक्षपोषण किया। इस रूप में उन्होंने भगवान के ऊपर रोटी को प्राथमिकता दी और संभवामि युगे युगे की घोषणा कर दी।

जन असंतोष को दिशा देने के लिए एक विचार चाहिए जिससे एकजुटता बढ़े। क्रांति जैसी कोई घटना बौद्धिक शून्य में नहीं होती। फ्रांसीसी क्रांति के लिए वाल्टेयर, रूसो व मॉन्टेस्क्यू आदि ने एक बौद्धिक वातावरण तैयार किया। दूसरी ओर 1857 का विद्रोह था, जिसमें वैचारिकी, रणनीति व संगठन के साथ-साथ जन जुड़ाव का भी अभाव था। इसलिए अपनी तमाम शहादत के बावजूद यह विद्रोह असफल रहा और राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम नहीं बन सका, लेकिन स्वामी सहजानंद ने किसान आंदोलन को वैचारिक जामा पहनाया। बदलती परिस्थिति के अनुसार वे अपनी वैचारिकी निरंतर परिवर्तित करते रहे और इस क्रम में वे किसान से खेत मजदूर और सर्वहारा तक गये।

सर्वहारा की आयातित परिभाषा की जगह नयी परिभाषा गढ़ दी। अंततः उनके नेतृत्व में भारतीय किसान आंदोलन ने महारुद्र का महातांडव द्वारा उस किसान की परिवर्तनकारी भूमिका को स्थापित किया जिसे मार्क्स प्रतिगामी मानते थे।

स्वामी सहजानंद ने 1929-50 के दौरान किसान आंदोलन का नेतृत्व स्पष्ट वैचारिकी, सुव्यवस्थित संगठन और जुझारू रणनीति के आधार पर किया। वे औपनिवेशिक भारत ही नहीं अपितु समस्त एशिया में संगठित किसान आंदोलन के प्रथन जनक थे। उनके पूर्व के किसान आंदोलन स्थानीय परिप्रेक्ष्य में विद्रोहों की घटना मात्र, अस्पष्ट वैचारिकी से ग्रस्त, असंघटित, अराजनैतिक और अल्पजीवी थे।

उन्होंने किसान और किसान हित को परिभाषित किया, किसानों का संगठन खड़ा किया तथा साम्राज्यवादी और समांतवादी शोषण के खिलाफ किसानों को वर्गीय चेतना से लैस किया. ग्रामीण सर्वहारा को क्रांति की मुख्य शक्ति और गांव को क्रांति का केंद्र घोषित किया। सहजानंद ने स्वाधीन भारत में किसान मजदूर राज की परिकल्पना की. इसीलिए उन्हें स्वाधीनोत्तर भारत के किसान आंदोलन का महामंत्रदाता भी कहा जाता है।

भागवत में राजा रंतिदेव ने अपनी भावना कुछ इस रूप में व्यक्त की-
न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं न पुनः भवं.
कामये दुखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनं..

कुछ इसी तरह की भावना स्वामी सहजानंद की भी थी जो उनके विचारों व कार्यों से स्पष्ट होता है। शोषितों, पीड़ितों व मजलूमों की मुकम्मल आजादी तथा अंतिम आदमी के चेहरे पर मुस्कान देखने की ललक जो बीज रूप में उनमें निहित थी, उसे उनकी जीवन यात्रा के अंतिम दौर तक वट वृक्ष बनते देखा जा सकता है। उनकी यात्रा केवल शून्य से शिखर तक न होकर प्रश्न से उत्तर तक की थी। उनके विचारों और संघर्षों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी को अपने जीवन और समाज को बेहतर बनाने का संकल्प लेना चाहिए.

(लेखक : बीएसआर पीजी कॉलेज, रामगढ़, आजमगढ़ के पूर्व प्राचार्य है।)

कोल्हान की खबरें

राजनगर हाइवे पर बस और हाइवा में टक्कर, 20 यात्री घायल

सरायकेला (आजाद सिपाही)। सरायकेला खरसावां जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। बुधवार को हाइवे पर एक यात्री बस और हाइवा ट्रक में अचानक आमने-सामने भीषण टक्कर हो गयी। सड़क दुर्घटना में करीब 15 से 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस से राजनगर के सदर अस्पताल भेजा गया। सूत्रों के अनुसार कई यात्रियों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात बहाल कराया। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

सिंहभूम चैंबर ने जीएसटी के सहायक आयुक्त से की मुलाकात

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जमशेदपुर के नये जीएसटी सहायक आयुक्त दिलीप मंडल से मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। मौके पर विभाग से जुड़े लंबित कार्यों के त्वरित निष्पादन का आग्रह किया। चैंबर ने खास तौर पर जीएसटी रिफंड और तकनीकी समस्याओं के समाधान की मांग रखी, जिस पर सहायक आयुक्त ने सकारात्मक आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में मानव केडिया, राजीव अग्रवाल और अंशुल रिंगसिया शामिल रहे।

जमशेदपुर पूर्वी में विधि-व्यवस्था को लेकर पूर्णिमा साहू ने एसएसपी को सौंपा मांगपत्र

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की विधि-व्यवस्था में सुधार लाने के लिए लेकर विधायक पूर्णिमा साहू ने एसएसपी पीयूष पांडेय से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा। बुधवार को विधायक ने थानों में लैंडलाइन और मोबाइल की व्यवस्था सुधारने, टाइगर मोबाइल गश्ती बढ़ाने, ट्रैफिक जाम और अवैध पार्किंग पर कार्रवाई, बाजार क्षेत्रों और स्कूल-कॉलेजों के पास असामाजिक गतिविधियों पर रोक और नशा कारोबार पर सख्त अभियान चलाने की मांग की। एसएसपी ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव मौजूद रहे।

चाकुलिया में दिनदहाड़े लूट का खुलासा

झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

चाकुलिया/ जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया पुराना बाजार निवासी 70 वर्षीय अरुण कुमार नंदी के घर में हथियार और चाकू का भय दिखाकर करीब 1.5 किलो सोने के जेवरात और 1.55 लाख नगद लूट लिया था। एसएसपी और ग्रामीण एसपी के निर्देश पर पुलिस ने पीड़ित के बयान पर अज्ञात अपराधकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज की। पुलिस ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी घाटशिला अजीत कुजूर के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन कर त्वरित कार्रवाई की। छापामारी के दौरान पुलिस ने झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा क्षेत्र में जामबनी पुलिस के सहयोग से दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। घटना की जानकारी देते हुए ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया ग्राम बाड़ा बनशौल, पोड़हाटी के पास चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही तीनों अपराधी भागने लगे। पुलिस ने सुजबुज से घेराबंदी कर बिहार के औरंगाबाद निवासी 48 वर्षीय मो. रफीक और जमशेदपुर के बागबेड़ा निवासी निरंजन गौड़ को गिरफ्तार कर लिया। जबकि तीसरा आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से कुल 1,340.720 ग्राम सोने के आभूषण, लूट में प्रयुक्त स्टील का चाकू,एक देसी पिस्तौल, एक जिंदा गोली, माइक,पैड मोबाइल और सुपर स्प्लेंडर बाइक बरामद कर लिया।वही मो. रफीक की निशानदेही पर देसी कट्टा और कारतूस भी बरामद किए गए।छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी घाटशिला अजीत कुजूर, पुनि मधुसुदन डे थाना प्रभारी घाटशिला, पुअनि संतोष कुमार थाना प्रभारी चाकुलिया, पुअनि कबिन्द्र कुमार पौद्दार चाकुलिया थाना, सअनि पितांबर मंडल चाकुलिया थाना, आरक्षी सुधाकर प्रसाद सिंह, गोपाल बैठा और चिना कच्छप सहित अन्य पुलिस बल शामिल रहे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर फरार साथी की तलाश तेज कर दी। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में दहशत है। वहीं त्वरित कार्रवाई से पुलिस की सराहना भी हो रही है।

सीएसआइआर-एनएमएल ने मनायी 5वीं प्लेटिनम जुबली

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर स्थित सीएसआइआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल) अपना प्लेटिनम जुबली वर्ष मना रही है। इस प्रयोगशाला का औपचारिक उद्घाटन पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 26 नवंबर 1950 को किया था। इस अवसर पर सीएसआईआर-एनएमएल प्लेटिनम जुबली व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन कर रही है, जिसमें प्रख्यात हस्तियों द्वारा व्याख्यान दिए जाते हैं। 2 जुलाई 2025 को सीएसआईआर-एनएमएल ऑडिटोरियम में आयोजित 5वां प्लेटिनम जुबली व्याख्यान को प्रतिष्ठित वक्ता, भारत सरकार के नीति आयोग के सदस्य, पद्म भूषण डॉ विजय कुमार सारस्वत ने दिया। डॉ सारस्वत ने भारत के सामरिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सामग्री शीर्षक विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सीएसआइआर-एनएमएल के निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी के स्वागत भाषण से हुई। डॉ सारस्वत ने सीएसआईआर-एनएमएल को उसकी 75वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई दी और इस क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान को सराहा। अपने व्याख्यान में डॉ. सारस्वत ने भारत के रणनीतिक और तकनीकी भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण सामग्रियों की अपरिहार्य भूमिका पर जोर दिया। ऐतिहासिक चुनौतियों पर विचार करते हुए, उन्होंने रणनीतिक सामग्रियों की कमी और विकसित भारत के संदर्भ में उनके महत्व पर ध्यान दिलाया। डॉ. सारस्वत ने एक व्यापक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया, जिसमें बताया गया कि इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों और पवन टरबाइन घटकों का अधिकांश हिस्सा महत्वपूर्ण सामग्रियों पर निर्भर करता है, जो टिकाऊ और उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए उनके अहमियत को साबित करता है। व्याख्यान में महत्वपूर्ण धातुओं और सामग्रियों के मूल्य श्रृंखला पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। उन्होंने उन प्रमुख सामग्रियों पर चर्चा की जिन्हें भारत सरकार ने उनकी आपूर्ति और मांग के अंतर और जोखिमों के साथ-साथ उनके महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के आधार पर चिह्नित किया है। कार्यक्रम का समापन एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और छात्रों सहित उपस्थित लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। 5वें प्लेटिनम जुबली व्याख्यान में न केवल सीएसआइआर-एनएमएल की विरासत का जश्न मनाया गया, बल्कि अत्याधुनिक अनुसंधान और सहयोग के माध्यम से राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया गया।

विधायक संजीव सरदार की पहल पर पोटका के छह स्कूलों को मिलेगा प्लस टू का दर्जा

पोटका (आजाद सिपाही)। पोटका प्रखंड मुख्यालय सभागार में प्रखंड शिक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि पोटका विधायक संजीव सरदार शामिल हुए।बैठक में क्षेत्र के छह माध्यमिक विद्यालयों को प्लस टू में उत्क्रमित करने की अनुशंसा राज्य सरकार को भेजने पर मुहर लगी।इस अवसर पर विधायक ने कहा राज्य सरकार का उद्देश्य है ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए अब लंबी दूरी तय नही करना पड़ेगा। उन्होंने बताया पोटका के माध्यमिक विद्यालय शंकरदा, डोमजुड़ी, राजदोहा, जाहातू, जामडीह और माँगडू को प्लस टू विद्यालय का दर्जा दिलाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। जल्द ही इन स्कूलों को स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।विधायक श्री सरदार ने कहा इससे सैकड़ों विद्यार्थियों और अभिभावकों को राहत मिलेगी। पूर्व में भी पोटका विधानसभा क्षेत्र के कई विद्यालय प्लस टू में उत्क्रमित हो चुके हैं, जिससे छात्रों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च शिक्षा के अवसर मिल रही हैं। बैठक में अंचल अधिकारी निकिता बाला, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तैजेन्दर कौर, कल्याण पदाधिकारी सुकलाल हेम्ब्रम सहित शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

टेल्को थाना में शांति समिति की बैठक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर टेल्को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में हुई।बुधवार को बैठक में टेल्को क्षेत्र के चारों अखाड़ों के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद परवेज,मोहम्मद आलम ताज, मोहम्मद शकूर एवं मोहम्मद नौशाद समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।बैठक में ओमप्रकाश उपाध्याय, चंद्रभान सिंह, रामाश्रय प्रसाद,इम्तियाज अहमद,डी डी त्रिपाठी, आलम शाह, शाहिद परवेज,आलम ताज,मोहम्मद अली अख्तर, इशरार खान, पी के दास,राजेश सिंह राजू,मनोज सिंह सहित अन्य ने संबोधित किया।उन्होंने मुख्य रूप से खड़ंगाझाड़ बस स्टैंड में सीसीटीवी कैमरा और लाइट की मांग रखी।थाना प्रभारी ने शांति,सद्भाव और विश्वास बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा जुलूस की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जाएगी। खड़ंगाझाड़ बाजार बस स्टैंड पर सीसीटीवी और लाइट की जिम्मेदारी टाटा मोटर्स को दी गयी। बैठक का संचालन नंदलाल सिंह और धन्यवाद ज्ञापन मोहम्मद अमीर सोहेल की।मौके पर अभय सिंह,रितेश शरण,चिन्ना राव राय,मुखिया छोटा टुडू,रोहित कुमार,लैला तिवारी,उपेंद्र तिवारी,अनिल प्रकाश,महेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित रहे।

हाथी ने गिरायी दीवार, दबकर वृद्ध की मौत

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुधवल पंचायत के नगारी गांव में मंगलवार (1 जुलाई 2025) को रात्रि एक बजे के लगभग में हाथी के द्वारा कच्चे मिट्टी के मकान की दिवार को धकेल कर गिरा देने से घर में चारपायी पर सो रहे विजय सिंह (उम्र - 62 वर्ष लगभग) पिता संतोषी सिंह की मौत दबकर हो गयी। इस घटना की सूचना वन विभाग के कर्मियों को दे दी गयी है। उग्र ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को शीघ्र मुआवजा देने और हाथी से बचाव के उपाय करने की मांग वन विभाग से की है।

सर्पदंश से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

केतार (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के आदिवासी बहुल पंचायत परती कुशवानी अंतर्गत बत्तोकला गांव के सुजिया टोला निवासी शंभू साह उम्र करीब 50 वर्ष को सांप काटने से मौत हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बत्तोकला गांव के सुजिया निवासी शंभू साह सोमवार की देर रात लगभग 10 बजे अपने घर के आंगन में चारपाई पर सोये हुए थे। तभी अचानक विषैला सांप ने चारपाई पर चढ़ कर काट दिया। तत्पश्चात परिजनों ने आनन फानन में वंशीधर नगर अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में ससमय इलाज नहीं होने से परिजनों ने बेहतर के लिए तुम्मेगढ़ा हॉस्पिटल ले गये। जहां इलाज के दौरान मंगलवार की अहले सुबह उनकी मृत्यु हो गयी।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। विशुनपुरा आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर विशुनपुरा थाना परिसर में शनिवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी राजेश कुमार ने की। इस दौरान दोनों समुदायों के प्रमुख लोग, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में सांसद प्रतिनिधि पुलस्त शुक्ला, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, व्यवसायिक संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, कृष्णा विश्वकर्मा, आलम अंसारी, संजय गुप्ता, अमहर खास पंचायत मुखिया ललित नारायण सिंह उर्फ ददन सिंह, पंचायत समिति सदस्य भरदूल चंद्रवंशी के साथ-साथ दोनों समुदायों के डीजे संचालक भी उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर में लंबे इंतजार के बाद डिजिटल एक्सरे मशीन चालू

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार डिजिटल एक्सरे मशीन को चालू कर दिया गया है। यह मशीन करीब 18 माह पूर्व लगायी गयी थी, लेकिन तकनीकी समस्याओं और देखरेख के अभाव में यह अब तक चालू नहीं हो पायी थी। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के लगातार मांग और जिला प्रशासन के संज्ञान लेने के बाद गढ़वा डीसी दिनेश कुमार यादव के निर्देश पर इसे सुचारू रूप से शुरू किया गया। इसके साथ ही सीएचसी में ईसीजी मशीन तथा डब्ल्यूपीसी (व्हाइट ब्लड सेल काउंट) जांच मशीन भी स्थापित की गयी है। इन सुविधाओं से हृदय संबंधी रोगों की समय रहते पहचान और रक्त संबंधी बीमारियों की जांच में काफी सहूलियत होगी। पहले इन जांचों के लिए मरीजों को प्राइवेट लैब में ज्यादा खर्च करना पड़ता था, लेकिन अब ये सभी सुविधाएं भवनाथपुर सीएचसी में न्यूनतम शुल्क या निःशुल्क उपलब्ध होंगी। सीएचसी प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि मशीनों के चालू होने से खासकर सड़क दुर्घटना, हड्डी टूटने जैसे आपात मामलों में तत्काल एक्सरे की सुविधा उपलब्ध हो पायेगी, जिससे इलाज में देरी नहीं होगी।

मुहर्रम के मद्देनजर एसडीएम ने एहतियातन 391 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई

गढ़वा (आजाद सिपाही)। मुहर्रम के अवसर पर क्षेत्र में शांति, सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था सुनिश्चित रखने हेतु गढ़वा सदर एसडीएम संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संस्था की धारा 126 के अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों के 391 व्यक्तियों पर निरोधात्मक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई सभी थाना प्रभारियों की अनुशंसा के आधार पर एहतियात के तौर पर की गई है, ताकि किसी भी संभावित अराजक स्थिति से पहले ही निपटा जा सके। प्रशासन की प्राथमिकता है कि मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि अराजक तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर बनी हुई है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

दो पक्षों में मारपीट, दो महिला घायल

हरिहरपुर (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र के मझिगांवा गांव के नवडीहवा टोले पर बुधवार की सुबह जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडों से मारपीट हुआ, जिसमें प्रथम पक्ष की दो महिला घायल हो गयीं। जानकारी के अनुसार कमल पासवान पिता चंद्रदेव पासवान के परिजनों के द्वारा विवादित भूमि पर लकड़ी से घेराबंदी किया जा रहा था। इस पर सत्येंद्र पासवान पिता अक्ष्यबर पासवान के परिजनों के द्वारा मारपीट किया जाने लगा। जिसमें प्रथम पक्ष की ममता देवी(30 वर्ष) पति श्यामलाल पासवान व शांति देवी(55 वर्ष) पति कमल पासवान को गंभीर चोट लगी है। जिस पर एंबुलेंस के द्वारा दोनों घायल को अस्पताल भेजा गया है। जबकि दूसरे पक्ष के बैजनाथ पासवान पिता मानदेव पासवान ने कहा कि कमल पासवान के द्वारा खानदानी जमीन को अपना कब्जा में करने के लिए बार-बार प्रयास किया जाता है। जबकि इस जमीन का बंटवारा करने को लेकर अंचल कार्यालय कांडी में पिछले दो वर्षो से कागजात जमा है, लेकिन अंचल कार्यालय से अभी किसी भी तरह का दिशा निर्देश नहीं प्राप्त हुआ है। इस संबंध में ओपी प्रभारी सफिउल्ला अंसारी ने कहा कि मारपीट होने की सूचना मिलने पर शांति व्यवस्था कायम करने के लिए पुलिसबल को घटना स्थल पर भेज दिया गया है। आवेदन प्राप्त होने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी।

डीएवी लीलावचन पब्लिक स्कूल में किया गया पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड के लातदाग में स्थित डीएवी लीलावचन पब्लिक स्कूल में बुधवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी बच्चे अपनी मां के नाम उत्साह पूर्वक एक-एक पौधे लगाएं, जिसमें सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने सहयोग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण में करीब 200 छायादार और इमारती पौधा लगाया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष पारसनाथ विश्वकर्मा, रिजवान अंसारी, शमा परवीन, सुफिया नाहिद, नागेंद्र प्रसाद ठाकुर, अनिता कुमारी, बसंत यादव विद्यालय के कर्मचारी बलराम साह, कौशल, अंकित एवं विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

भंडरिया(आजाद सिपाही)। भंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरिया में अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार एवं प्रखंड प्रमुख रुक्मिणी कुमारी ने संयुक्त रूप से की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई.मोके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार ने उपस्थित लोगों को अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं, दवा, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता की जानकारी दी।

गढ़वा फोरलेन बाइपास सड़क का नितिन गडकरी आज करेंगे उद्घाटन

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला के सदर प्रखंड अंतर्गत हूर मैदान में 03 जुलाई को आयोजित होने वाले 'एनएच-75 फोरलेन बाईपास' के उद्घाटन कार्यक्रम में सड़क, परिवहन, राजमार्ग व जहाज रानी मंत्री, भारत सरकार नितिन गडकरी का गढ़वा जिला आगमन होगा। कार्यक्रम आयोजन के मद्देनजर की जा रही आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को उपायुक्त दिनेश कुमार यादव व पुलिस अधीक्षक अमन कुमार कार्यक्रम स्थल हूर मैदान पहुंचे। विदित हो कि गुरुवार को आयोजित किये जाने वाले फोरलेन बाईपास उद्घाटन कार्यक्रम में गढ़वा जिला समेत अन्य जिलों/क्षेत्रों के आमजनों के सम्मिलित होने की भी संभावना है। फलस्वरुप उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यक्रम में किये जाने वाले सभी आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया गया। मौके पर उपस्थित जिला स्तरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं संबधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी समेत अन्य संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिया गया।

पूर्व मंत्री मिथिलेश ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रति जताया आभार

गढ़वा (आजाद सिपाही)। केंद्रीय पथ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी गढ़वा में तीन जुलाई को बाईपास सड़क का उद्घाटन करेंगे। इस कार्य के लिए झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है। साथ ही इस सड़क का श्रेय लेने की कोशिश करने वाले भाजपा नेताओं पर तंज भी कसा है। श्री ठाकुर ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने गढ़वा को बहुत बड़ा तोहफा देकर बड़ा हृदय दिखलाया है। इससे गढ़वा वासियों का बहुत बड़ा सपना पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस बाईपास निर्माण का श्रेय लेने की होड़ में हैं उनके लिए एक सीख है कि पहले काम कीजिए फिर श्रेय लीजिए। श्री ठाकुर ने कहा कि स्थानीय सांसद एवं विधायक बगैर कोई प्रयास किये अपना पीठ थपथपा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं जमीन पर काम करना जानता हूं। उनके प्रयास से गढ़वा के लोगों को बहुत बड़ी समस्या से मुक्ति मिली है।

'द फ्लेवर एंपायर' रेस्टोरेंट का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के चिनिया रोड स्थित कमला कॉम्प्लेक्स में बुधवार को इस 'द फ्लेवर एम्पायर' नामक आधुनिक रेस्टोरेंट का उद्घाटन सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार, शिक्षाविद अलखनाथ पांडेय तथा समाजसेविका दिनेश्वरी सहाय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने कहा कि गढ़वा जैसे उभरते हुए शहर के लिए यह रेस्टोरेंट एक नयी दिशा और पहचान है। अब शहरवासियों को अपने परिवार, मित्रों और अतिथियों के साथ बैठकर सुसज्जित, स्वच्छ और शांत वातावरण में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने के लिए एक बेहतरीन स्थान उपलब्ध हो गया है। मौके पर मदन प्रसाद केशरी, गुड्डू तिवारी, मनोज पाठक, जितेंद्र सिन्हा, मुकेश कुमार सिन्हा, राजू सिन्हा, चंद्रशेखर प्रसाद श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, बीईईओ रंभा चौबे, बीपीओ पूनम, भास्कर रघुवंसी, प्रिंस, कमलेश, राजीव सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में केक काटकर डॉक्टर्स डे मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। परमेश्वरी मेडिकल सेंटर अस्पताल के सभी डॉक्टर और पारा मेडिकल स्टाफ ने मिलकर धूम धाम से केक काट कर डॉक्टर्स डे मनाया। अस्पताल के संस्थापक, डॉ ज्वाला प्रसाद सिंह ने कहा कि एक जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जाता है। जो मेडिकल प्रोफेशनल्स की सेवा और मानवता को सम्मानित करता है। इस वर्ष की थीम उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करना है जो हमारी देखभाल करते हैं। भारत देश के चिकित्सा पेशेवरों की अथक सेवा, समर्पण और करुणा को पहचानने के लिए हर साल 1 जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाता है। वहां उपस्थित अस्पताल के लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ निशांत सिंह ने कहा कि हर दिन, डॉक्टर दूसरों के जीवन को प्राथमिकता देते हैं, अक्सर अपनी भलाई की उपेक्षा करते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ नीतू सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभायी जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है।

डॉ हैनीमैन की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च अस्पताल गढ़वा में होम्योपैथी के जनक डॉ सैमुअल क्रिश्चियन फ्रेडरिक हैनीमैन की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च अस्पताल, गढ़वा, झारखंड में 2 जुलाई को होम्योपैथी के जनक डॉ सैमुअल क्रिश्चियन फ्रेडरिक हैनीमैन की पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, कॉलेज के प्राचार्य प्रो (डॉ) केशवेंद्र कुमार तिवारी एवं संकाय सदस्यों, इंटर्न्स ने हैनीमैन के जीवन और होम्योपैथी में उनके योगदान पर चर्चा किया गया।

64वीं सुब्रतो कप अंडर-17 में रंका बना चैंपियन

जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल रंका ने जीता, प्रमंडलीय स्तर पर करेगा गढ़वा का प्रतिनिधित्व

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला स्तरीय 64वीं सुब्रतो कप अंडर-17 बालक संवर्ग का फाइनल मुकाबला राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, रंका और पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय, ओबरा बरडीहा के बीच खेला गया। यह मैच बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। पूरे निर्धारित समय तक दोनों ही टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और मुकाबला 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें रंका की टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की। विजेता टीम राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय रंका के खिलाड़ी टीम को ट्राफी देते हुए अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अलका लकड़ा, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी कुलदीपक अग्रवाल, फुटबॉल संघ के अध्यक्ष आलोक मिश्रा संकुल प्रभारी देवेंद्र नाथ उपाध्याय रविंद्र कुमार चौबे उपस्थित थे।

इस जीत के साथ ही रंका की टीम ने जिला स्तरीय खिताब अपने नाम कर लिया और अब वह गढ़वा जिले की ओर से प्रमंडलीय स्तर पर अंडर-17 बालक संवर्ग में प्रतिनिधित्व करेगी।

मेराल बस स्टैंड डंडई मोड़ के पास जलजमाव और कीचड़ से लोग परेशान

स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधि और प्रशासन से निजात दिलाने की लगाये हैं आस

निमार्णाधीन एनएच 75 के कारण हुआ है जल जमाव

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। बस स्टैंड डंडई मोड़ के पास जलजमाव और कीचड़ से गंभीर समस्या उत्पन्न हो गयी है। इस वजह से राहगीरों, स्कूली बच्चों और दुकानदारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अति व्यस्त सड़क पर यहां चलना दुभर हो गया है साथ ही दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधि और प्रशासन से इस समस्या से निजात दिलाने की आस लगाए बैठे हैं परंतु अब तक निराशा ही मिला है।

व्यवसायी संघ ने जतायी नाराजगी : इस समस्या को लेकर व्यवसायी संघ के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने प्रशासन और जनप्रतिनिधि पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि सभी प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन कीचड़ और जलजमाव की स्थिति को देखकर सभी मौन हैं। उन्होंने बताया कि स्कूली बच्चे और राहगीर आये दिन इस कीचड़ में फिसलकर गिरते हैं।

बीडीओ ने मैट्रिक और इंटर टॉपरों को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बुधवार को झारखंड बोर्ड द्वारा जारी 2025 की परीक्षा में मैट्रिक व इंटर की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 8 छात्र-छात्राओं को अपने कार्यालय कक्ष में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर बीडीओ सतीश भगत ने कहा कि प्रशस्ति पत्र आप सभी के परिश्रम का प्रतिफल है। आप सभी के लगन एवं समर्पण से मेराल प्रखण्ड और आपके विद्यालय का नाम रोशन हुआ है। बीडीओ के साथ मुखिया रामसागर महतो, पंचायती राज एसोसिएट प्रियंका, प्रखंड नाजिर सुनील कुमार, वार्ड सदस्य विनोद चौधरी के द्वारा सभी को प्रशस्ति पत्र दिया गया। जिन्हें प्रशस्ति पत्र दिया गया उनमें विवेक, अभिनय, पायल, अनामिका, रूखशाना खातून, अंजली, खुशबू, नीतीश शामिल थे।

Jharkhand Industrial Infrastructure Development Corporation Limited
(JIIDCO) (A Govt. of Jharkhand Undertaking)
5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu Road, Ranchi – 834001 (Jharkhand)
e-mail- jiidcoltd@gmail.com www.jiidco.co.in Phone no. 0651-3512851
CIN U45208JH2004GOI011078

Letter no: -344 dated: -02.07.2025

NOTICE INVITING TENDER
NIT NO. JIIDCO/CFC BUILDING/05/2025-26 2nd call

Sealed tenders are invited, on Item rate basis from the registered contractors in appropriate class in Building Construction Department (BCD) or any Department, Government of Jharkhand for the work as given below:

Sl. no.	Name of work	Estimated cost (Rs.)	Earnest money (Rs.)	Cost of tender fee (Rs.) (Non-refundable) Including 18% GST	Class of Contractor	Time of completion (In days)
1	2	3	4	5	6	7
01	Manthan Yuva Sansthan, Berwari, Pandu, Palamu (Blanket & Dari Weaving)	11,99,550.00	24,000.00	2,950.00	III	90 days

a. Tender documents can be purchased from the office of M. D., JIIDCO, 5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu Road, Ranchi-834001on payment of requisite cost of documents in shape of D.D. in favour of JIIDCO, payable at Ranchi during working hours from 04.07.2025 to 11.07.2025
b. Tender will be received on 14.07.2025 till 3:00 P.M.
c. Tender will be opened on 14.07.2025 at 3:30 P.M. in presence of tenderer or his authorized representative.
d. The estimated cost mentioned above in sl. No.1 column no. 3 is approximate which may be increased or decreased.

Note: For any information/complaints the department helpline no/Mobile no. 7004785102 may be contacted.

Sd/- Executive Engineer
JIIDCO, Ranchi

PR.NO.356376 Jharkhand Industrial Infrastructure Dev Co Ltd(25-26):D

प्रपत्र संख्या–1

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

अति अल्पकालीन ई– निविदा (तृतीय आमंत्रण)

निविदा संख्या :- 18/JMT/2025-26 दिनांक 02-07-2025

क्र0 स0	विवरणी: कार्य का नाम	ग्रुप/संख्या	विस्तृत विवरणी: प्राक्कलित राशि	अग्रिम जमानत की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय
1	Running, Repairing, Operation and Maintenance (Civil & Mechanical) excluding Raw Water & Energy Charges for **Reorganization Urban Water Supply Scheme Koderma** under D. W. & S. Division Jhumri Telaiya for the year 2025-26, 2026-27, 2027-28 (3rd Call)	JMT/ Koderma	36,99,000/-	74000/-	5,000.00	36 Months
2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :–		04.07.2025 at 5.00 बजे अपराह्न			
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय :–		12-07-2025 को 5.00 बजे अपराह्न			
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय		12-07-2025 को 5.00 बजे अपराह्न			
5	तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय :–		14-07-2025 को 5.00 बजे अपराह्न			
6	तकनीकी बीड खोलने का स्थान :–		कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया			
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम :–		**ई0 अनुज कुमार सिन्हा, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया**			
8	निविदा आमंत्रित करनेवाले कार्यालय का :–		08002536460, Email-id eedwsd.jhumaritellaiya@gmail.com			
9	ई प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं0		0651-2480345			

• विस्तृत विवरण बेबसाईट **http://jharkhand tenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

जल ही जीवन है! स्वच्छता प्राण है!

(ई0 अनुज कुमार सिन्हा)
कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया।

PR 356371 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, चतरा।
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

पत्रांक 997/जि0ग्रा0 दिनांक 01/07/2025

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अन्तर्गत प्रखण्ड स्तर पर गठित PMU में नियुक्ति संबंधी सूचना

ग्रामीण विकास विभाग झारखण्ड, राँची के अधिसूचना संख्या–1016(अनु0), दिनांक–01.03.2017 तथा आयुक्त कार्यालय उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग द्वारा अनुमोदित रोस्टर के आलोक में चतरा जिला में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अन्तर्गत स्वीकृत पदों के विरूद्ध कोटिवार रिक्त पदों पर संविदा आधारित नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है। रिक्तियों की संख्या एवं अर्हता निम्नवत है:–

क्र0	पद का नाम	कुल रिक्त	कोटि	कोटिवार रिक्ति	उम्र सीमा	मासिक मानदेय	अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता
1	प्रखण्ड समन्वयक	03	अनुसूचित जाति	1	22–45	18000/–	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थानों से रूरल मैनेजमेंट/को–ऑपरेटिव मैनेजमेंट/सोशल वर्क में स्नातक उतीर्ण एवं मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्ष का कार्यानुभव । मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उतीर्ण एवं मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्ष का कार्यानुभव।
			अत्यन्त पिछड़ा वर्ग	1			
			पिछड़ा वर्ग	1			
2	लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर	04	अनारक्षित	1	18–30	10000/–	मान्यता प्राप्त बोर्ड/ विश्वविद्यालय/संस्थानों से वाणिज्य (Commerce) विषय में इन्टरमीडियट उतीर्ण एवं मान्यता प्राप्त संस्था से Diploma in Computer Application (DCA) के साथ मान्यता प्राप्त संस्था से 6 माह का कार्यानुभव तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी टंकण दक्षता अनिवार्य।
			अनुसूचित जन जाति	1			
			अनुसूचित जाति	1			
			अत्यन्त पिछड़ा वर्ग	1			

❖ उम्र की गण्ना 01.08.2025 के आधार पर की जायेगी ।
❖ संविदा आधारित नियुक्ति के लिए कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड रांची द्वारा समय–समय पर निर्गत आरक्षण, स्थानीयता एवं अन्य निदेश लागू होंगे।
❖ इच्छुक योग्य अभ्यर्थी **Online** आवेदन विभागीय पोर्टल **https:/applyrdd.jharkhand.gov.in** पर दिनांक–01.07.2025 से 15.07.2025 तक आवेदन भर सकेंगे। नियुक्ति के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश चतरा जिला के वेबसाईट **Chatra.nic.in** पर देखी जा सकती है ।

उपायुक्त,
चतरा।

PR 356314 (Rural Development) 25-26 (D)

आवासीय बालिका विद्यालय तमाड़ की छात्राओं का कला वर्ग में शानदार प्रदर्शन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तमाड़ कला प्रथम वर्ष का रिजल्ट रहा शत प्रतिशत। मालूम हो कि इस वर्ष पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तमाड़ से कला प्रथम वर्ष 2025 में कुल 53 छात्राओं ने परीक्षा दी थी, जिसमें सभी छात्रायें प्रमोटेड उत्तीर्ण हुईं हैं। श्वेता कुमारी 213 अंक लाकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त की है। मानसी कुमारी 211 अंक लाकर विद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त की है, वहीं सुषमा कुमारी एवं संगीता कुमारी 210 अंक लाकर विद्यालय में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त की हैं। छात्राओं की उपलब्धि पर वार्डन रीता कुमारी बड़ाईक अंशकालिक शिक्षक रंजीत कुमार मोदक सभी शिक्षिकाएं तथा कर्मचारियों ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बुंडू में चलाया गया स्वच्छता अभियान

बुंडू (आजाद सिपाही)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' के अंतर्गत नगर पंचायत बुंडू क्षेत्र में 01 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत दिनांक 01 जुलाई को नगर पंचायत कार्यालय परिसर में एक कार्यशाला के आयोजन के साथ हुई। कार्यशाला में अभियान से संबंधित दिनांकवार कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गयी। इस अवसर पर नगर पंचायत के पदाधिकारी, कर्मचारी, सफाई मित्रगण एवं स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यगण उपस्थित रहीं और अभियान की रूपरेखा पर चर्चा की गयी। इस कार्यक्रम में नगर पंचायत के नगर प्रशासक शुभम पोद्दार उमेश सेठ, पल्लव नायक, प्रदीप दास, संजू उरांव, मर्धा मगदली बड़ा एवं संतोष कुमार पाठक ने भाग लिया। साथ ही स्वयं सहायता समूहों मां वैष्णवी महिला समिति एवं जय गुरु महिला समिति की महिला सदस्यों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी से बच्चों एवं स्कूल समुदाय को जागरूक किया।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक बीडीओ एकता वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में अंचल अधिकारी दीपक प्रसाद, शांति समिति के सदस्य, मुहर्रम अखाड़ा कमिटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में ताजिया जुलूस का मार्ग निर्धारण किया गया। विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चर्चा किया गया।वहीं अंचलाधिकारी दीपक प्रसाद ने शांति व्यवस्था कायम रखने में शांति समिति के सदस्यों से सहयोग करने का अपील किया। मौके पर रायुब अंसारी, अनिल सिन्हा, अमित सिन्हा, खलील अंसारी, कुर्बान अंसारी, पंचानन पातर, मुकसेद अंसारी,बासुदेव चटर्जी, अफरोज, छुटु घोष, सेख सफीक, अनंत गोप, मुरलीधर मिश्रा सहित अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व मुखिया की मनायी गयी पुण्यतिथि

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड के लोटा निवासी पूर्व मुखिया योगेश्वर महतो की प्रथम पुण्यतिथि मनायी गयी। उपस्थित लोगों ने इनके चित्र पर पुष्प अर्पित नमन किया। साथ ही उनकी जीवन पर प्रकाश डालते हुए गूंज परिवार क संयोजक जयपाल सिंह ने कहा कि स्व योगेश्वर महतो मुखिया के रूप में लोटा पंचायत का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। जिला परिषद उपाध्यक्ष वीणा चौधरी ने कहा कि स्व पूर्व मुखिया योगेश्वर महतो हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। वे हम सबों के हमेशा मार्गदर्शन किया करते थे। सभा को जगदीश महतो, तरूण महतो, अनिल महतो, रतन लाल महतो, गया राम महतो, सत्येंद्र सिंह, राजकीय मध्य विद्यालय लोटा के प्रधानाध्यापक उपेंद्र लाल महतो साथ ही प्रस्तावित उच्च विद्यालय लोटा के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हंस चैरिटेबल ट्रस्ट ने सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्या को दी विदाई

खूंटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज की सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्या जरमइन कल्लू किड़ों को हंस चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भावभीनी बिदाई दी गई। उन्हें बुके एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। हंस चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर शिव प्रसाद चौबे निर्देशक सयूम अंसारी ने प्राचार्या की कार्यशैली का सराहना करते हुए कहाकि प्रिंसिपल के आत्मविश्वास और इच्छा के कारण ही गुरुवार को खूंटी में आइएएस, आइपीएस और जेपीएससी की पढ़ाई बिरसा कॉलेज खूंटी में संभव हो पायी है। खूंटी के गरीब से गरीब आदिवासी छात्र-छात्राएं फ्री ऑफ कॉस्ट पढ़ाई कर पा रही है। मौके पर सिलवंती कुमारी, शालू मुंडू, विक्की राम, आशिमा मुडरी अजय कुमार आदि मोजूद थे।

खूंटी के जानेमाने मूर्तिकार भोलानाथ मिस्त्री का निधन

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले के जानेमाने मूर्तिकार भोलानाथ मिस्त्री का मंगलवार की देर रात निधन हो गया। वे 42 वर्ष के थे। खूंटी सहित अन्य क्षेत्रों में दुर्गा पूजा सहित अन्य पर्व त्योहारों में वे इतनी जीवंत प्रतिमा बनाते थे, जिसे देखकर हर कोई तारीफ किये बिना नहीं रहता था। भोलानाथ के असामयिक निधन की सूचना मिलते ही बुधवार को सुबह भाजपा कें पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो भोलानाथ के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को ढाढ़स बंधाया। काशीनाथ महतो ने कहा कि भोलानाथ काफी मिलनसार और हंसमुख व्यक्ति थे। वे पिछले 20-25 वर्षों से मूर्तियों का निर्माण करते थे। भोलानाथ के निधन पर लुरका महतो, देवेंद्र महतो, दुलार महतो सहित कई लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

दिनदहाड़े दिव्यांग व्यक्ति की गला काट कर हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा थाना क्षेत्र के सैंसेरा गांव में बुधवार को दिन दहाड़े मोहन स्वांसी नामक 40 वर्षीय दिव्यांग व्यक्ति की बीच सड़क में गला काटकर हत्या कर दी गयी। ग्रामीणों के अनुसार घटना अपराह्न लगभग तीन बजे की है। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा के थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम और अन्य पुलिस कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। दिन दहाड़े हुई हत्या के बाद भी हत्यारें के संबंध में गांव वाले मुंह खोलने को तैयार नहीं है। हालांकि मृतक के बड़े भाई जीतू स्वांसी ओर उसके परिवार वालों ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि सैंसेरा गांव के देवनंद गोप नामक व्यक्ति ने घटना को अंजाम दिया है। जीतू ने बताया कि देवनंद ने गांव वालों को खुद की हत्या करने की बात बताई और वह जंगल की ओर भाग गया। बताया जाता है कि मोहन स्वांसी पहले पंजाब में काम करता था। काम के दौरान ही उसका एक हाथ मशीन से कटकर अलग हो गया। उसकें बाद से वह गांव में रहकर गाय-बैल चराने का काम करता था। पुलिस शव को तोरपा थाना लेकर आ गयी। सदर अस्पताल खूंटी में गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

मैकलुस्कीगंज थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

परंपरागत मार्ग से ही जुलूस निकाला जाये : राम नारायण

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। मैकलुस्कीगंज थाना परिसर में मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता खलारी पुलिस उपाधीक्षक राम नारायण चौधरी एवं संचालन मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा ने किया। बैठक में लपरा, छापर टोला, मायापुर, हुटाप, खलारी बाजार क्षेत्र की मुहर्रम समिति के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। डीएसपी राम नारायण चौधरी ने प्रशासन द्वारा मुहर्रम को लेकर जारी दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी एवं सभी से सहयोग की अपील किया। उन्होंने कहा कि परंपरागत मार्ग से ही जुलूस निकाला जायेगा व जूलूस में डीजे का प्रयोग पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा। किसी भी धार्मिक स्थल के समीप विशेष सतर्कता बरती जायेगी। वहीं जूलूस को संध्या होने से पूर्व ही समाप्त करने का दिशानिर्देश दिया गया। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की नजर रहेगी, अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में जितेंद्र नाथ पांडे, कुलदीप प्रसाद साहू, हुटाप के मुखिया शिवरत मुंडा, आदित्य प्रसाद साहू, हेमलाल गंझू, हुसैन खान, अजीज अंसारी, अमृत भोक्ता, पवन कुमार साहू, सिदिक अंसारी, मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद अब्बास, रामेश्वर भोगता, जाहिद अंसारी, मोफिल अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सीसीएल अंतर क्षेत्रीय शतरंज और कैरम प्रतियोगिता का समापन

शतरंज और कैरम प्रतियोगिता में सीसीएल हेडक्वार्टर की टीम बनी विजेता

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया की मेजबानी में बचरा स्थित मंगलम ऑफीसर्स क्लब में चल रहे दो दिवसीय सीसीएल अंतर क्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता का बुधवार को समारोहपूर्वक समापन किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस की महाप्रबंधक कल्याण रेखा पांडेय और विशिष्ट अतिथि में आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया के महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह,सीसीएल के खेल अधिकारी आदिल हुसैन सहित कई लोग मौजूद थे। समापन समारोह के कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल और पौधा देकर किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में सीसीएल की विभिन्न क्षेत्रों की टीम शामिल हुई। शतरंज प्रतियोगिता मे सीसीएल हेडक्वार्टर रांची की टीम विजेता बनी। वहीं कथारा एरिया की टीम उपविजेता रही। इसके अलावा कैरम प्रतियोगिता में भी सीसीएल हेडक्वार्टर रांची की टीम विजेता और मगध संघमित्रा की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में शामिल सभी विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के द्वारा मेडल, प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक कल्याण रेखा पांडेय ने कहा कि कोयला क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिभा को सामने लाने के लिए कंपनी द्वारा सीसीएल स्तर पर इस तरह के प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाता है। खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, इसमें सभी को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। वही आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया के जीएम अमरेश कुमार सिंह ने कहा कि पहली बार आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया को सीसीएल स्तरीय प्रतियोगिता करने की मेजबानी मिली है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में शामिल सभी कर्मियों एवं अधिकारियों से भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र और कंपनी का नाम रोशन करने की अपील की।

बदतर हो गयी हैं खूंटी से सिमडेगा जानेवाली सभी सड़कें

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। क्या आप खूंटी से तोरपा-सिमडेगा की ओर जा रहे हैं, तो जरा सावधान हो जायें। खूंटी से तोरपा आप किसी भी मार्ग पर जायें, हर ओर खतरा ही खतरा है। पिछले 15 से 20 दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जिले की सड़कों की स्थिति बद से बदतर कर दी है। सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में गंदा पानी भरा रहने के कारण अंदाजा लागना मुश्किल हो जाता है कि कहां पर गड्ढा है और कहा नहीं। इसके कारण आये दिन दुर्घटनायें हो रही हैं। इसका सबसे अधिक शिकार दो पहिया वाहन वाले हो रहे हैं। ज्ञात हो कि खूंटी से तोरपा जाने का मुख्य मार्ग बाबा आम्रेश्वर धाम और डोड़मा होकर (केटीके रोड) है, पर गमत 19 जनवरी को हुई मूसलाधार बारिश के कारणण पेलौल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल ध्वस्त हो गया। इसके कारण इस सड़क पर आवागमन पूरी तरह ठप है। लोग कुंजला से जुरदाग-गम्हरिया होकर तोरपा और सिमडेगा की ओर जाते हैं, पर यात्री और माल वाहक वाहनों के अलावा अढ़े ट्रको के इस रोड पर चलने से सड़क जानेलवा हो गयी है। हर जहग जाम की स्थिति बनी रहती है। खूंटी से तोरपा जाने का एक और मार्ग बाला मोड़-कर्रा होकर है, पर इस रास्ते पर कांटी पुल और एक अन्य स्थान पर बना डायवर्सन भी खतरनाक हो चुका है। एक अन्य वैकल्पिक मार्ग बिचना से सारिदकेल होकर खूंटी जाने का है, पर उसकी स्थिति भी बद से बदतर हो चुकी है।

तोरपा-मुरहू के बीच धंसी सड़क

लगातार और भारी बारिश के कारण खूंटी से कुमांग होकर मुरहू जाने वाली सड़क रामजय गांव के पास आधी धंस चुकी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि टूटी सड़क की तुरंत मराम्मत नहीं करायी गयी, तो कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ज्ञात हो कि कुछ तीन-चार वर्ष पहले ही तोरपा से कुमांग तक करोड़ों रुपये की लागत ये इस सड़क का निर्माण कराया गया था, पर सडक पर सैकड़ों बड़े-छोटे गड्ढे बन गये हैं। रामजय के अलावा अन्य कई जगहों पर भी सड़क धंसने के कगार पर है।

मरम्मत का काम शुरू हो गया है: कार्यपालक अभियंता

तोरपा-मुरहू मार्ग पर सड़क के धंसने के संबंध में पूछे जाने पर ग्रामीण विकास विभाग खूंटी कें कार्यपालक अभियंता सुशील कुमार झा ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है और वहां मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। दो दिन पहले वहां मिट्टी डाली गयी थी, पर बारिश के कारण वह बह गयी। उन्होंने कहा कि वहां बॉल्डर डालने का काम भी शुरू हो गया। कार्यपालक अभियंता ने कहा कि जहां पर सड़क धंसने की शिकायत आयी है, उस जमीन का मालिक काम करने ही नहीं देता है।

पिपरवार में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का धरना तीसरे दिन भी रहा जारी

असंगठित मजदूरों की मांगों पर पहल नहीं होने से बढ़ रहा है आक्रोश

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के समीप झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पिपरवार और खलारी के द्वारा जारी अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। पिपरवार क्षेत्र के बचरा रेलवे साइडिंग में कार्यरत असंगठित मजदूरों की विभिन्न समस्या एवं उन्हें हाई पावर कमेटी का लाभ देने की मांग को लेकर यह धरना चल रहा है। इस संबंध में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के लोगों ने बताया कि सोमवार 30 जून से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के द्वारा पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय के समीप अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया है। तीन दिन बीत जाने के बावजूद किसी भी प्रकार का पहल अभी तक नहीं किया गया है, जिससे कार्यकर्ताओं के अलावा मजदूरों में आक्रोश देखा जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि खराब मौसम और झमाझम बारिश के बीच असंगठित मजदूर अपने परिजनो के साथ धरना स्थल में बैठे हैं, लेकिन प्रबंधन और कंपनी का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। यदि जल्द प्रबंधन वार्ता के माध्यम से मांगों को पूरा नहीं करती है तो आने वाले दिनों में कोयला खनन एवं ट्रांसपोर्टिंग का कार्य भी बंद किया जायेगा। इस मौके पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के रांची जिला संगठन मंत्री रतिया गंझू, रांची जिला उपाध्यक्ष दीपक महतो, चतरा जिला उपाध्यक्ष बिजय महतो, चतरा जिला प्रवक्ता अमर महतो, सरवन महतो, खलारी प्रखंड अध्यक्ष तोहिद अंसारी, बचरा दक्षिणी पंचायत अध्यक्ष कृष्णा यादव, रविंद्र महतो, बालेश्वर महतो, महेंद्र महतो, प्रदीप राम, बुटन महतो, विशेश्वर, भोला महतो, सीटू, आशीष सहित काफी संख्या में असंगठित मजदूर मौजूद थे।

आदर्श उच्च विद्यालय शांतिनगर के छात्रों का 11वीं में शानदार प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। आदर्श उच्च विद्यालय शांतिनगर के छात्रों ने झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा आयोजित ग्यारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कला, विज्ञान और वाणिज्य तीनों संकायों में शत प्रतिशत रिजल्ट रहा है। कला में 45, विज्ञान में 8 और वाणिज्य में 8 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए थे। बेहतर प्रदर्श- करते हुए कला संकाय में विष्णु गंझू ने 72.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बने। वहीं वाणिज्य संकाय में ऐनम फिरदोस ने 80.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर व विज्ञान संकाय में विकास कुमार ने 88.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बने। विद्यालय के प्रधानाध्यापक फादर ऑस्कर टोप्पो ने सभी उतीर्ण छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधक फादर हिलारियुस तिग्गा सहित शिक्षक पवन कुमार चन्द्रवंशी, प्रमोद प्रसाद, सुमन तेरेसा खलखो, संध्या सी टोप्पो, विक्रम सिंह, डेनी कुजूर, हेमलता कुमारी, रेणु गिरी, प्रियंका कुमारी, अर्चना किड़ो, प्रमिला, अर्पणा लकड़ा, नवीन कुजूर, सुनीत किस्पोट्टा, रोजलीन कुजूर, प्रफुल्लित मिंज, अनास्तासिया बारला, सुषमा रजनी मिंज, हेमा माधुरी लकड़ा, सुजीत भेंगरा, नैनसी लकड़ा, रेणु टोप्पो, सुजाता खलखो, वैशाली साहु आदि शिक्षकों ने सभी बच्चों के सफलता के लिए बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

नारी शक्ति सेना ने एनके महाप्रबंधक के नाम तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा

महिलाओं के रोजगार और सशक्तिकरण पर दिया जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

महाप्रबंधक कार्यालय में मांगों को लेकर पत्र देती नारी शक्ति सेना की सदस्या।

खलारी। नारी शक्ति सेना खलारी प्रखंड की अध्यक्ष सरोज चौधरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को एनके एरिया महाप्रबंधक कार्यालय को महिलाओं के हित में तीन सूत्रीय मांगों को लेकर एक आवेदन पत्र सौंपा।

मांगों में रोजगार में आरक्षण जिसके तहत एनके एरिया में संचालित सभी निजी कंपनियों में विभिन्न सेवा कार्यों में 30 प्रतिशत रोजगार स्थानीय रैयत, विस्थापित एवं प्रभावित महिलाओं को उनके योग्यता के आधार पर दिया जाए, क्षेत्र की महिलाओं को नर्सिंग की निशुल्क ट्रेनिंग दी जाये, ताकि वे भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं में रोजगार प्राप्त कर सकें और स्वयं सहायता समूहों को कुटीर उद्योगों से जोड़ा जाये, ताकि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलें और बेरोजगारी व आर्थिक निर्भरता को कम किया जा सके।

मौके पर सरोज चौधरी ने सभी श्रमिक संगठनों और सामाजिक प्रतिनिधियों से अपील किया कि सभी नारी शक्ति सेना के रचनात्मक एवं महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में सहयोग करें। वहीं उन्होंने महाप्रबंधक से उक्त मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र अमल करने का आग्रह किया। इस अवसर पर नारी शक्ति सेना की सचिव माया देवी और उपाध्यक्ष अंजलि देवी भी उपस्थित थीं।

प्रखंड स्तरीय सुब्रत मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। प्रखंड स्तरीय अंडर 15 ओर अंडर 17 सुब्रत मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन आरसी बालक मध्य विद्यालय तथा लोयोला उच्च विद्यालय के मैदान में बुधवार को किया गया। अंडर 15 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय अनिगडा की टीम ने सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस की टीम को 2- 0से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। अंडर 17 बालक वर्ग में सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस की टीम ने उत्क्रमित च्च विद्यालय घाघरा को 4-0 से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। विजेता टीम पांच जुलाई को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में खूंटी प्रखंड का प्रतिनिधित्व करेगी। सभी विजेता प्रतिभागियों को जिला परिषद सदस्य सुशील संगा, 20 सूत्री सदस्य शंकर सिंह मुंडा, प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा, आरसी बालक के प्रधानाध्यापक सहित अय अतिथयों ने पुरस्कृत किया गया। प्रखंड पर कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार राम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षक मो रियाज आलम ने किया।

केसरवानी वैश्य के प्रतिनिधियों ने की राज्यपाल से मुलाकात

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने तपेश्वर केशरी के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष गंगवार से बुधवार को मुलाकात की। तपेश्वर केशरी ने राज्यपाल को झारखंड के बौद्धिक अगुआ डॉ बीपी केशरी की झारखंड राज्य के निर्माण में योगदान और उनकी कृतियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उनके द्वारा रचित दर्जन भर महत्वपूर्ण पुस्तकें दी गईं। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर रातू रोड फ्लाइओवर का नामकरण डॉ बीपी केशरी के नाम पर करने की मांग की। वहीं, राज्यपाल ने भी विधिसम्मत पहल करने का आश्वासन दिया।

मुआवजा की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया नामकुम अंचल कार्यालय का घेराव

नामकुम (आजाद सिपाही)। मुआवजा राशि की मांग को लेकर ग्रामीणों ने नामकुम अंचल कार्यालय का घेराव किया। बताते चले कि पूर्व में हुए ओलावृष्टि एवं बारिश से फसल और सैकड़ों घरों में हुए नुकसान का आपदा प्रबंधन से मुआवजा नहीं मिलने से नाराज विभिन्न पंचायतों के सैकड़ों ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप के साथ कुटियातु मुखिया निशा उरांव, हहाप मुखिया नन्हे कच्छप, सिदरौल मुखिया लक्ष्मी कुमारी सहित अन्य पंचायतों के मुखिया के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण मुआवजा राशि भुगतान की मांग को लेकर नामकुम अंचल कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने सीओ के नाम अंचल निरिक्षक को एक ज्ञापन भी सौंपा। प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप ने बताया कि ओलावृष्टि व बारिश से प्रभावित ग्रामीणों ने मुआवजे को लेकर पूर्व में अंचल कार्यालय में आवेदन जमा किया था, पर अबतक मुआवजा नहीं मिला है। वहीं, कुटियातु मुखिया निशा उरांव ने बताया कि अंचल कार्यालय की ओर से उचित जवाब भी नहीं दिया जाता है। जिस कारण सभी ग्रामीण परेशान है। उन्होंने जल्द मुआवजा देने की मांग की है।

बीज खरीदने दुकानों में उमड़ रही किसानों की भीड़

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र में बारिश होने के साथ ही किसान खेती-बारी में जोर-शोर से जुट गए हैं। खेतों में धान का बिचड़ा डालने के लिए दुकानों में धान बीज खरीदने को लेकर किसानों की भीड़ उमड़ने लगी है। बुधवार को बेड़ो के खाद-बीज की दुकानों पर भीड़-भाड़ की स्थिति बनी रही। बतातें चलें कि बेड़ो क्षेत्र में पिछले दो सप्ताह से लगातर हो रही बारिश ने किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी है। उत्साहित किसान धान का बिचड़ा डालने के लिए हल-बैल और ट्रैक्टर से अपने-अपने खेतों की जुताई करने में लगे हैं। जबकि खाद-बीज दुकानों पर धान का बीज खरीदने के लिए किसान उमड़ने लगे हैं। बेड़ो महावीर चौक, बाजार टांड़ एवं बेड़ो बाजार सहित गांव के बाजारों में स्थित खाद-बीज की दुकानों पर सुबह से ही किसानों की भीड़ उमड़ पड़ रही है।

साहेर एवं चिपरा पंचायत के विभिन्न गांवों से आये 65 किसानों में मक्का बीज का वितरण

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड परिसर में बुधवार को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता (कृषि प्रभाग) विभाग की ओर से संचालित बिरसा फसल विस्तार योजनांतर्गत साहेर एवं चिपरा पंचायत के विभिन्न गावों के 65 किसानों के बीच 528 किलो मक्का बीज प्रत्यक्षण का वितरण किया गया। नगड़ी जिप सदस्य पूनम देवी, बीडीओ दीपाली भगत, पंसस गुलरेज अंसारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक वरदानी लकड़ा, सलाहकार समिति के अध्यक्ष बजरंग महतो की उपस्थिति में बीज का वितरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नगडी प्रखंड के मेहनत किसान जैविक खेती पर विशेष ध्यान दें। इसे बहुत लाभ मिलेगा। वहीं, मक्का प्रत्यक्षण के लिए लाभुकों का चयन करने में जिप सदस्य पूनम देवी, पंसस गुलरेज अंसारी, कृषक मित्र मुकेश का सहयोग रहा।

उलातू महाकालेश्वर धाम में श्रावणी मेला की तैयारी शुरू, कांवर यात्रा 11 जुलाई से

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी उलातु स्थित बाबा महाकालेश्वर धाम में श्रावणी मेला को लेकर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सोनाराम मुंडा ने की। इसमें श्रावण मास के दौरान होने वाले आयोजनों पर विस्तृत चर्चा की गयी। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी भव्य कांवर यात्रा निकाली जायेगी, जिसका शुभारंभ 11 जुलाई की सुबह सात बजे ओरमांझी छठ नदी से जल कलश यात्रा के रूप में किया जाएगा। बैठक में कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा, साफ-सफाई व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वास्थ्य, पेयजल आदि व्यवस्थाओं को लेकर विशेष चर्चा हुई। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष सोनाराम मुंडा, सचिव दिलीप मेहता, मुख्य संरक्षक अमरनाथ चौधरी, मानकी राजेन्द्र साही, अलखनाथ महतो, संतोष कुशवाहा, शशि मेहता, मुख्य पुजारी नीरज पांडे, राजेश गुप्ता, ललिता मेहता, सत्यनारायण तिवारी, उमा शंकर साहू, विक्रांत तिवारी, छेदी महतो, अरुण मंडल, अरविंद बबलू, अजीत मेहता, नंदकिशोर महतो, राजा शुक्ला, टुनटुन पांडे, इंद्र महतो, सुरेश मेहता आदि उपस्थित थे।

जवाहर नवोदय विद्यालय की संगीत शिक्षिका हुईं सेवानिवृत्त

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। जवाहर नवोदय विद्यालय की संगीत शिक्षिका रेणु कुमारी सिन्हा पिछले 30 वर्षों की अटूट सेवा के बाद 30 जून को सेवानिवृत हो गईं। उन्होंने मार्च 1995 से लेकर जून 2025 तक सरगुजा, गुमला, गारो हिल्स, रांची, पूर्वी सिंहभूम और सिमडेगा जिला के जवाहर नवोदय विद्यालयों में संगीत शिक्षिका के रूप में उत्कृष्ट सेवा दी हैं। सेवानिवृत्ति पर रेणु सिन्हा ने सेवा यात्रा में सहयोग के लिए विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, सहयोगियों और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। वहीं, प्राचार्य एसके सिन्हा सहित सभी शिक्षक-कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए नवोदय विद्यालय में उनके योगदान की सराहना की। इस मौके पर उनके पौत्र अक्षत गौतम, पुत्र शाश्वत, अमोल, पुत्रवधु निधि एवं पति अवनींद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार महिला और उसके दो बच्चों की मौत

वाहन सहित भाग रहे चालक को नगड़ी पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ा

इसी हादसे में तीन अन्य घायल, सभी एक ही बाइक पर सवार होकर इटकी से जा रहे थे मेला देखने

आजाद सिपाही संवाददाता

दुर्घटनाग्रस बाइक की तस्वीर।

पिस्कानगड़ी। नगड़ी थाना क्षेत्र के रांची-गुमला हाइवे पर नारों बाजार के पास बुधवार की दोपहर ट्रक की चपेट में आने से बाइक पर बैठी एक महिला और उसके दो छोटे बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान पूजा धान, अनुष्का धान और अनामिका धान के रूप में हुई है। सभी इटकी थाना क्षेत्र के चिनारों पुरियो गांव के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक ईटकी के चिनारों पुरियो गांव निवासी विजय धान अपनी पत्नी और चार छोटे-छोटे बच्चों के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर वहां से गुजर रहा था। सड़क किनारे एक बस खड़ी रहने के कारण वह उसे ओवरटेक कर रहा था। तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और परिवार सहित वह बीच सड़क पर गिर गया। तभी पीछे से आ रही एक मालवाहक लाइन ट्रक ने उसकी पत्नी पूजा धान, दो बच्चियां अनुष्का धान और छोटी बेटी अनामिका धान को कुचल दिया। जबकि बाइक चला रहा विजय धान अपनी एक अन्य बेटी अमिता धान और पुत्र आयुष्य धान को ट्रक के चक्के की चपेट में आने से किसी तरह बच लिया। उधर, घटना के तुरंत बाद नगड़ी पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से पास के एक निजी अस्पताल में सभी को ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने पूजा धान और उसकी दोनों बेटियों अनुष्का एवं सबसे छोटी बेटी अनामिका धान को मृत घोषित कर दिया। वहीं, विजय धान और उसके दो अन्य बच्चों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। तीनों को हल्की चोटें आई है। दूसरी ओर, घटना के बाद ट्रक लेकर भाग रहे चालक को नगड़ी पुलिस ने दौड़ाकर पिस्का रेलवे फाटक के पास पकड़ लिया। साथ ही ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। उधर, घटना के संबंध में विजय धान के पिता मंगल धान ने नगड़ी थाना में ट्रक चालक पर लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें मंगल धान ने बताया कि बुधवार की दोपहर एक बजे उनका पुत्र विजय धान अपनी पत्नी पूजा धान और चार छोटे बच्चों को लेकर बाइक से जगरनाथपुर मेला देखने के लिए निकाला था। तभी ट्रक चालक की लापरवाही के चलते हादसे का शिकार हो गया।

सिमलिया रिंग रोड में वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम की

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के सिमलिया रिंग रोड स्थित हाजी चौक के पास सड़क हादसे में बुधवार को एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। उसकी पहचान इरशाद अंसारी (36) के रूप में हुई। वह रातू थाना क्षेत्र के अलकमर कॉलोनी निवासी रमजान अंसारी का पुत्र था। मृतक इरशाद पेशे से ट्रक चालक है। बुधवार की सुबह वह ओडिशा से घर वापस लौटा था। इसी बीत दोपहर एक बजे वह हाजी चौक से अपने घर अलकमर कॉलोनी जाने के लिए पैदल ही रास्ता पार कर रहा था। तभी तिलता की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार 12 चक्का ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों की मांग थी कि आरोपी वाहन चालक को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाए। ग्रामीणों ने करीब चार घंटे तक टायर जलाकर रिंग रोड को जाम कर दिया। उधर, हादसे की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। वहीं, जाम की सूचना पर बीडीओ शैलेन्द्र कुमार भी घटनास्थल पहुंचे। काफी कोशिश के बाद शाम पांच बजे जाम हटा लिया गया। इस दौरान बीडीओ ने घटना स्थल पर ही मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर दिया। इसके अलावा मृतक की पत्नी सोनी खातून का विधवा पेंशन जल्द बनाने एवं एक पुत्री की पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली।

खिजरी विधायक ने अनगड़ा में रखी करोड़ों की सड़क निर्माण योजनाओं की आधारशिला

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने बुधवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायत क्षेत्रों में करीब 12 करोड़ रुपए की लागत की सात ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक ने कहा कि खिजरी विस के सर्वांगीण विकास के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। खासकर सुदूर ग्रामीण इलाकों में लोगों को सड़क सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता में है। हमारी सरकार भी ग्रामीण क्षेत्र के विकास के प्रति काफी गंभीर है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहयोग से ग्रामीण इलाकों में और बेहतर ढंग से विकास कार्यों का क्रियान्वयन किया जा सकता है। इससे पहले विधायक ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढीकरण योजनान्तर्गत लुपुंग, खेरवाकोचा, जिंतुबेड़ा, सिरका, जाराटोली, सिकिदिरी एवं सहेदा में होनेवाले पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस मौके पर प्रमुख दीपा उरांव, उपप्रमुख जयपाल हजाम, राजेन्द्र मुंडा, एतवा उरांव, साकिर अंसारी, शिवदास गोस्वामी, रज्जाक अंसारी, विशाल स्वांसी, छोटेलाल महतो, सिद्दीक अंसारी, जॉन तिग्गा, आलम अंसारी, मृत्युंजय सिंह, विश्राम महतो, उमेश गुप्ता, सरीता देवी, शहनाज खातून, संगीता कैथा, शांति देवी, कुंती देवी, जानकी देवी, बिहारी मुंडा, सचिन नायक, अनीता देवी, तबरेज खान, उजयस टोप्पो, रोहित नायक आदि उपस्थित थे।

बीडीओ ने लापुंग और लालगंज की खाद-बीज दुकान का किया निरीक्षण

लापुंग (आजाद सिपाही)। बीडीओ उषा मिंज ने बुधवार को प्रखंड के खाद बीज दुकान का निरीक्षण किया। इस क्रम में किसानों को सही कीमत पर खाद बीज उपलब्ध कराने के लिए दुकानदार को दुकान पर बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। साथ ही उनके दुकान में खाद बीज स्टॉक पंजी, बिक्री बही, मूल्य तालिका,पास मशीन के साथ आधार के बिना खाद कि बिक्री नहीं करने का निर्देश दिया। अगले चार दिनों में उपरोक्त सारी प्रक्रिया पूरा करने का निर्देश दिया। बीडीओ ने कहा कि सभी खाद बीज दुकानदार को लाइसेंस की कॉपी भी साथ में रखे, ताकि कोई भी पदाधिकारी से यथाशीघ्र दुकान की सही जानकारी ले सके। इसी क्रम में शक्ति खाद बीज भंडार, श्रुति खाद बीज , विजय साहू खाद बीज, कुलदीप साहूखाद बीज, पूजा खाद बीज भंडार, लालगंज और लापुंग के खाद बीज दुकानों का निरीक्षण भी किया गया। मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी मो आरिफ, विधायक प्रतिनिधि लखन साहू के अलावे अन्य लोग मौजूद थे।

जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। खेलगांव के बिरसा मुंडा फुटबाल स्टेडियम और सीएम एक्सीलेंस स्कूल बरियातू में दो से पांच जुलाई तक आयोजित होने वाले जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप अंतर विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का भव्य शुभारंभ बुधवार को हुआ। जिसका उद्घाटन सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने किया। इससे पहले दीप प्रज्ज्वलित कर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्होंने उद्घाटन मैच शुरू कराया। खिलाडियों को खेल की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर एसडीओ ने कहा कि सुब्रतो कप एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। जहां अनुशासन, नेतृत्व, टीम वर्क और समर्पण जैसे गुण निखरते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे जिले से भी राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करें। प्रशासन इस दिशा में हर संभव सहयोग करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डीएससी बादल राज ने भी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। इस अवसर पर छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मौके पर डीईओ विनय कुमार, डीएससी बादल राज, समीर कुमार, अधिकारीगण, प्राचार्यगण, खेल शिक्षक, अभिभावक सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

रातू में व्यक्ति की पत्थर से कूच कर की गयी हत्या

चेहरे को बुरी तरह कुचला गया, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के चितरकोटा गांव स्थित पतरा से पुलिस ने एक व्यक्ति का शव बरामद किया है। जिसके चेहरे पर गंभीर चोट के निशान है। आशंका है कि कहीं दूसरी जगह पत्थर से कुचल कर हत्या करने के बाद शव यहां फेंक दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने एक झाड़ी में शव को देखा। उक्त खबर जंगल में लगी आग की तरह फैल गयी। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर पहुंचने लगी। उधर, शव मिलने की सूचना पाकर रातू पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गयी और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस को शव के पास से कोई पहचान पत्र या मोबाइल फोन बरामद नहीं हुआ। जिससे उसकी पहचान में परेशानी हो रही है। पुलिस आसपास के थानों और गुमशुदगी की रिपोर्ट से मिलान कर पहचान करनेकी कोशिश कर रही है। आशंका यह भी जताई जा रही है कि किसी दूसरी जगह हत्या कर शव को लाकर यहां फेंक दिया गया है। इस घटना के बाद से चित्रकूटता गांव और आसपास के इलाके में डर और दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी को युवक के बारे में जानकारी हो तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, आसपास के मोबाइल टावरों की लोकेशन हिस्ट्री और फोन कॉल डिटेल के आधार पर भी जांच कर रही, ताकि अपराधियों तक पहुंचा जा सके।

झालसा और डालसा के प्रयास से 50 वर्षों के बाद परिवार से मिला सलीम

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झालसा और जिला विधि सेवा प्राधिकार खूंटी कें प्रयास से 50 साल से अपने परिवार से बिछड़ा सलीम आखिरकार अपने परिवार से मिल सका। खूंटी स्थित वृद्धाश्रम सहयोग विलेज, पिपराटोली, खूंटी से सलीम को बुधवार को उसके पैतृक गांव उत्तर प्रदेश के मंझपुरवा भेजा गया। सलीम को लेने उसकी भाभी सबीना खूंटी आईं थी। बताया गया कि इसी वष 25 मार्च को खूंटी पुलिस ने उसे शहर में बीमार अवस्था में भटकते पाया था। बाद में उसे ओल्ड एज होम, सहयोग विलेज भेज दिया गया था। सहयोग विलेज में इलाज एवं देखभाल के बाद अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गया। आश्रय में रहने से उनकी पहचान का पता चला और इसके बाद झालसा और डालसा के सहयोग से उसे उसे गांव भेज दिया गया। परिवार के सदस्य सलीम ने खूंटी के वृद्धाश्रम परिसर में जब अपने परिवार कें सदस्यों को देखा, तो उसकी आंखें नम हो गई। खुशी से झूम उठा। इस दृश्य को देखकर आश्रय के कर्मचारी और डालसा की टीम भी भावुक हो उठे। उपरोक्त जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

बाघवार एकेडमी के विद्यार्थियों का अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

चान्हो (आजाद सिपाही)। बाघवार एकेडमी के प्रांगण में एसओएफ की ओर से 29 नवंबर 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर हौसला बढाया गया।उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में आस्था कुमारी (कक्षा तीन), एवं नायरा अबरार (कक्षा तीन) को गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन और परिधि शाहदेव (कक्षा छह) एवं तनु दूबे (कक्षा छह) को गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस प्रदान किया गया। अन्य विद्यार्थियों को पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट दिया गया। विद्यालय के निदेशक अशोक बाघवार ने विद्यार्थियों को मेडल और सर्टिफिकेट मिलने पर कहा कि मेहनत, अनुशासन और लगन से कोई भी मंज़िल हासिल की जा सकती है। ये बच्चे हमारे विद्यालय की शान हैं। प्रधानाचार्य अरुण, बाघवार स्वास्थ्य कारणों से समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में लिखा कि आप सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई। आपने अपने प्रदर्शन से अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय का नाम गर्व से ऊंचा किया है। समारोह का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक हरे कृष्णा सिंह ने किया।

मुहर्रम को लेकर ब्लॉक परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

रातू में सात को निकलेगा मुहर्रम का जुलूस

रातू/नामकुम (आजाद सिपाही)। मुहर्रम के जुलूस को लेकर ब्लॉक परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें घूरती रथ मेला छह जुलाई को होने के कारण सर्वसम्मति से रातू एवं उसके आसपास के गांवों में सात जुलाई को मुहर्रम का जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर विभिन्न अखाड़ो में अस्त्र-शस्त्र प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। समिति के लोगों ने पुलिस से मुहर्रम के दिन शराब की बिक्री पर पाबंदी एवं पुलिस गस्ती तेज करने की अपील की। इस पर पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले एवं असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी निगाह है। भड़काऊ गाने बजाने वालो पर कड़ी कार्रवाई की जायेगा। वहीं, बैठक में सदस्यों ने विद्युत, ब्लॉक एवं सीएचसी के अधिकारियों के नहीं रहने पर नाराजगी जताई। मौके पर दामोदर मिश्र, शिवपूजन साव, असलम अंसारी, बेलाल अंसारी, रामाधीर तिवारी, अरसद अयूब, कृष्णा ठाकुर, इमरान खान, हरि साव, अजमूल हक आदि मौजूद थे। दूसरी ओर, नामकुम थाना परिसर में भी मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें रांची डीएसपी अमर कुमार पांडे ने क्षेत्रवासियों से शांतिपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील की। कहा कि मुहर्रम पर्व समाज में एकता को मजबूत करता है। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी। साथ ही अफवाह फैलाने वालों कार्रवाई की चेतावनी दी।

हादसे में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष घायल

बेड़ो (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के जरिया ब्रिज के समीप बुधवार अपराह्न चार बजे भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष बेड़ो ईंटा चिल्द्री गांव निवासी लाल संजय नाथ शाहदेव (55) को एक कार ने टक्कर मार दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। वे अपनी बाइक से जा रहे थे। उनके चचेरे भाई लाल सुमन कुमार और कार चालक राहुल कुमार ने घायल संजय को बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉ रिजवाना ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार लाल संजय जरिया ब्रिज में एनएचआई में चल रहे काम के लिए मजदूर लाने के लिए गये थे। तभी यह हादसा हुआ।

पिकअप पेड़ से टकरायी, चालक की मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला पालकोट रोड स्थित अंबेरा डीह के समीप मंगलवार की शाम एक पिकअप चालक ने सड़क किनारे पेड़ को जोरदार टक्कर मार दिया। घटना के बाद चालक घंटों वाहन में फंसा रहा। घटना के बाद राहगीर और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गयी। वाहन में फंसे चालक को निकालने का काफी प्रयास किया गया। घटना की सूचना पर पालकोट थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे चालक लोहरदगा बरवा टोली निवासी 25 वर्षीय सुमित कुमार तमेरा को बाहर निकाला इसके बाद इलाज हेतु उसे सदर अस्पताल भेजा गया। सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में मंगलवार की रात 10 बजे उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे वही इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हो हंगामा किया। बुधवार की सुबह 10 बजे घटना की सूचना गुमला थाना को दी गयी। गुमला थाना के एस आई गौतम वर्मा सदर अस्पताल पहुंचकर शव का पंचनामा किया साथ ही पोस्टमार्टम करने की प्रक्रिया शुरू करायी। परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया सुमित प्रतिदिन लोहरदगा से सब्जी लोडकर राउरकेला जाता था। मंगलवार को भी सब्जी लेकर राउरकेला जा रहा था। वह दो-तीन दिनों से ठीक से सो नहीं पाया था। संभवत: उसकी आंख लग गयी होगी और उसने पेड़ को टक्कर मार दिया। वाहन के स्टेरिंग से उसके सीने में गहरी चोट लगी थी वहीं रक्त का जमाव भी हो गया था।

सदर अस्पताल से बाइक की चोरी

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर अस्पताल गुमला से अज्ञात चोरों ने एक बाइक की चोरी कर ली है। मामले को लेकर अंबवा गांव निवासी मोहम्मद अजहर अंसारी ने मंगलवार की रात 8 बजे गुमला थाना में आवेदन देकर चोरी की गयी बाइक की बरामद की गुहार लगायी है। अजहर ने बताया मंगलवार दिन के 2 बजे सदर अस्पताल में इलाज रत अपने एक रिश्तेदार मरीज को देखने परिवार के साथ आये थे जब शाम को 5 बजे अस्पताल से बाहर आये तो देखा की बाइक गायब है। बताया कि सदर अस्पताल के सामने कदम के पेड़ के नीचे बाइक को खड़ा किया था साथ ही बाइक को लॉक भी किया था चाबी मेरे पास ही है। तत्काल मामले की जानकारी सदर अस्पताल के कर्मियों को दी गयी। वहीं सीसीटीवी चेक गया लेकिन बाइक चोर की तस्वीर नहीं दिखी संभावना व्यक्त की जा रही है कि चोर बाइक लेकर पुराना समाहनालय की ओर से भाग गया। अजहर ने बताया काले रंग का अपाचे बाइक है जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 07 जी 1722 है।

चरका टांगर जाम टोली में गिरा हाई टेंशन तार

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला थाना क्षेत्र के चरका टांगर जाम टोली स्कूल मैदान के समीप बड़ा हादसा टल गया। स्कूल के समीप से गुजरा ग्यारह हजार वोल्ट का हाइ टेंशन तार टूट कर गिर गया। वर्षा के कारण जमीन गीला था। तार गिरने से जमीन से धुआं उठने लगा। जमीन से उठते धुआं देख कर ग्रामीण सहम गये। संयोग कहा जाये कि जब खेत में हाई टेंशन तार गिरा उस दौरान खेत में ना तो कोई किसान था और ना कोई मवेशी विचरण कर रहा था। खेती किसानी का समय होने के कारण यदि खेत में किसान या मवेशी होते तो बड़ी घटना घट सकती थी। ग्रामीणों ने हाई टेंशन विद्युत तार टूट कर गिरने की सूचना विद्युत विभाग को दी और बिजली कटवाया।

जनजातीय ग्राम उत्कर्ष शिविर का आयोजन

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चुंदरी पंचायत के बेती, इचा, महूगांव, हापामुनि गांव में जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार मुखिया विनीता कुमारी सहित कई अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। शिविर में प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कल्याण विभाग सहित कई अन्य विभाग के स्टाल लगाये गये। जहां ग्रामीणों को विभाग से संबंधित जानकारी भी दिया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी प्रखंड समन्वयक आशीष कुमार सोनी द्वारा दिया गया। वहीं ग्रामीणों ने आवश्यकता अनुसार आवेदन भर कर जमा किया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा जनजातीय समाज के उत्थान और उनके सर्वांगीण विकास को लेकर उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आप ग्रामीण इसका समुचित लाभ उठाएं। मुखिया विनीता कुमारी ने कहा उक्त शिविर के माध्यम से आप सभी ग्रामीण सरकार के महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाएं।शिविर कार्यक्रम में बाल विकास विभाग द्वारा कई बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। मौके पर बीपीओ बेबी कुमारी, उपमुखिया अजीत मनी पाठक, पूर्व मुखिया आदित्य भगत, आशीष सोनी सहित कई कर्मी पदाधिकारी ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित थे।

आषाढ़ गुप्त नवरात्र के सातवें दिन निकली कलश यात्रा

भरनो (आजाद सिपाही)। भरनो बस्ती स्थित बजरंग बली मंदिर में आषाढ़ गुप्त नवरात्र और चंडी पाठ के सातवें दिन मंगल कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा में दर्जनों श्रद्धालु, विवाहित जोड़े कलश लेकर स्थानीय छठ तालाब से जल उठा कर गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंच कलश स्थापित की गयी। विधि-विधान से पूजा के सातवें दिन माता कालरात्रि की पूजा की गयी। पूजा के सातवें दिन माता का पट खुलते श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आषाढ़ गुप्त नवरात्र के चंडी पाठ में यज्ञाचार्य की भूमिका नीतीश मिश्रा निभा रहे हैं। यज्ञ को सफल बनाने में संजय गुप्ता, बिनोद साहू , मनोहर केशरी, शुभम गुप्ता, सुधांशु केशरी, प्रिंस गुप्ता, हर्ष केशरी, सतीश केशरी, शक्ति गुप्ता, मौजूद थे।

पानी सप्लाई बंद होने से चार पंचायत के ग्रामीण परेशान

सिसई (आजाद सिपाही)। थाना के सामने बने विशालकाय ग्रामीण पेयजल पूर्ति योजना पानी टंकी से एक माह से अधिक समय से चार पंचायत के लोगों को पानी नहीं मिल रहा है जिसके कारण उन्हें घरेलू कार्यों को करने में कठिनाई हो रही है। पानी सप्लाई के बंद होने के बारे में पूछने पर पीएचडी विभाग के जेइइ रतन खलखो ने जानकारी देते हुए बताया कि डब्ल्यूटीपी का इंटेक वेल का स्टार्टर और पैनल बोर्ड खराब हो गया है, जिसके कारण पानी की सप्लाई बंद हो गयी है। वहीं उन्होंने विशेष रूप से जानकारी देते हुए बताया की जलापूर्ति योजना से सिसई पंचायत के 1100, लकेया पंचायत के 1100, भदौली पंचायत के 800 और कुदरा पंचायत के 250 लोगों के घरों तक पानी पहुंचाया जाता था। एक माह में जलकर 62 रुपया है। वही जलकर की जिम्मेवारी पंचायत के मुखिया और जलसहिया को दिया गया था। जिसमें की लकेया पंचायत को छोड़कर अन्य तीन पंचायत के मुखिया और जलसहिया जलकर जमा नहीं करते थे, जिसके कारण फंड के अभाव में समय पर मशीन मरम्मत नहीं हो पा रहा है। जानकारी लेने के लिए सहिया से संपर्क किया गया परंतु संपर्क नहीं हो सका। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर प्रखंड प्रमुख मीना देवी ने भी पानी टंकी का निरीक्षण की थी। वही निरीक्षण के बाद ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए जल्द बनवाने को लेकर मैकेनिकल इंजीनियर और जेइइ से बात कर दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। रतन खलखो ने बहुत ही जल्द पानी सप्लाई सुचारू रूप से शुरू करने की बात कही।

लक्ष्मण नगर और चाहा में छापामारी, ब्राउन शुगर और 10.48 लाख के साथ चार गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। पुलिस अधीक्षक गुमला को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नशीली पदार्थ की खरीद बिक्री को लेकर एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने शहर के लक्ष्मण नगर में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री की सूचना के सत्यापन हेतु छापामारी किया। छापामारी दल में एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, पुलिस उपाधीक्षक शिव शंकर मरांडी थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली पुलिस अवर निरीक्षक हिमांशु शेखर सिंह सुनील कुमार हेमा देवी सहित थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। जब छापामारी दल लक्ष्मण नगर पहुंचा तो एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे घेराबंदी करते हुए पकड़ लिया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम आकाश राज उर्फ आकाश पासवान उम्र 21 वर्ष पिता आलोक पासवान लक्ष्मण नगर लिप्टिस बगीचा बताया। विधिवत तलाशी लेने पर उसके पास से करीब 10 ग्राम प्रतिबंधित ब्राउन शुगर बरामद किया गया। आकाश के निशानदेही पर छापामारी दल चाहा गांव पहुंचा। पुलिस को देखकर दो व्यक्ति भगाने का प्रयास किया। जिसे छापामारी दल के द्वारा खदेड़कर पकड़ लिया गया। पकड़ाए लोगों का नाम पूछने पर बादल साहू उम्र 33 वर्ष पिता भुनेश्वर साहू बैरागी बगान चाहा और छोटू साहू उर्फ.जनेश्वर साहू उम्र 35 वर्ष पिता जगमोहन साहू बताया। दोनों की तलाशी लेने पर बादल के पैकेट से 12 ग्राम ब्राउन शुगर 35700 और दो मोबाइल मिला। छोटू साहू के पास से 7 पुड़िया ब्राउन शुगर एक वेट मशीन एक वीवो कंपनी का मोबाइल मिला दोनों के निशान देही पर छापामारी दल मनीत कुमार उम्र 32 वर्ष पिता बृजवाल चौधरी बैरागी बागान चाहा के घर से 10 ग्राम ब्राउन शुगर एक वजन करने वाला मशीन तथा 10 लाख 13000 रुपये मिला। बुधवार की शाम 5 बजे पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता करते हुए बताया छोटू साहू के विरुद्ध गुमला थाना में 2018 में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। वही बदल साहू के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट दर्ज है। चारों आरोपियों को प्रेस वार्ता के बाद जेल भेज दिया गया।

संविधान की इज्जत करने वाले का सिर रहता है बुलंद: एसपी

बज्म ए रब्बानी ने जिज्ञासा फेडरेशन की सहायता से की कोचिंग सेंटर की शुरूआत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जो संविधान की इज्जत करेगा निश्चित उसका सर हमेशा ऊंचा रहेगा। और संविधान को जानने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षित होना व्यक्ति के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। शिक्षा का मतलब सिर्फ.पढ़ना लिखना ही नहीं है, बल्कि ज्ञान प्राप्त करना है। ज्ञान आपको तार्किक रूप से सोचने और सही समय पर सही निर्णय लेने में मदद करता है। उक्त बातें एसपी हारिश बिन जमां ने कही। वे बुधवार को शहर के खड़िया पाड़ा स्थित बज्मे रब्बानी ट्रस्ट सह बज्मे रब्बानी एजुकेशनल फाउंडेशन के द्वारा बच्चियों के लिए शुरू किये गये स्पेशल कोचिंग सेंटर के उदघाटन के मौके पर लोगो को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि इल्म इंसान की तरक्की का सबसे पहला मार्ग है। यह हर उम्र हर तबके के लोगो के लिए जरूरी है। बज्मे रब्बानी ट्रस्ट के द्वारा जो पहल व शुरूवात की गयी है वह सराहनीय कदम है।

मौके पर विशिष्ट अतिथि डीएफओ अहमद बेलाल अनवर ने कहा कि शिक्षा का महत्व बहुत अधिक है। यह एक व्यक्ति और समाज दोनों के विकास के लिए आवश्यक है। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण प्रदान करती है। जो उसे जीवन की चुनौतियों का सामना करने और सफल होने में सहायता प्रदान करती है। यह व्यक्तिगत विकास के साथ साथ सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा व्यक्ति के आत्मविश्वास, आत्म-सम्मान और आत्म-जागरूकता को बढ़ाती है। यह व्यक्ति को बेहतर निर्णय लेने और जीवन में सफल होने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को समाज के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाती है। यह व्यक्ति को सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद करती है। शिक्षा एक शक्तिशाली उपकरण है जो व्यक्ति और समाज दोनों को बदल सकती है। यह एक ऐसा उपकरण है जो हमें ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने और सफल होने में मदद करता है। इसलिए, शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि हर व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके और एक समृद्ध और खुशहाल जीवन जी सके। उन्होंने बज्मे रब्बानी ट्रस्ट के पहल की सराहना की।

मौके पर डीएसई नूर खान ने कहा कि शिक्षा हर इंसान के लिए अहम स्थान रखती है। सरकार के द्वारा अल्पसंख्यको के लिए कई सुविधाएं दी गयी है। कस्तूरबा स्कूलों में 6 से 12 वी क्लास तक कि पढ़ाई का सुविधा प्रदान की है। मगर इसमे अल्पसंख्यक मुस्लिम बच्चियों की भागीदारी कम है। सीट निर्धारित रहने के बावजूद वह खाली रह जाती है। वही प्राइवेट स्कूलों में सीटें खाली रह जाती है। इसका अधिकाधिक लाभ उठाएं। बच्चो को बेहतर शिक्षा दें। छात्रवृति पोशाक समेत अन्य योजनाओं का लाभ लें।

एसडीपीओ ने कहा कि बच्चियां बेहतर एजुकेशन प्राप्त करें। कोचिंग में मिलने वाले ज्ञान का रिव्यू करें। उपलब्धि और कमियों को टटोलें। तभी सेंटर का मकसद कामयाब होगा।

नगर परिषद की सिटी मिशन मैनेजर राहिल डुंगडुंग ने बताया कि रब्बानी ट्रस्ट से डे एनयूएलएम की जिज्ञासा सिटी लेबल फेडरेशन से संबद्ध करा कर इस सेंटर की शुरूआत की गयी है। जिससे क्षेत्र की बालिकाओं में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम को एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव व रब्बानी ट्रस्ट के सचिव आमिर रब्बानी ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन आफताब अंजुम ने किया। अतिथियों द्वारा फीता काट कर सेंटर का उद्घाटन किया गया। मौके पर फिरोज अली रब्बानी, साजिद रब्बानी, गुलाब खान रब्बानी, तहसीन रब्बानी, बिमला देवी, सीमा दास, सैफ खान रब्बानी, सुहेब रब्बानी, इशरत जहां, रिंकू रब्बानी, बबलू रब्बानी, एवरेन, गीता देवी, राजा रब्बानी, उबैद रब्बानी, रिंकी देवी, सोनिया टोप्पो, कौसर आलम सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

डीसी ने किया चैनपुर और जारी प्रखंड का दौरा मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का लिया जायजा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने बुधवार को चैनपुर एव जारी प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उक्त क्षेत्र में किए जा रहे सरकारी कार्यों एव योजनाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

दौरे की शुरूआत पंचायत भवन, बिन्डोरा में लगे धरती आबा जनभागीदारी अभियान के शिविर से हुई। इस दौरान उन्होंने प्रखंड कार्यालय में सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर का उद्देश्य योग्य लाभुकों तक सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि छूटे हुए सभी लाभुकों को पीएम किसान, आयुष्मान कार्ड, पीएम जनधन एवं अन्य योजनाओं से शत प्रतिशत आच्छादित किया जाये। इसके पश्चात उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जारी का निरीक्षण किया। उपायुक्त द्वारा उक्त सेंटर की वर्तमान स्थिति, सफाई, शौचालय, पानी, बिजली,भवन मरम्मती इत्यादि की जानकारी ली गयी।

उपायुक्त ने ओपीडी पंजी की जांच कर कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही यथाशीघ्र लेबर रूम में आवश्यक उपकरण उपलब्धत कराते हुए सही तरीके से लेबर रूम का संचालन करने का निर्देश दिया गया। इसके पश्चात उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित जारी प्रखंड स्थित परमवीर अल्बर्ट एक्का की समाधि स्थल पहुंची। वहां उन्होंने समाधि स्थल के आसपास साफ सफाई कराने हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया।

स्पोर्ट्स

अंडर-15 और अंडर-17 बालक वर्ग के मुकाबले खेल गांव के प्रैक्टिस ग्राउंड में आयोजित हो रहे हैं, जबकि अंडर-17 बालिका वर्ग के मैच मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, बारियातू में खेले जा रहे हैं

जिला स्तरीय सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

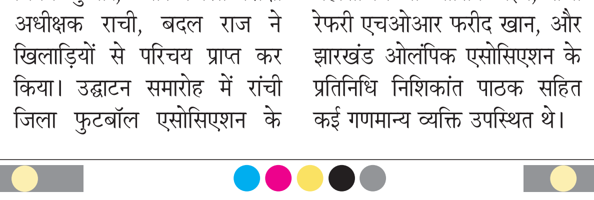

रांची। 64वीं रांची जिला स्तरीय सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता का शानदार उद्घाटन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, बारियातू, रांची में हुआ। इस अवसर पर अंडर-17 बालिका वर्ग के टूर्नामेंट का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, उत्कर्ष कुमार द्वारा किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी राची, विनय कुमार, और जिला शिक्षा अधीक्षक राची, बदल राज ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन समारोह में रांची जिला फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव श्री आसिफ नईम, रांची रेफरी एचओआर फरीद खान, और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि निशिकांत पाठक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बिशुनपुर में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। थाना परिसर में मोहर्रम पर्व के अवसर पर शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। अध्यक्षता बीडीओ सुलेमान मुंडरी ने की। मुख्य रूप से इंस्पेक्टर विनय कुमार प्रमुख राजलक्ष्मी उरांव थाना प्रभारी राकेश कुमार कल्याण पदाधिकारी गणेशराम महतो एवं दोनों समुदाय के प्रबुद्ध बैठक में शामिल हुए बीडीओ ने सभी समुदायों से आपसी भाइचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुहर्रम आपसी भाइचारे और सौहार्द का प्रतीक पर्व है। इसे शांति और सद्भाव के वातावरण में मनाया जाये। इंस्पेक्टर ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी तरह के भड़काउ गानों का प्रयोग या सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों का प्रसार सख्त वर्जित रहेगा। उन्होंने सभी समुदायों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाये रखने की अपील की तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या सूचना की जानकारी तत्काल पुलिस या प्रशासन को देने का अनुरोध किया। बैठक में एसआइ शैलेश कुमार, प्रमोद कुमार, नीतीश सिंह, मुखिया रामप्रसाद बड़ाईक कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राजू भगत, मो युनूस हुसैन हमीद खान, मो कयूम राजन अलली, राजू मांझी सहित काफी संख्या में शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बरसात से डायवर्सन खराब, राहगीर परेशान

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नरमा नदी में पिछले एक वर्षों से बन रहे पुल का डायवर्सन लगातार हो रहे बारिश के कारण कीचड़ में तब्दील हो गया है। जिस कारण नरमा विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी एवं गांव के अन्य रागिरों को रास्ते से गुजरने में काफी परेशानी हो रही है। इस संबंध में नरमा पंचायत के समिति सदस्य धर्मेंद्र उरांव ने बताया कि संवेदक के द्वारा पिछले एक वर्षों से पुल का निर्माण कराया जा रहा है, परंतु अब तक पुल पूर्ण नहीं हो पाया है और जब-जब बारिश होती है डायवर्सन कीचड़ में तब्दील हो जाता है। जिसको लेकर कई बार संवेदक से आग्रह कर उसे ठीक करने की बात कही गयी, परंतु संवेदक को ग्रामीणों की समस्या से कोई मतलब नहीं है, जिस कारण डायवर्सन का मरमत नहीं करते हैं और बारिश होने के बाद पूरी तरह से कीचड़ में तब्दील हो जाता है। मालूम हो कि उस रोड से नरमा, अंकुरी डाढ़टोली, हारा टोली सहित कई गांव के लोगों के लिए बाजार तक पहुंचाने का मुख्य मार्ग है, वहीं दर्जनों गांव के बच्चे नरमा विद्यालय में पढ़ते हैं जिन्हें भी विद्यालय जाने में काफी कठिनाई हो रही है। कई छात्र-छात्रा डायवर्सन में फैले कीचड़ में फिसल कर गिर जाते हैं जिससे उनका स्कूल ड्रेस खराब हो जाता है और बिना स्कूल गए घर लौटना पड़ जाता है, फिर भी संवेदक के द्वारा डायवर्शन को दुरुस्त नहीं किया जा रहा है।

दुष्कर्म के आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित बैंक ऑफ इंडिया के कैशियर राजकुमार सिंह के द्वारा अपने रूम में एक नाबालिक आदिवासी युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद फरार रहने पर बिशुनपुर पुलिस ने आरोपी के घर रांची सिंह मोड़ लतमा रोड स्थित विकास नगर के शांति एंक्लेव फ्लैट न 104 में जा कर बुधवार को इसतिहार चिपका कर परिजनों से आरोपी को आत्मसमर्पण कराने की बात कही। बिशुनपुर थाना प्रभारी राकेश सिंह ने परिजनों से बात करते हुए कहा कि आज गुमला न्यायालय से मिले इश्तहार को विधिवत आरोपी के घर में चिपकाया गया है। इसके बाद भी आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करता है तो इसके बाद घर का कुर्की जब्ती भी किया जायेगा। मालूम हो कि पिछले एक मई को एक आदिवासी नाबालिग युवती जो बैंक ऑफ इंडिया बिशुनपुर शाखा के कैशियर राजकुमार सिंह के घर में खाना बनाने का काम करते थी उसने बिशुनपुर थाना में आरोप लगाया कि कैशियर के द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। इधर बिशुनपुर थाना में कैशियर के खिलाफ दुष्कर्म का प्राथमिक दर्ज होने के बाद पिछले 2 महीने से फरार है।

कार्यालय- समेकित जनजाति विकास अभिकरण (I.T.D.A) लोहरदगा

(अ0ज0जा0, अ0जा0, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग)

ई-कल्याण पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृति लोहरदगा के लिए महत्वपूर्ण सूचना

शैक्षणिक सत्र- 2024-25

ऑनलाईन आवेदन की समय सीमा :-

क0	प्रकियात्मक कार्रवाई	प्रारम्भ होने की तिथि	निर्धारित अंतिम तिथि
1.	संबंधित शैक्षणिक संस्थान के INO द्वारा छात्र/छात्राओं के आवेदन का सत्यापन की तिथि।	01.07.2025	15.07.2025
2.	DNOद्वारा छात्र/छात्राओं के आवेदन का सत्यापन की समय सीमा।	01.07.2025	15.07.2025

जिला कल्याण पदाधिकारी, लोहरदगा

PR 356343 Lohardaga(25-26)#D

झारखण्ड सरकार

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा

वेद-व्यास आवास निर्माण योजना हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्यादेश सं0 08 रा0(वि0), दिनांक- 24.06.2025 के द्वारा सिमडेगा जिले के सभी सक्रिय मत्स्य पालकों/मछुआरों/समिति के सदस्यों हेतु सिमडेगा जिले में लघु शीर्ष-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत 05 एवं लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत 05 कुल 10 वेद-व्यास आवास निर्माण योजना का लक्ष्य प्राप्त है। आवेदन पत्र कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा से पंजी में नाम दर्ज कराते हुए आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। सभी इच्छुक मत्स्य पालक दिनांक- 25.08.2025 तक आवेदन विहित प्रपत्र में भरकर आवश्यक कागजातों के साथ कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

1. कृषि प्रभाग द्वारा अधिष्ठापित सिंगल विंडो के माध्यम से प्राप्त आवेदनों अथवा समाचार पत्रों में विज्ञापन के उपरांत प्राप्त आवेदनों में से लाभुकों का चयन किया जाएगा। पूर्व के आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आवास निर्माण हेतु अधिकतम प्रति लाभुक मो0-191200/- रू0 मात्र की आर्थिक सहायता होगी।
2. सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने /मत्स्य बिक्री में सक्रिय हों को प्राथमिकता दी जाएगी।
3. प्राथमिकता गरीबी रेखा से नीचे कच्चे मिट्टी से बने अथवा फूस के मकान में रहने वाले मछुआ/मत्स्य पालक को दी जाएगी।
4. आवास निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध रहने तथा कच्चा घरवाले मछुआरों को भी कंडिका 01 एवं 02 के अतिरिक्त लाभान्वित किया जा सकता है। एक परिवार में एक आवास देय है। आवश्यकतानुसार पति-पत्नी के संयुक्त नाम से स्वीकृति दी जाएगी।
5. प्रक्रियानुसार आवेदक दिव्यागों हेतु स्वीकृत राशि का न्यूनतम 03 प्रतिशत् तथा महिलाओं के लिए न्यूनतम 10 प्रतिशत् राशि का प्रावधान जिलावार किया जाएगा।
6. ऐसे लाभुकों को दोबारा लाभ नहीं दिया जाएगा, जो पूर्व संचालित विभागीय मछुआ आवास योजना अथवा इंदिरा आवास या समतुल्य केन्द्र/राज्य सरकार की आवास योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।
7. आवेदक को वर्त्तमान में रह रहे अपने कच्चे आवास का जियो टैग फोटोग्राफ आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
8. आवेदन पत्र के साथ फोटो, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, भूमि संबंधित कागजात (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) संलग्न करना आवश्यक है। अधूरा एवं वांछित कागजात संलग्न नहीं होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
9. लाभुक का चयन राज्यादेशानुसार गठित समिति द्वारा की जाएगी, जिसका निर्णय अंतिम होगा तथा उस पर किसी प्रकार का कोई भी पत्राचार नहीं किया जाएगा।
10. किसी भी आवेदन को विभाग हित में स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
11. प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (इंदिरा आवास) के मानक प्राक्कलन के आधार पर आवास निमार्ण का कार्य लाभुकों के द्वारा स्वंय कराया जाएगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा

PR 356378 (Simdega)25-26*D

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 03 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

भाजयुमो धनबाद महानगर की ओर से प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण का मूल स्तंभ है : शत्रुघ्न

प्रतिभा को सम्मान देना भाजपा की परंपरा रही है : शशांक राज

बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें प्रोत्साहन देना, हमारा सामाजिक कर्तव्य : शारदा सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा को सम्मानित करते विधायक शत्रुघ्न महतो।

धनबाद। भारतीय जनता युवा मोर्चा, धनबाद महानगर की ओर से बुधवार को जोड़ा फाटक रोड स्थित इंडस्ट्री एंड कमर्स हाउस में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसकी अगुवाई महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने की। इस दौरान 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज के अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय, प्रदेश युवा मोर्चा महामंत्री रूपेश सिन्हा, भाजपा जिला महामंत्री एवं युवा मोर्चा प्रभारी मानस प्रसून और युवा नेत्री शताक्षी सिंह आदि उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया। वहीं, बाघमारा कॉलेज के प्राचार्य डॉ रंजन सिन्हा सहित अन्य शिक्षकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। एस अवसर पर अपने संबोधन में शशांक राज ने कहा कि प्रतिभा को सम्मान देना भाजपा की परंपरा रही है। ये छात्र भारत का भविष्य हैं और हम इनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। वहीं, विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान सिर्फ एक आयोजन नहीं, समाज को एक सकारात्मक दिशा देने वाली पहल है। शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण का मूल है। वहीं, भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि धनबाद की प्रतिभाएं देश के किसी कोने से कम नहीं हैं। ऐसे सम्मान समारोह न केवल विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि समाज को भी शिक्षा के प्रति जागरूक बनाते हैं। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें प्रोत्साहन देना, हमारा सामाजिक कर्तव्य है। ये युवा ही कल के नेता, वैज्ञानिक और नीति निर्माता हैं। रूपेश सिन्हा ने कहा कि जो विद्यार्थी आज सम्मानित हो रहे हैं, वे कल भारत के नेतृत्वकर्ता बनेंगे। युवा मोर्चा हर उस कदम का साथी बनेगा जो उन्हें आगे बढ़ाए। वहीं, महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने कहा यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने की दिशा में हमारा प्रयास है। हमें गर्व है कि धनबाद की धरती से देश के लिए चमकते सितारे निकल रहे हैं। शताक्षी सिंह ने कहा ने युवतियों और छात्राओं की बढ़ती भागीदारी और सफलता यह साबित करती है कि अब बेटियां भी हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं।इस मौके पर सुभम बनर्जी, पुष्परंजन राय, चितरंजन सिंह, साकेत श्रीवास्तव, रवि मिश्रा, आमोद साहू, भगीरथ दास, रूपेश पासवान आदि उपस्थित थे।

अशोका बिल्डकॉम की लापरवाही से शाखाटांड फाटक बना 'डेंजर जोन'

- रेलवे लॉक स्लाइड को टक्कर मार स्कोर्पियो क्षतिग्रस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। धनबाद रेल खंड के कतरास क्षेत्र स्थित शाखाटांड रेलवे फाटक संख्या तीन के लॉक स्लाइड इन दिनों 'डेंजर जोन' बना हुआ है। जिसका एक और उदाहरण मंगलवार की देर रात देखने को मिला। जहां एक स्कॉर्पियो की जोरदार टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त होकर उसकी फंस गयी। इस कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। इसकी सूचना पाकर तुरंत स्थानीय पुलिस और कतरास रेलवे पुलिस बल के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और सड़क को जाम मुक्त करवाया। रेलवे गेट मैन के अनुसार स्कॉर्पियो महुदा से धनबाद की ओर जा रही थी। गाड़ी के आगे का दोनों एयरबैग खुले होने से साफ पता चल रहा था कि गाड़ी अधिक रफ्तार में थी। हालांकि दुर्घटना में क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि दो से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए होंगे।

रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर वाहन मालिक के खिलाफ होगी कार्रवाई : अधिकारी

उधर, घटना की सूचना मिलते पर कतरास से रेलवे सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गए हैं। रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के खिलाफ स्कॉर्पियो मालिक के विरुद्ध मामला दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। गेटमैन ने घटना की सूचना रेलवे के वरीय पदाधिकारी को दे दिया। जिसके बाद धनबाद रेल मंडल रेलवे अधिकारी प्रदीप कुमार बुधवार की सुबह अपनी टीम के साथ घटना स्थल पहुंचकर मरम्मती कार्य को शुरू करवाया।

एनओसी के बाद भी नहीं हुआ फाटक का चौड़ीकरण

बतातें चलें कि नेशनल हाईवे एनएच 32 फोर लेन सड़क का निर्माण अशोका बिल्डकॉन की ओर से किया गया है। यह रोड फोरलेन होने के बावजूद शाखाटाड रेलवे फाटक के पास आकर संकरी रोड (सिंगल लाइन) हो जाती है। जिस कारण लोग समझ नहीं पाते हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। यहां प्रति वर्ष दर्जनों बड़ी दुर्घटना होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाखाटांड़ फाटक में दुर्घटना आम बात हो गई है। यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती है। वहीं, इस मामले में धनबाद के पूर्व डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने बताया था कि फाटक के चौड़ीकरण के लिए अशोका बिल्डकॉम को एनओसी दे दिया गया है, लेकिन नेशनल हाईवे 32 और अशोका बिल्डकॉन ने फाटक चौड़ीकरण का कार्य नहीं किया गया जिस कारण आये दिन दुर्घटनाएं हो रही है।

अभाविप के सैकड़ो कार्यकर्ता आजसू छात्र संघ में हुए शामिल

धनबाद (आजाद सिपाही)। हिराक रोड स्तिथ ब्लू इन होटल में बुधवार को आजसू छात्र संघ का मिलन समारोह आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विकास कुमार एवं संचालन जिला महासचिव नितेश महतो ने किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव विशाल महतो उपस्थित रहे। समारोह में अभाविप के पूर्व महानगर मंत्री किशोर झा के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने आजसू छात्र संघ का दामन थाम लिया। प्रदेश महासचिव विशाल महतो ने सभी को आजसू का पट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाया और स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अभाविप के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आज आजसू छात्र संघ का दामन थामा है। अगले एक महीने में बीबीएमकेयू के सभी महाविद्यालयों में कॉलेज इकाई गठन करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही सदस्यता अभियान सभी महाविद्यालयों में जारी रहेगा। वहीं, किशोर झा ने कहा कि आजसू छात्र संघ छात्रों की समस्याओं को सबसे पहले विश्वविद्यालय में मुखरता से रखती है। हर मसले का समाधान करती है जिससे प्रभावित होकर आज सैकड़ो विद्यार्थी आजसू में शामिल हुए हैं। वहीं आजसू छात्र संघ में शामिल होने वालों में अभाविप के झरिया से विनेश वर्मा, पीके रॉय कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष राजवर्धन सिंह, बलियापुर कॉलेज से ओम प्रकाश सिंह, कतरास नगर से रौनक चौहान, सिमरन कुमारी, नैना सिंह, अनिता महतो, सोनम कुमारी, जान्हवी हांसदा, प्रियंका कुमारी, सिम्मी कुमारी, हनशिका कुमारी, साक्षी कुमारी, किशले कुमार, जय कुमार, आयुष यादव, अंशु कुमार, क्रिश कुमार, विशाल यादव, राहुल महतो, रंजन यादव, सागर सिंह मुंडा, पीयूष सिंह, हर्ष केशरी, दिव्यांशु सिंह और अभिनव सिंह आदि शामिल हैं।

शारदा सिंह ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला परिषद चेयरमैन शारदा सिंह ने धनबाद भाययुमो, धनबाद महानगर की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर युवा मोर्चा के झारखंड अध्यक्ष शशांक राज, जिलाध्यक्ष श्रवण राय, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नित्यानंद मंडल आदि उपस्थित थे।

लाठी चार्ज में मारे गये प्रेम प्रसाद को न्याय दिलाने के लिए निकाला गया कैंडल मार्च

बोकारो (आजाद सिपाही)। प्रेम की मां को न्याय दिलाने को लेकर बुधवार को कैंडल मार्च निकाला गया, जो सेक्टर 4 स्थित जाहेर गढ़ से प्रशासनिक भवन, बिरसा चौक होते हुए पुनः जाहेर गढ़ तक पहुंचा। इस रैली में सैकड़ों विस्थापितों ने हिस्सा लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य विगत तीन अप्रैल को आंदोलन के दौरान सीआईएसएफ द्वारा किये गये लाठीचार्ज में मारे गए प्रेम प्रसाद को न्याय दिलाना था। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में प्रेम प्रसाद के नाम पर शहीद पार्क का निर्माण, जब तक स्थाई नियोजन नहीं मिलता, तब तक आवास, मेडिकल और 60 साल तक रोजगार की स्वीकृति शामिल हैं। इसके अलावा विस्थापितों ने अप्रेंटिस के विकल्पी रोजगार की मांग भी की। प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से प्रकाशित सूचना में इन मांगों पर कोई पहल नहीं की गई है। न आवास, न मेडिकल और न ही 60 साल की रोजगार की स्वीकृति की बात प्रशासन ने की है, जिसका संघ ने कड़ा विरोध किया है। रैली के माध्यम से जिला प्रशासन और प्रबंधक को 10 जुलाई तक अल्टीमेटम दिया गया है कि यदि शहीद प्रेम प्रसाद को न्याय और अप्रेंटिस की मांगों पर पहल नहीं होती, तो उसके बाद पुनः आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान आर-पार की लड़ाई की चेतावनी दी गई है।

अफवाहों से बचें और प्रशासन का सहयोग करें : थाना प्रभारी

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक में लिये गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

बाघमारा। मोहर्रम पर्व को लेकर कतरास थाना क्षेत्र के भंडारीदाह समुदायीक भवन में बुधवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी असीत कुमार सिंह ने की। बैठक में जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और कई समुदाय के प्रमुख लोग उपस्थित थे। इसमें पर्व के दौरान सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की गई। ताजिया जुलूस की ऊंचाई, मार्ग निर्धारण और समय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही जुलूस के समय विद्युत आपूर्ति को अस्थायी रूप से बंद रखने का निर्णय भी लिया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। थाना प्रभारी ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी अफवाह से बचें और प्रशासन का सहयोग करें। इस दौरान अखाड़ा दल के सदस्य एवं पुलिस जन सहयोग समिति के सक्रिय सदस्य के साथ दोनों समुदाय के लोगों ने आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने का निर्णय लिया। अखाड़ा दल के सदस्यों ने भीड़ भाड़ वालों जगहों पर पुलिस की तैनाती की बात कही। वहीं, लाइट की व्यवस्था सहित रास्ते से गंदगी की साफ सफाई करने की मांग की। उधर, थाना प्रभारी ने बताया कि लाइसेंस अखाड़ा दल अपनी रूट चार्ट के अनुसार ही अखाड़ा निकाले। आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ पर्व मनाए।

चोरी की घटना में शामिल युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

बोकारो (आजाद सिपाही)। सेक्टर 4 थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापामारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान सोनू उर्फ आलम अंसारी उर्फ बादशाह खान के रूप में हुई है। वह चास चेकपोस्ट मंदिर के पीछे रहता है। उसकी निशानदेही पर सोने के आभूषण के अलावा 11 लावारिस साइकिलें भी बरामद की है। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि बीते कुछ माह से सेक्टर 4 थाना क्षेत्र में चोरी की कई घटनाएं सामने आई थीं। एसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे धर दबोचा। उन्होंने बताया कि आरोपी दिन में टारगेट की रेकी किया करता था और चोरी घटना को अंजाम दिया करता था। बताया कि आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी एवं अन्य धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं।

मुहर्रम को लेकर चास थाने में शांति समिति की बैठक

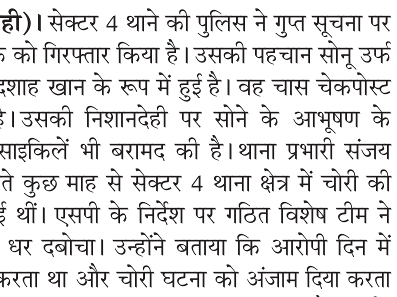

बोकारो (आजाद सिपाही)। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहाद्र पूर्ण वातावरण में संपन्न करने के उद्देश्य से बुधवार को चास थाना में शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी सुषमा कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के दौरान जुलूस ,ताजिया यात्रा और अन्य धार्मिक गतिविधियों के समय विधि व्यवस्था सर्वोपरि है। कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस के साथ ही आम लोगों की भी है। सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। विधि व्यवस्था भंग करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

धनसार से गायब महिला जम्मू के कटरा से बरामद

धनसार (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बरमसिया शनि मंदिर से कालेज जाने के क्रम में रहस्यमय ढंग से गायब निशू नामक महिला जम्मू के कटरा से बरामद हुआ है। उसने धनसार पुलिस को बताया कि वह गलत ट्रेन में चढ़कर भटकते हुए जम्मू के कटरा पहुंच गई थी। पुलिस ने निशू को उसके स्वजनों को सौंप दिया है। बतातें चलें कि निशु 23 जून से रहस्यमय ढंग से लापता हो गई थी। उसके पति ओमप्रकाश तिवारी ने धनसार पुलिस से मिलकर पत्नी निशू की तलाश करने की मांग की थी। निशू की शादी एक साल पहले ही पतरा कुलही के ओमप्रकाश तिवारी से हुई थी। ओमप्रकाश नवादा ब्लाक में कार्यरत है।

जीतपुर कोलियरी बंद के प्रतिवाद में राजमसं का अनिश्चितकालीन धरना

षड्यंत्र के तहत कोलियरी को किया गया है बंद : रणजीत

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोरापोखर। सेल जीतपुर कोलियरी खदान को जल रिसाव से संभावित जानमाल के खतरा को देखते हुए प्रबंधन की ओर से पूरी तरह बंद किए जाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। इसे लेकर बुधवार को कोलियरी परिसर में एक ओर मान्यता प्राप्त यूनियनों संयुक्त मोर्चा की ओर से सचिन सिंह, राजकुमार सिंह, अमरजीत पासवान ,विकाश सिंह के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया, वहीं, दूसरी ओर, असंगठित मजदूरों एवं नागरिकों ने प्रबंधन से कोलियरी को चालू करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ (राजमसं) के शाखा सचिव रंजीत यादव एवं महिला नेत्री रीना पासवान के नेतृत्व में कोलियरी कार्यालय के मुख्य गेट के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया। खदान बंदी को लेकर कर्मियों एवं नागरिकों के विरोध एवं आक्रोश को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। जोरापोखर थाना के अधिकारी पुलिस शैलेन्द्र शर्मा की देखरेख में बड़ी संख्या में पुलिस बल को दंडाधिकारी के नेतृत्व में तैनात किया गया है। उधर, खदान चालू करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे नेताओं ने प्रबंधन पर खदान को साजिश के तहत बंद करने का आरोप लगाया है। मजदूर नेता रणजीत यादव ने कहा कि 100 साल पुरानी कोलियरी अच्छी स्थिति में सुरक्षित है। यहां से रोजाना लगभग 400 टन स्टील ग्रेट की कोयले की उत्पादन होती थी, जिस कारण कंपनी मुनाफे में थी। कहा कि कोलियरी में कोयला उत्पादन को कंपनी ने राकेश इंटरप्राइजेज को ठेका दिया था। पिछले साल समय पर उत्पादन कार्य पूरा नहीं करने पर कंपनी ने ठेकेदार पर लगभग साढ़े आठ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कोलियरी प्रबंधन ने एक साजिश के तहत ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए जुर्माने से बचाने के लिए मामूली जल रिसाव को भयावह बनाकर उच्च प्रबंधन को गुमराह कर खदान को बंद किया है। जिसकी सीबीआई से जांच होनी चाहिए। गौरतलब हो कि जीतपुर कोलियरी में लगभग 150 संगठित एवं 800 असंगठित अनुभवी मजदूर कार्यरत थे। कोलियरी के बंद होने से संगठित मजदूरों के स्थानांतरण होने और असंगठित मजदूरों पर छंटनी होने की तलवार लटक गई है। वहीं, कोलियरी के बंद होने से पूरे जीतपुर कोलियरी एवं आसपास मोहल्लों में लगभग 20 हजार लोगो को पानी-बिजली की समस्या से जूझना पड़ेगा। मजदूरों ने कहा कि उच्च प्रबंधन ने जब तक खदान बंदी के निर्णय को वापस नहीं लेगी, उनका आंदोलन अनवरत जारी रहेगा। इस मौके पर गुड्डु यादव, रीना पासवान, शिव तिवारी, संजय थापा, सीता राम पासवान, सुनीता देवी और बबिता देवी आदि मौजूद थे।

जिला भू–अर्जन कार्यालय, सिमडेगा।

परियोजना– कोलेबिरा से हाटगम्हरिया (NH-320 G) अंतर्गत
अंचल– बानो के विभिन्न मौजा के सुनवाई योग्य हितबद्ध व्यक्तियों की सूची:–

क्र0	मौजा	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा (एकड़ में)	लाभुक का नाम	अभ्युक्ति
1	पाड़ो	127	2670	0.072899	1 जदुमन घांसी वो कोका घांसी। 2 फेलिक्स डांग वो जेन्स डांग पे0– पौलुस डांग वो बोआस डांग।	
2	बानो	154	2425	1.0176	1 चन्द्रभान सिंह वगै0 पे0– दिगम्बर सिंह। 2 राजू सिंह।	
3	बानो	357	2434	0.0413	1 मझीहश (जीतवाहन सिंह वगै0)। 2 संदीप सिंह वगै0 पे0– बलेश्वर सिंह।	
4	लोवासोकड़ा	13 13 12 12	408 409 223 224	0.1018 0.284699 0.022199 0.048699	1 झखन भोगता पिता – कोंदा भोगता। 2 राहुल प्रधान वगै0 वल्द कलिन्द्र प्रधान।	
5	सौबेड़ा	177 177 177	2289 2290 2291	0.1016 0.0432 0.0204	1 नीवाए मुण्डा वो बुचा मुण्डा वो पुना मुण्डा, पिता – गना मुण्डा। 2 संदीप पूर्ती पिता बुधवा वो निबय पूर्ती वल्द फगुवा मुंडा।	
6	सौबेड़ा	205 205	1887 2145	0.2413 0.0024	1 लालवा मुण्डा वगै0 पे0 सुखराम मुण्डा। 2 सुनील तोपनो पिता स्व0 चैना तोपनो।	
7	जराकेल	125	1901	0.058	1 भोको रौतिया वो मोन्दरो रौतिया पिता ढ़ीड़रा रौतिया। 2 विश्वम्भर सिंह उर्फ डमरूधर सिंह।	
8	जराकेल	180 25	2474 2477	0.0477 0.0255	1 चमन चीक वो बुधु चीक पे0 – चरकु चीक। 2 नारायण बड़ाईक वगै0।	
9	जराकेल	25	2477	Well-1Nos.	1 नारायण बड़ाईक।	
10	जराकेल	78	2480	0.0739	1 लोधड़ो चीक मंगरु चीक धीरज चीक पे0 – भुखा चीक। 2 रामचंद्र बड़ाईक वगै0 पे0 लोहर बड़ाईक।	
11	जराकेल	1 1	2470 2472	0.0376 0.0109	1 मझीहश (लगान पाने वाले का नाम – महाराज कुमार लाल अशेश्वर नाथ शाहदेव)। 2 शिवनंदन बड़ाईक वगै0।	
12	पबुड़ा	67	159	0.2266	1 नगा नायक वगै0 पिता – मीलकू नायक। 2 हीरालाल सिंह पिता– गजराज सिंह।	
13	पबुड़ा	18 18	149 158	0.1782 0.1792	1 गुजू भोगता पिता – हरखु भोगता। 2 मुन्नी देवी पति नरसिंह यादव वो ठोगो भोगता।	
14	पबुड़ा	18	157	0.0106	1 गुजू भोगता पिता – हरखु भोगता। 2 मुन्नी देवी पति नरसिंह यादव।	
15	पबुड़ा	18	155	0.252	1 गुजू भोगता पिता – हरखु भोगता। 2 महेश्वर सिंह पिता स्व0 बावना सिंह।	
16	हुरपी	39 39 39	565 314 564	0.081099 0.1559 0.4586	1 सुलेमान वो प्रेमसुख वो जुएल मुण्डा जयमसीह मुण्डा सहाय मुण्डा उम्बलन पिता – दानिएल मुण्डा दशु मुण्डा, सुकरा मुण्डा पिता – बिरझु मुण्डा वो आनन्दमसीह मुण्डा वो जकरिया मुण्डा पेशरान दयाधाम मुण्डा। 2 इम्मानुएल भुंईया वल्द प्रेमसुख मुंडा वो मनसिद्ध भुंईया वल्द इलियाजर।	
17	हुरपी	39	564	Patha Makan	1 जीवन भुईयां पिता – स्व0 सुलेमान भुईयां।	
18	हुरपी	39	564	Pakka Makan	1 पतरस भुईयां पिता – स्व0 उम्बलन भुईयां।	
19	हुरपी	39	564	Katcha Makan	1 फांसिस भुईयां पिता – स्व0 प्रभुदयाल भुईयां।	
20	हुरपी	39	565	Katcha Makan	1 मनसिद्ध भुईयां पिता – ईलियाजर भुईयां।	
21	गोर्रा	63 63 63	285 282 283	0.348199 0.086999 0.011099	1 सिलास पहान पिता – गन्दुरा पहान। 2 फूलमनी हेमरोम।	
22	बानो	114	2407	0.109	1 रितभंजन सिंह वगै0 पे0– महेन्द्र सिंह। 2 विनोद सिंह वगै0 पे0– जगदीश सिंह।	

उपरोक्त वर्णित सभी लाभुको सूचित किया जाता है कि दिनांक– 08.07.2025 को 11:00 पूर्वाहन् में जिला भू–अर्जन कार्यालय में सभी दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा इसके पश्चात् कोई भी सुनवाई नहीं की जाएगी।

PR 356296 (Simdega) 25-26 (D)

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, सिमडेगा।

38 दिन तक चलनेवाली अमरनाथ यात्रा आज से, 80 हजार जवान तैनात

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में तीन जुलाई से अमरनाथ यात्रा प्रारंभ हो रही है। 38 दिन तक चलने वाली यह यात्रा, पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से गुजरेगी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, सीआइएसएफ, आइटीबीपी और जम्मू कश्मीर पुलिस के लगभग 80 हजार जवान, अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात किये गये हैं। ये जवान, यात्रियों को उनकी हिफाजत की गारंटी देंगे। फिदायीन अटैक जैसे हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने अचूक घेरा तैयार किया है। यात्रा के रूट पर कोई आतंकी न आ सके, इसके लिए वैसी ही सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जैसी अफगानिस्तान में यूएस/नाटो सेना के काफिलों की हिफाजत के लिए देखने को मिलती थी।

खुफिया इकाई से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अमरनाथ यात्रा के रूट पर पाकिस्तान के दशहतगर्दों की बुरी नजर है। वजह, उनके मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में लगभग '50' पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हैं। साथ ही पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों के जम्मू-कश्मीर में मौजूद 'मुखौटे' समूहों के करीब दो दर्जन लोकल आतंकी भी सक्रिय हैं। इस इनपुट को ध्यान में रखते हुए भारतीय सेना, अर्धसैनिक बलों और जम्मू कश्मीर पुलिस ने मिल कर, यात्रा रूट की सुरक्षा का फुलप्रूफ प्लान तैयार किया है। यात्रा रूट को पूरी तरह से सुरक्षित बनाया गया है। पहाड़, नदी-नाले, सड़क और पुलों के आसपास यात्रियों की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है।

सीआरपीएफ की 220 कंपनियां तैनात

देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' की सर्वाधिक कंपनियां, अमरनाथ यात्रा के रूट पर तैनात रहेंगी। लगभग 220 कंपनियों को वहां तैनात किया गया है। हालांकि 100 से अधिक कंपनियां, पहले से ही जेएंडके में तैनात हैं। डीजी सीआरपीएफ जीपी सिंह ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर रेंज डीआइजी और कमांडिंग अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बीएसएफ डीजी दलजीत चौधरी भी जम्मू कश्मीर में पहुंचे थे। उन्होंने भी यात्रा मार्ग को फुलप्रूफ सिक्योर करने की रणनीति तैयार की थी।

पहलगाम और बालटाल, दोनों रूटों पर सुरक्षा का अभेद्य घेरा तैयार किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी और ड्रोन से नजर रखी जा रही है। यात्रियों के काफिलों को सीआरपीएफ के सुरक्षा घेरे में ले जाया जायेगा। दोनों ही रूटों पर विभिन्न सुरक्षा बलों की रोड ओपनिंग पार्टी 'आरओपी' लगी हैं। डॉग स्क्वाड और बुलेटप्रूफ मार्क्समैन भी तैनात किये गये हैं। कई जगहों पर लंबी दूरी तक की गतिविधियों को कैद करने वाली दूरबीन लगायी गयी हैं। सुरक्षा बलों को हैंडहेल्ड सीसीटीवी कैमरे भी मुहैया कराये गये हैं।

जिस तरह से अफगानिस्तान में यूएस/नाटो सेनाओं के काफिलों को जैसी सुरक्षा मिलती थी, वैसी ही अमरनाथ यात्रा के दौरान रहेगी। जब अमरनाथ यात्रा के काफिले रवाना होंगे तो रास्ते में अप्रोच रूटों को बंद कर दिया जायेगा। काफिले गुजरने के बाद ही उस रोड पर लोकल ट्रैफिक को चलने की अनुमति होगी। कुछ जगह ऐसी भी चिन्हित की गयी हैं, जहां पर मुख्य मार्ग पर अपोजिट मार्ग के हिस्से को सामान्य ट्रैफिक के लिए बंद किया जा सकता है।

पहलगाम हमले के बाद अमरनाथ यात्रा के रूट पर 'छोटी मिसाइल' और 'ड्रोन' से बम गिराना, ऐसे हमलों को रोकने के लिए विशेष इंतजाम किये गये हैं। यात्रा रूट की हिफाजत के लिए सीएपीएफ के 50000 से ज्यादा जवानों को तैनात किया जा रहा है। फिदायीन अटैक रोकने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

जैलेंद्र कुमार बने टेलीफोन सलाहकार समिति के सदस्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची । राज्यसभा सदस्य डॉ प्रदीप वर्मा के अनुमोदन पर दूरसंचार विभाग (पीएचबी) की डायरेक्टर उर्वशी सांगवान ने गेतलसूद निवासी जैलेंद्र कुमार को रांची टेलीफोन सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया है। जैलेंद्र कुमार कार्यकाल आगामी 13 जुलाई 2026 तक रहेगा। इनके मनोनयन पर जिलाध्यक्ष धीरज महतो, शशि भूषण भगत, मनोज चौधरी, संजय नायक, सुजीत कुमार सोनी, बिगेसर महतो, रामसाय मुंडा, प्रभुदयाल बड़ाइक, जय गोविंद साहू, रामवृक्ष महतो, सिकंदर महतो, बालक महतो, बालक पाहन, नीलमोहन पाहन, जगेसर महतो, विजय नायक, प्रीतम साहू, सोहराय बेदिया, सुनील महतो, राजेंद्र महतो, शिबू बेदिया, कामेश्वर महतो, पंचम भोगता, राजेश्वर महतो, रामबालक ठाकुर, रामकुमार पाहन, सुरेंद्र महतो, शिकारी महतो, नागेश्वर महतो, रोहित साहू, रामकुमार दुबे, अभिषेक कुमार, राकेश केशरी, धर्मेंद्र साहू, राजेंद्र साहू और अन्य समर्थकों ने बधाई दी है।

नेशनल हेराल्ड मामला : इडी ने अधिग्रहण में फर्जी लेन-देन का किया दावा

सोनिया और राहुल गांधी की बढ़ीं मुश्किलें

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल इडी ने अदालत में दावा किया है कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के अधिग्रहण में फर्जी लेन-देन किया गया। असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू इडी की तरफ से अदालत में पेश हुए। एसवी राजू ने बताया कि यंग इंडियन नामक कंपनी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का अधिग्रहण किया। एजेएल की संपत्ति 2000 करोड़ रुपये है। एजेएल के अधिग्रहण के लिए ही यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड को बनाया गया था।

2000 करोड़ रुपये की कंपनी का 90 करोड़ के कर्ज के बदले किया गया अधिग्रहण : एसवी राजू ने बताया कि एजेएल के निदेशक ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी को पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया कि 'वे कर्ज चुकाने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि अखबार का प्रकाशन बंद हो चुका है और उनके पास आय का कोई नियमित साधन नहीं है।' एसवी राजू ने कहा कि यंग इंडियन में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे और सैम पित्रोदा प्रबंधकीय पदों पर थे। राजू ने कहा कि 'कंपनी एजेएल के पास करीब 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसका 90 करोड़ रुपये के कर्ज के बदले अधिग्रहण कर लिया गया। यह एक धांधली है, जिसमें कोई असल लेन-देन नहीं हुआ। एजेएल का अधिग्रहण कांग्रेस ने नहीं किया बल्कि यंग इंडियन ने किया। यह एक साजिश के तहत किया गया।'

इडी ने कहा कि कांग्रेस ने न ही ब्याज दिया और न ही जमानत और 90 करोड़ रुपये के कर्ज को सिर्फ 50 लाख रुपये में बेचा गया। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के इशारे पर यह साजिश रची गयी। एसवी राजू ने कहा कि यंग इंडियन में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के 76 प्रतिशत शेयर हैं।

क्या हैं आरोप

नेशनल हेराल्ड की स्थापना पूर्व पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 1938 में की थी। इसे कांग्रेस का अखबार माना जाता था। साल 2008 में इसने कर्ज में फंसने के चलते काम बंद कर दिया। साल 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने शिकायत दर्ज करायी, जिसमें आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व ने यंग इंडियन लिमिटेड कंपनी के जरिए धोखाधड़ी से एजेएल की संपत्ति का अधिग्रहण किया है। इसके बाद इडी ने इसकी जांच शुरू की।

दिल्ली में मुख्यमंत्री के बंगले का रेनोवेशन होगा

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नये सरकारी बंगले (बंगला नंबर 1, राज निवास मार्ग) में जल्द ही मरम्मत और सजावट का काम शुरू होगा। यह बंगला पहले उपराज्यपाल सचिवालय के दफ्तर की तरह इस्तेमाल हो रहा था। अब इसे मुख्यमंत्री और उनकी फैमिली के रहने लायक बनाया जायेगा। बंगले में 24 एयर कंडीशनर, 5 स्मार्ट टीवी (चार 55 इंच और एक 65 इंच), 3 बड़े झूमर, 80 से ज्यादा पंखें लगाये जायेंगे। किचन में नयी मशीनें जैसे गैस हॉब, इलेक्ट्रिक चिमनी, माइक्रोवेव, टोस्ट ग्रिल, वॉशिंग मशीन, डिशवॉशर, 50 लीटर प्रति घंटे की आरओ वॉटर प्लांट की सुविधा दी जायेगी। रेनोवेशन के फर्स्ट फेज का कुल बजट 60 लाख रुपये है। अकेले एयर कंडीशनिंग पर 11 लाख से ज्यादा खर्च होगा और लाइट्स, झूमरों पर 6 लाख का बजट रखा गया है। बता दें कि पिछले साल पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी बंगले के रेनोवेशन को लेकर विवाद हुआ था, तब भाजपा ने बंगले को केजरीवाल का शीशमहल बताया था।

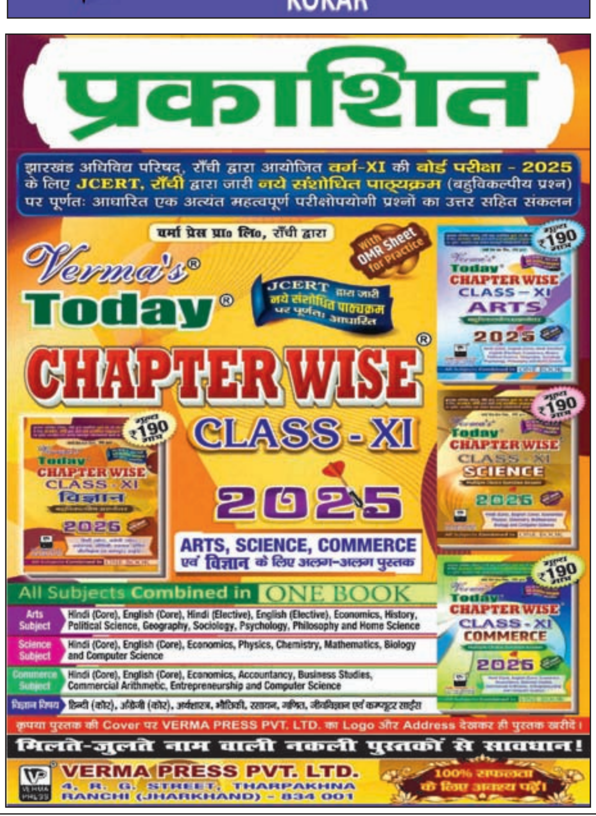

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**